पीएम मोदी के कार्यालय में... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रभास ने की राशा थडानी की... 11

वर्ष - 01, अंक - 303 | गाजियाबाद / बुधवार 04 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

डॉलर के मुकाबले रुपया 130 पैसे मजबूत,90.20 पर आया

- यह 3 साल में सबसे बड़ी बढ़त,2025 में सबसे कमजोर एशियाई करेंसी हो गया था

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 3 साल की सबसे बड़ी बढ़त के साथ 90.20 के स्तर पर पहुंच गया। यह तेजी अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील के ऐलान के कारण हुई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय सामानों पर टैरिफ को 50 से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। इससे पहले 2025 में रुपया करीब 5 फीसदी तक टूटकर एशिया की सबसे कमजोर करेंसी बन गया था। जनवरी 2026 में ही इसमें 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार निकासी ने रुपए पर दबाव बना रखा था। हालांकि, मंगलवार को रुपए ने वापसी करते हुए 91.49 के पिछले क्लोज के मुकाबले 130 पैसे की मजबूती दर्ज की है।

ट्रेड डील के ऐलान के बाद आई तेजी- रुपए में आई इस तेजी के पीछे भारत और अमेरिका के बीच हुआ 'गिव एंड टेक' समझौता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर बताया कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और इसके बदले अमेरिका व वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। इसके अलावा,

भारत ने अगले कुछ वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर (करीब 45 लाख करोड़ रुपए) की एनर्जी, टेक्नोलॉजी और कृषि उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। इस ऐलान ने उस अनिश्चितता को खत्म कर दिया है जो पिछले साल अगस्त में अमेरिका के टैरिफ के बाद से बनी हुई थी। एक्स्पर्ट्स का मानना है कि रुपए में यह तेजी अभी और जारी रह सकती है। मार्केट एक्सपर्ट अनुज गुप्ता के अनुसार, निर्यात बढ़ने की उम्मीद से रुपए की मांग में और इजाफा होगा। शॉर्ट टर्म में रुपया 89.50 से 89.00 के स्तर पर जा सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के करेंसी रिसर्च हेड अनिंद्य बनर्जी का कहना है कि टैरिफ में कटौती से रुपए के लिए मजबूती के रास्ते खुल गए हैं, लेकिन यह इस पर भी निर्भर करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक किस स्तर पर हस्तक्षेप करता है। डॉलर की तुलना में किसी भी अन्य करेंसी की वैल्यू घटे तो उसे मुद्रा का गिरना, टूटना, कमजोर होना कहते हैं। अंग्रेजी में करेंसी डेप्रिसिएशन कहते हैं। हर देश के पास फॉरेन करेंसी रिजर्व होता है, जिससे वह इंटरनेशनल ट्रांजेक्शन करता है। फॉरेन रिजर्व के घटने और बढ़ने का असर करेंसी की कीमत पर दिखता है। अगर भारत के फॉरेन रिजर्व में डॉलर, अमेरिका के रुपए के भंडार के बराबर होगा तो रुपए की कीमत स्थिर रहेगी।

अगस्ता वेस्टलैंड सेना के लिए फिर हेलीकॉप्टर सप्लाई करेगी

- भारतीय अफसरों को 360 करोड़ रिश्वत देने का आरोप था,2021 में क्लीन चिट मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। इटली की कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड क्लीन चिट मिलने के पांच साल बाद फिर भारत के रक्षा क्षेत्र में एंट्री करने जा रही है। यह वही कंपनी है, जिसका नाम बहुचर्चित अगस्ता हेलीकॉप्टर कांड से जुड़ा था। इसने करीब एक दशक तक भारतीय राजनीति को झकझोर दिया था। अगस्ता की पैतृक कंपनी लियोनार्डो के साथ अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की डील को अंतिम रूप दिया जा चुका है। अडाणी ग्रुप के अनुसार इसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार को होगी। लियोनार्डो कभी फिनमैकेनिका के नाम से जानी जाती थी। अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला 3,600 करोड़ का एक हेलीकॉप्टर खरीद घोटाला है। इसमें कंपनी पर 12 एडब्ल्यू-101 हेलीकॉप्टर की खरीद में भारतीय वायुसेना के अधिकारियों और बिचौलियों को लगभग 360 करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। भारत ने 2014 में इस सौदे को औपचारिक रूप से रद्द करने के बाद कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया गया था। सबूतों के अभाव में पहले इटली की अदालत ने और बाद में नवंबर 2021 में रक्षा मंत्रालय ने अगस्ता वेस्टलैंड को क्लीन चिट दे दी थी।

संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले

अवैध बांग्लादेशी की पहचान करना सरकार की जिम्मेदारी

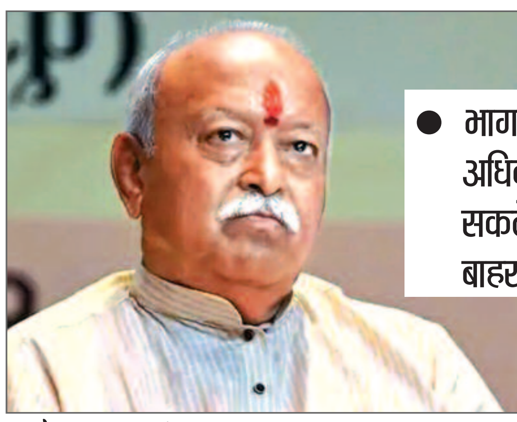

- भागवत बोले-लोग सिर्फ अधिकारियों को खबर दे सकते हैं,उन्हें देश से बाहर भी भेजना होगा

हैदराबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि अवैध रूप से भारत में घुसने वाले बांग्लादेशी और रोहिंग्या लोगों की पहचान करना और उन्हें देश से बाहर भेजना सरकार की जिम्मेदारी है। नागरिक इस तरह के मामलों की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दे सकते हैं। मोहन भागवत ने यह बात रविवार को हैदराबाद में आयोजित 'संघ यात्रा के 100 वर्ष नए आयाम' कार्यक्रम के दौरान कही। यह कार्यक्रम संघ की शताब्दी के अवसर पर आयोजित किया गया था। हैदराबाद दौरे के दौरान भागवत ने फिल्म जगत की हस्तियों और सीनियर ब्यूरोक्रेट्स से भी मुलाकात की। दुनिया में हो रही उथल-पुथल का भारत पर न्यूनतम असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसकी वजह भारत की पारिवारिक व्यवस्था, सोना बचाने की प्रवृत्ति और परिवार आधारित आर्थिक गतिविधियां हैं। संघ को समझने के लिए संघ का हिस्सा बनकर उसका अनुभव लेना जरूरी है। संघ को केवल सतही रूप से समझा जाए, तो उसे गलत तरीके से भी समझा जा सकता है। संघ इस बात पर जोर देता है कि राष्ट्र के विकास में नागरिकों की भूमिका अहम होती है, जबकि सरकारें, राजनीतिक दल और नेता अपनी भूमिका निभाते हैं। संघ का सिद्धांत है-व्यक्ति का विकास, ताकि श्रेष्ठ राष्ट्र निर्माण हो सके। संघ की परिकल्पित 'पंच परिवर्तन'- इसमें पारिवारिक जागरण (भजन आदि), पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्य शामिल हैं।

पीएम मोदी डरे हुए हैं उन पर बहुत दबाव है

- राहुल बोले-ये वो भी जानते हैं,मैं भी जानता हूं

अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि पीएम मोदी डरे हुए हैं। उन पर बहुत दबाव है। सरकार घबराई हुई है। नरेंद्र मोदी पर भयंकर प्रेशर है। ये साइड शो है। ये वो भी जानते हैं, मैं भी जानता हूं। संसद के बजट सत्र में विपक्ष अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर चर्चा की मांग कर रहा है। विपक्ष का कहना है कि डील में अमेरिका के कृषि प्रोडक्ट पर 0 फीसदी टैरिफ पर हामी भरी गई है। जो देश के किसानों के साथ विश्वासघात है। राहुल गांधी ने मंगलवार को भी लोकसभा में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक के आर्टिकल पर भी बोलना चाहा, लेकिन सदन में जमकर हंगामा हुआ। इसके बाद कार्यवाही स्थगित कर दी गई। दरअसल, अमेरिका ने भारत पर लगाए 50 टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। ट्रम्प ने दावा

किया कि मोदी रूस से तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने पर राजी हो गए हैं। कांग्रेस ने अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा- वॉशिंगटन में मोगैम्बो खुश है। ऐसा लग रहा है कि पीएम मोदी ने आखिरकार हार मान ली है।

अजित पवार के अंतिम संस्कार में भी नहीं माने चोर

- 30 लाख के गहनों पर हाथ साफ सुरक्षा में तैनात थे 8000 जवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उप मुख्यमंत्री अजित पवार का 28 जनवरी को एक प्लेन क्रैश में निधन हो गया था। इस दुखद घटना ने पूरे महाराष्ट्र को झकझोर दिया था और राज्य शोक में डूब गया था। बारामती में अजित पवार का अंतिम संस्कार होना था और इस दौरान लाखों की संख्या में लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे लेकिन कुछ चोरों ने दुखद घटना में भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आने की ठान रखी थी। एक तरफ अजित पवार का अंतिम संस्कार हो रहा था और दूसरी तरफ चोर वहां मौजूद लोगों के गले से सोने की चेन झटकने में लगे थे। पुलिस के मुताबिक, इस दौरान करीब 15 लोगों के गले की चेन चोरों ने खींच ली। इसकी कुल कीमत लगभग 25 से 30 लाख रुपये आंकी जा रही है। बता दें कि अजित पवार एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे, लेकिन लैंडिंग के दौरान उनका प्लेन क्रैश हो गया। उनका अंतिम संस्कार बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। भीड़ का फायदा उठाकर सोने की चेन पर हाथ साफ करने वाले चोरों को कुछ लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने मामले में करीब 7 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनसे 20 लाख रुपये की सामान जब्त कर लिया गया है। गौर करने वाली बात ये है कि बारामती में अजित पवार के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग 8 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे।

94 लाख गरीबों के लिए नीतिश सरकार ने खोल दिया खजाना

- बिहार में पेश हुआ 3 लाख 47 हजार 589 करोड़ 76 लाख का बजट

पटना (एजेंसी)। बिहार में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट 3 लाख 47 हजार 589 करोड़ 76 लाख रुपए का है। वित्त मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का वार्षिक बजट पेश किया।

इस बार बजट का कुल आकार 3,47,589.76 करोड़ रुपए रखा गया है, जो पिछले वर्ष के 3.17 लाख करोड़ के मुकाबले करीब 30 हजार करोड़ अधिक है। वित्त मंत्री ने सदन में कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य बिहार को सात निश्चय-3 के जरिए से विकसित राज्यों की कतार में खड़ा करना है। सरकार का मुख्य फोकस गरीबी उन्मूलन और समावेशी विकास पर है, जिसके तहत प्रदेश के 94 लाख गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की योजना तैयार की गई है। वित्त मंत्री ने बिहार के भविष्य का रोडमैप साझा करते हुए पांच मूल तत्वों की घोषणा की। उन्होंने कहा, ज्ञान, ईमान, विज्ञान, अरमान और सम्मान के स्तंभों पर चलकर ही बिहार प्रगति करेगा। इन तत्वों के माध्यम से शिक्षा, पारदर्शी शासन, आधुनिक तकनीक, युवाओं की आकांक्षाओं और सामाजिक गौरव को बजट की प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है। बजट भाषण के दौरान महिलाओं की आर्थिक आजादी पर सरकार की सफलता साझा की गई। वित्त मंत्री विजेंद्र यादव ने बताया कि अब तक राज्य की 1.56 करोड़ महिलाओं को 10-10 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। सात निश्चय-3 के तहत महिला उद्यमिता और उनके सामाजिक उत्थान के लिए फंड के दायरे को और बढ़ाने का प्रस्ताव है। चालू वित्त वर्ष की तुलना में बजट के आकार में बड़ी वृद्धि विकास की गति को तेज करने के लिए की गई है। बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ गरीबी मिटाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 94 लाख गरीब परिवारों के लिए विशेष रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जाति गणना केवल सेल्फ डिक्लेरेशन से नहीं होनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि 2027 की जनगणना में जाति गणना सिर्फ सेल्फ डिक्लेरेशन के आधार पर नहीं होनी चाहिए। इसके बजाय इसे किसी भरोसेमंद तरीके से या सबूत के आधार पर करने पर विचार करें। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने आकाश गोयल की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि केवल बिना जांच वाले सर्टिफिकेट के आधार पर किसी को शामिल या बाहर नहीं किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुक्ता गुप्ता ने कहा कि वे जाति जनगणना के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे सत्यापित सामग्री के आधार पर किया जाना जरूरी है। यह डेटा कई सालों तक योजनाओं, आरक्षण और नीतियों का आधार बनेगा, इसलिए यह सिर्फ आत्म-घोषणा पर आधारित नहीं होना चाहिए। जनगणना एक विशेष और तकनीकी प्रक्रिया है। यह तय करना जनगणना अधिकारियों और विशेषज्ञों का काम है कि डेटा कैसे इकट्ठा किया जाए। हालांकि, याचिकाकर्ता की चिंताओं को प्रतिनिधित्व के रूप में सामने रखा जा सकता है। आपने सराहनीय काम किया है। आपने अधिकारियों का ध्यान इस मुद्दे की ओर दिलाया है और उन्हें संवेदनशील भी किया है। अगर इसके बावजूद कोई गलती होती है, तो कानून अपना रास्ता खुद तय करेगा। जनगणना अधिनियम, 1948 और 1990 में बने नियमों के तहत होती है। इन नियमों के अनुसार जनगणना के विवरण और प्रक्रिया तय करने का अधिकार संबंधित अधिकारियों को है। कोर्ट को भरोसा है कि विशेषज्ञों की मदद से एक मजबूत व्यवस्था बनाई गई होगी, जिससे गलतियों की आशंका न रहे। हम सिर्फ इतना कर सकते हैं कि अधिकारियों को यह निर्देश दें कि वे इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर विचार करें। वकील बोलीं-जनगणना का सीधा असर आरक्षण पर पड़ेगा-सीनियर वकील मुक्ता गुप्ता ने कहा कि हम प्रमाण पत्र की पूरी जांच की बात नहीं कर रहे हैं, लेकिन कुछ न कुछ सामग्री होनी चाहिए। आज स्थिति यह है कि सब कुछ आत्म-घोषणा पर आधारित है। बिना सत्यापन की आत्म-घोषणा बेहद खतरनाक हो सकती है, क्योंकि कोई भी कुछ भी बता सकता है। जनगणना 2027 पर करीब 13,500 करोड़ का खर्च आने का अनुमान है और इसका सीधा असर देश की सभी कल्याणकारी योजनाओं और आरक्षण नीतियों पर पड़ेगा। उन्होंने आशंका जताई कि अगर इस प्रक्रिया में गलत या अप्रमाणित डेटा दर्ज हो गया, तो उसे बाद में सुधारना लगभग असंभव होगा। गृह मंत्रालय ने 27 जनवरी को स्पष्ट किया था कि जनगणना 2027 के दूसरे चरण में जाति जनगणना भी की जाएगी। सरकार ने कहा कि देश भर में फरवरी 2027 से जनगणना शुरू हो जाएगी।

बजट में है दिल्ली की सभी समस्याओं को हल करने पर फोकस : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 2026-27 के आम बजट को दिल्ली की सभी समस्याओं को हल करने वाला बताया।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 2026-27 के आम बजट में दिल्ली के परिवहन, पीने के पानी, स्वास्थ्य, प्रदूषण और कानून-व्यवस्था पर खास ध्यान दिया गया है। इनसे दिल्ली की जनता का जीवन स्तर बेहतर होगा बल्कि नई योजनाओं से रोजगार और विकास के रास्ते भी खुलेंगे।

भाजपा सांसद ने कहा कि पूरे देश में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का 6 लाख करोड़ का बजट रखा गया है। इसमें से 27328 करोड़ की योजनाएं केवल दिल्ली के लिए ही हैं। इनमें शिवमूर्ति से महिपालपुर तक टनल और एम्स से महिपालपुर तक एलिवेटिड रोड शामिल हैं। इन दोनों योजनाओं में 3500 और 5000 करोड़ खर्च होंगे। इसके अलावा पंजाबी बाग से टीकरी बॉर्डर तक बनाए जाने वाले रोड पर 1504 करोड़, आश्रम से बदरपुर तक बनने वाली रोड पर 513 करोड़ और महरौली से दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर तक बनने वाली रोड पर 1461 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। अर्बन एक्सटेंशन रोड यानी यूईआर से जुड़ने वाली सड़कों पर भी 15000 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के बजट में रेलवे ने दिल्ली के लिए 2711 करोड़ का प्रावधान किया। 2009 से 2014 के बीच दिल्ली को रेलवे औसतन 96 करोड़ की योजनाएं ही देता रहा है। अब 28 गुना ज्यादा राशि का प्रावधान किया गया है।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि इस समय दिल्ली में 8976 करोड़ रुपये की रेलवे की योजनाओं पर काम हो रहा है जिसमें 13 स्टेशनों का कायाकल्प भी शामिल है। इस समय दिल्ली से 14 वन्देभारत ट्रेन और 8 अमृत भारत ट्रेन चल रही हैं। दिल्ली में अब रेलवे का पूरी तरह इलेक्ट्रिफिकेशन हो गया है और नए 14 फ्लाई ओवर और अंडरपास बनाए गए हैं।

भाजपा सांसद ने कहा कि बजट में दिल्ली से वाराणसी के बीच हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का ऐलान हुआ है। दिल्ली से वाराणसी तक का सफर 3.5 घंटे में पूरा करेगी। रीजनल रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) को इस बार 2,200 करोड़ रुपये का बजट मिला है। देशभर में मेट्रो विस्तार के लिए 28695 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें से दिल्ली मेट्रो को भी बड़ा हिस्सा मिलेगा। प्रदूषण नियंत्रण के लिए 1,091 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस प्रकार पिछले वर्ष के मुकाबले बजट में प्रदूषण नियंत्रण के लिए अभी 237 करोड़ रुपये अधिक रखे गए हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के पांच प्रमुख अस्पतालों एम्स, सफदरजंग, आरएमएल, लेडी हार्डिंग, कलावती सरन को लगभग 10,122 करोड़ का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष से लगभग 1,185 करोड़ रुपये अधिक है। इससे अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण, सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक मरीजों की देखभाल बेहतर हो पाएगी। अकेले एम्स को ही 5,500 करोड़ रुपये से अधिक मिले हैं।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में बेहतर कानून व्यवस्था और दिल्ली पुलिस को हाई टेक बनाने के लिए इस बार 12,846 करोड़ 13 लाख रुपये दिए गए हैं। यह पिछले वर्ष से 307 करोड़ 13 लाख रुपये अधिक है। इसके अलावा दिल्ली में जल आपूर्ति सुधारने के लिए चंद्रावल वाटर वर्क्स प्रोजेक्ट को केंद्र से 380 करोड़ की सहायता राशि दी जाएगी।

भाजपा सांसद ने कहा कि बजट में दिल्ली अर्बन आर्ट कमिशन का बजट 5 करोड़ 78 लाख रुपये, एनसीआर प्लानिंग बोर्ड के लिए 470 करोड़ रुपये, राजघाट समाधि समिति और कैंटीन के लिए आठ करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इग्नू विश्वविद्यालय और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर को पिछले साल के मुकाबले 10-10 करोड़ ज्यादा दिए गए हैं। 1984 सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए मुआवजा बढ़ाने के मद में 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की योजनाओं में भी दिल्ली को बड़ी हिस्सेदारी मिलने वाली है। पिछले वर्ष यह 12,483 करोड़ था, अब 13,611 करोड़ रुपये किया गया है। इस दौरान दिल्ली भाजपा मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर और कार्यालय मंत्री बृजेश राय भी उपस्थित थे।

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर 17 लाख की ठगी, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्क फ्रॉम होम और पेड टास्क का लालच देकर लोगों से ठगी करने वाले एक साइबर अपराधी को उत्तर पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान 25 वर्षीय पठान उजेफ खलील खान के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के जालना जिले का रहने वाला है। पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर जालना से दिल्ली ला रही है। उत्तर-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने मंगलवार को बताया कि दिल्ली के त्रिनगर, केशवपुरम निवासी राहुल सैनी ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसे घर बैठे काम दिलाने के नाम पर 17,16,777 रुपये की ठगी का शिकार बनाया गया। शिकायत के आधार पर ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में सामने आया कि आरोपित साइबर अपराधियों के उस नेटवर्क का हिस्सा था, जो ठगी की रकम को अलग-अलग बैंक खातों में घुमाकर निकालने का काम करता था। पुलिस ने मनी ट्रेल और डिजिटल फुटप्रिंट्स का विश्लेषण किया तो पता चला कि ठगी की रकम आरोपित के खाते में आई और बाद में सेल्फ चेक के जरिए निकाली गई। तकनीकी और लोकेशन विश्लेषण के बाद पुलिस टीम आरोपित तक पहुंचने में सफल रही। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपित ने कबूल किया कि पैसों की जरूरत और ऐशो-आराम की जिंदगी के चलते वह साइबर ठगों के संपर्क में आया। गिरोह के सदस्य पहले पीड़ितों को वर्क फ्रॉम होम के नाम पर झांसे में लेते थे और फिर म्यूल अकाउंट्स के जरिए रकम ट्रांसफर कराई जाती थी। पहचान छिपाने के लिए आरोपित बार-बार मोबाइल नंबर बदलता रहता था। आरोपित की प्रोफाइल के मुताबिक वह 12वीं तक पढ़ा है और फिलहाल एक निजी होटल में शेफ के तौर पर काम करता था। पुलिस ने उसके पास से वारदात में इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि आरोपित की भूमिका की गहराई से जांच की जा रही है और उसके अन्य साथियों व इसी तरह की ठगी के मामलों में संलिप्तता का भी पता लगाया जा रहा है।

राजधानी में एक दर्जन से अधिक जगहों पर बहुत खराब श्रेणी में पहुंची हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के लोगों को प्रदूषित हवा से राहत मिलती नहीं दिख रही है। मंगलवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई राजधानी में 17 जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से अधिक दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली का अनुमान है कि अगले दो दिनों के बीच हवा की गति कम होने के चलते वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में ही रहने की संभावना है। मंगलवार को यह सोमवार की अपेक्षा अधिक दर्ज की गई। सीपीसीबी से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शाम 4 बजे 272 दर्ज किया गया जबकि सोमवार को यह इसी समय 210 दर्ज किया गया। दिल्ली के लोगों को इस बार जाड़े के मौसम में पहले से ज्यादा प्रदूषण का सामना करना पड़ा है। प्रदूषण के स्रोतों के बढ़ने, हवा की गति कम होने के कारण वायु गुणवत्ता में काफी कमी दर्ज की गई। दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 256 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार 19 केंद्रों पर वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में, 10 केंद्रों पर 'बहुत खराब' और 10 केंद्रों पर 'मध्यम' श्रेणी में थी। हालांकि शाम को यह काफी बढ़ गई। मानकों के मुताबिक हवा में पीएम 10 का स्तर 100 से और पीएम 2.5 का स्तर 60 से नीचे होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। सीपीसीबी के मुताबिक मंगलवार की शाम चार बजे दिल्ली-एनसीआर की हवा में पीएम 10 और पीएम 2.5 का औसत स्तर सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। प्रदूषण मीटर : 01 फरवरी---265 02 फरवरी---210 03 फरवरी--272 --- यहां की हवा बहुत खराब आनंद विहार-343 अशोक विहार--328 चांदनी चौक--323 द्वारका- 318 जहांगीरपुरी--355 मुंडका--311 नेहरू नगर--332 ओखला--313 पटपड़गंज--319 पंजाबी बाग--317 पूसा--315 आरके पुरम--307 रोहिणी--313 सिरीफोर्ट--317 विवेक विहार--336 सोनिया विहार--311 वजीरपुर--334

एनडीएमसी ने कनॉट प्लेस में सीएनजी रोड स्वीपर्स उतारे, स्वच्छता अभियान को मिली नई रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता और प्रदूषण नियंत्रण को मजबूत करने की दिशा में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कनॉट प्लेस में दो सीएनजी आधारित मैकेनिकल रोड स्वीपर मशीनों का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक से लैस ये मशीनें दिन-रात सड़कों की सफाई कर धूल प्रदूषण को कम करने, हवा की गुणवत्ता सुधारने और सड़क सुरक्षा बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगी। एनडीएमसी प्रतिदिन लगभग 415 किलोमीटर सड़कों की सफाई का लक्ष्य पूरा कर रही है और इसी क्रम में पाँच नई मशीनें खरीदी गई हैं, जिनकी कुल लागत करीब 3.71 करोड़ रुपये है। चहल ने कहा कि एनडीएमसी दिल्ली की पहली संस्था है जिसने सीएनजी चेसिस वाले रोड स्वीपर अपनाए हैं, जो पर्यावरण के अनुकूल हैं और एनजीटी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप भी हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि नाइट वेट क्लीनिंग और नाइट स्वीपिंग व्यवस्था को आगे अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जाएगा ताकि नागरिकों को स्वच्छ और धूल-मुक्त वातावरण मिल सके।

मिड-डे मील किचन में अनियमितताएं उजागर, 12 घंटे में मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमसीडी के शिक्षा विभाग की संचालित पीएम-पोषण (मिड-डे मील) योजना के तहत चल रहे एक मिड डे मील किचन में अनियमितताओं का मामला सामने आया है। शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष अमित खरखड़ी के औचक निरीक्षण में खाद्यान्न स्टॉक को लेकर गड़बड़ी की पुष्टि हुई है। इस संबंध में शिक्षा विभाग ने किचन के संचालक को नोटिस जारी किया और 12 घंटे में जवाब देने के निर्देश दिए हैं। अमित खरखड़ी ने भारतीय मानव कल्याण परिषद की ओर से संचालित मिड-डे मील किचन का निरीक्षण किया। निरीक्षण में किचन में उपलब्ध वास्तविक खाद्यान्न स्टॉक और रिकॉर्ड में दर्ज स्टॉक के बीच विसंगति मिलीं। इस बारे में मिड डे मील आपूर्ति एजेंसी के प्रतिनिधि कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। शिक्षा विभाग ने इस लापरवाही को गंभीर और अस्वीकार्य बताते हुए इसे कार्य आदेश (वर्क ऑर्डर) की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया है और संबंधित संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में संस्था को 12 घंटे के भीतर लिखित स्पष्टीकरण देने और समर्थन में सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अमित खरखड़ी ने कहा कि मिड-डे मील योजना बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और भविष्य से सीधे जुड़ी है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही, अनियमितता या भ्रष्टाचार को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं होगा। पारदर्शिता और जवाबदेही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

चार अस्पतालों में अगले माह शुरू होगा डे केयर कैंसर सेंटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर मरीजों की सुविधा के लिए राजधानी में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत दिल्ली के चार अस्पतालों में डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) शुरू करने के लिए जगह चिह्नित कर ली गई है। परियोजना से जुड़े डॉक्टर ने बताया कि अगले माह से चारों अस्पतालों में डे केयर कैंसर सेंटर का संचालन शुरू हो जाएगा। शुरुआत में कैंसर मरीजों को ओरल कीमोथेरेपी की निशुल्क सुविधा मिल सकेगी। कैंसर की कीमोथेरेपी की दवाएं डॉक्टरों की देखरेख में दी जाती है। इस वजह से कीमोथेरेपी अस्पताल के कैंसर डे-केयर में ही दी जाती है। मौजूदा समय में कैंसर के इलाज की सुविधा सरकारी क्षेत्र के चुनिंदा अस्पतालों में ही उपलब्ध हैं। इस वजह से मरीजों को परेशानी होती है। पिछले बजट में किया था प्रावधान पिछले केंद्रीय बजट के बाद दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने चार अस्पतालों में डे केयर कैंसर सेंटर शुरू करने का फैसला किया।

मजबूत यूजीसी समता नियमों की मांग को लेकर डीयू में विशाल प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्च शिक्षण संस्थानों में व्याप्त जातिगत भेदभाव के खिलाफ कड़े और प्रभावी नियमों की मांग को लेकर सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) परिसर में विशाल प्रदर्शन और कैंपस मार्च का आयोजन किया गया। इस आंदोलन में क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) ने सक्रिय भागीदारी निभाई और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी समता संवर्धन नियमावली 2026 को मजबूत स्वरूप में लागू करने की मांग की।

प्रदर्शनकारी छात्रों और संगठनों ने हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इन नियमों पर लगाई गई रोक को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उनका कहना था कि उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति, धर्म, लिंग, क्षेत्र और शारीरिक अक्षमता के आधार पर भेदभाव आज भी एक कड़वी सच्चाई है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

केवाईएस के सदस्यों ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी नए नियमों का उद्देश्य शैक्षणिक परिसरों में समानता को बढ़ावा देना था, लेकिन जातिवादी मानसिकता रखने वाले समूहों के विरोध और कानूनी अड़चनों के कारण इसका क्रियान्वयन रुक गया है। संगठन का मानना है कि यह रोक उन ताकतों को प्रोत्साहन दे रही है, जो सामाजिक न्याय के प्रयासों को कमजोर करना चाहती हैं। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने संसद की स्थायी समिति को सौंपे गए आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि बीते कुछ वर्षों में उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव की शिकायतों में लगातार वृद्धि हुई है। इसके बावजूद कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में समान अवसर प्रकोष्ठ तक पूरी तरह सक्रिय नहीं हैं, जिससे पीड़ित छात्रों को न्याय मिलना कठिन हो जाता है। केवाईएस ने यह भी आरोप लगाया कि प्रस्तावित नियमों में शिकायत निवारण समितियों की संरचना पूरी तरह प्रशासन पर निर्भर रखी गई है, जिससे उनकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। संगठन ने मांग की कि इन समितियों में छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए तथा एक स्वतंत्र निवारण तंत्र स्थापित किया जाए, ताकि भेदभाव के मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो सके।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि नियमों में झूठी शिकायतों और अप्रमाणित शिकायतों के बीच स्पष्ट अंतर न होने से भ्रम की स्थिति बनी है, जिसका फायदा उठाकर सामाजिक न्याय के प्रयासों को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि जहां झूठी शिकायत पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान हो, वहीं वास्तविक पीड़ितों को पूरी सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित किया जाए। केवाईएस ने सर्वोच्च न्यायालय से अपील की कि वह उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव की गंभीरता को समझते हुए इन नियमों पर लगी रोक हटाए और एक मजबूत, पारदर्शी एवं स्वतंत्र व्यवस्था के साथ उन्हें लागू करने का मार्ग प्रशस्त करे। संगठन ने घोषणा की कि वह इस मुद्दे को लेकर देशभर में जन अभियान चलाएगा, ताकि शिक्षा परिसरों को हर प्रकार के भेदभाव से मुक्त किया जा सके। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन छात्रों का जोश और नारों की गूंज यह साफ दर्शा रही थी कि सामाजिक समानता और न्याय के लिए युवा वर्ग किसी भी स्तर पर संघर्ष को तैयार है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व मंच पर प्रभावी भूमिका निभा रहा है : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज विश्व मंच पर एक प्रभावी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज संसद भवन में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक में भारत-अमेरिका के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते के लिए प्रधानमंत्री का भव्य अभिनंदन किया गया। यह समझौता दूरदर्शी कूटनीति और भारत की सशक्त अंतरराष्ट्रीय छवि का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों के सामर्थ्य को नई अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने तथा भारत को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह एक युगांतकारी पहल सिद्ध होगी। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत-अमेरिका के बीच बनी नई सहमति भारत की वैश्विक भूमिका को और अधिक सशक्त करने वाली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व मंच पर भरोसे, स्थिरता और अवसर का केंद्र बन रहा है। इस साझेदारी से युवाओं के लिए रोजगार, तकनीक और नवाचार के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं प्रभावी कूटनीतिक प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत-अमेरिका संबंधों में एक महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने कह कि प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हुई वार्ता के बाद भारत पर लागू अतिरिक्त शुल्क को घटाकर 18 फीसद किया गया है। यह निर्णय भारतीय निर्यात को प्रोत्साहन देगा तथा वैश्विक मंच पर भारत की सुदृढ़ होती आर्थिक स्थिति और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा।

विधायकों की जांच पर सरकारी खर्च, आम जनता के इलाज पर लापरवाही : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार जनता के स्वास्थ्य की चिंता करने के बजाय सरकारी धन से विधायकों की मेडिकल जांच करवा रही है, जबकि सरकारी अस्पतालों में आम लोग इलाज के लिए घंटों भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि 2 से 14 फरवरी तक परमानंद अस्पताल में रोजाना सिर्फ 5-6 विधायकों की जांच तय करना सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है, जबकि गरीबों को ओपीडी पंजीकरण तक के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ता है। यादव ने स्पष्ट किया कि जनप्रतिनिधियों की जांच पर आपत्ति नहीं है, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आम जनता को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर, दवाइयों और जांच सुविधाओं की भारी कमी है और आयुष्मान योजना के तहत कई निजी अस्पताल गरीबों का इलाज करने से इनकार कर रहे हैं। यादव ने मांग की कि सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में गरीब, मजदूर और वंचित वर्ग के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर तुरंत लगाए, ताकि प्रदूषण, गंदगी और संक्रमण से जूझ रही जनता को राहत मिल सके।

भाजपा का एमसीडी में पेश बजट हवा हवाई, जन सरोकारों से कोसों दूर : अंकुश नारंग

-विशेष बजट बैठक में नेता विपक्ष ने निगम बजट पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने एमसीडी सदन में जो बजट पेश किया है, वो पूरी तरह कागजी, दिखावटी, हवा-हवाई और जन सरोकारों से कोसों दूर है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व एमसीडी में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने मंगलवार को निगम मुख्यालय, सिविक सेंटर में बजट पर आयोजित विशेष सदन बैठक में वर्ष 2025-26 के संशोधित बजट और वर्ष 2026-27 के अनुमानित बजट पर चर्चा के दौरान यह बातें कही।

उन्होंने कहा कि बजट में प्रदूषण, सफाई, कूड़ा प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता कर्मियों के लिए ठोस कोई ठोस कार्य योजना नहीं है। निगम डिस्पेंसरियों पर आरोग्य मंदिर का बोर्ड लगा भाजपा वाहवाही लूट रही है और एमसीडी अस्पताल भी बदहाल हैं। नेता विपक्ष नारंग ने कहा कि सफाई कर्मियों को पक्का करने का दावा जुमला निकला, बजट में एमटीएस के लिए फूटी कौड़ी नहीं है। इसके अलावा गाजीपुर, भलस्वा और ओखला कूड़े के पहाड़ भाजपा सरकार की विफलताओं के उदाहरण हैं। नारंग ने कहा कि एमसीडी के 30 फीसद स्कूलों में शिक्षकों के पद खाली हैं, कई स्कूल अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहे हैं।

बजट के आंकड़ों पर बात करते हुए अंकुश नारंग ने बताया कि आरबीई 2025-26 में 1,48,393 लाख रुपये के मुकाबले बीई 2026-27 में 85,847 लाख रुपये का प्रावधान है, जो 42 फीसद की गिरावट है। यह पैसा कहां गया और किस मद में खर्च हुआ, इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। आय बढ़ी है, लेकिन यह प्रॉपर्टी टैक्स, पेनल्टी और छोटे व्यापारियों पर बोझ डालकर बढ़ाई गई है, जबकि एलटीईआर के तहत सरकारी विभागों से 12,000 करोड़ रुपये आज भी बकाया हैं।

राजस्व बढ़ाने को लेकर कोई सुझाव नहीं, सिर्फ बयानबाजी - सत्या शर्मा

दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने नेता विपक्ष अंकुश नारंग द्वारा बजट को लेकर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार, भ्रामक और तथ्यहीन बताया है। उन्होंने कहा कि बजट जैसे गंभीर विषय पर ठोस सुझाव देने और जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा करने के बजाय नेता विपक्ष ने केवल बयानबाज़ी और राजनीतिक स्टंटबाज़ी का सहारा लिया है। सत्या शर्मा ने कहा कि विपक्ष की ओर से न तो निगम की आय बढ़ाने के लिए कोई व्यावहारिक सुझाव दिया गया, न ही कर्मियों के हित, नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों से जुड़े मुद्दों पर कोई ठोस बात रखी गई। उन्होंने कहा कि नेता विपक्ष ने बजट की वास्तविक विषयवस्तु पर चर्चा करने के बजाय केवल चुनिंदा मुद्दों को उठाकर और भ्रम फैलाने का प्रयास किया।

शिकायत पर 48 घंटे में सड़क की मरम्मत करेगा निगम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने सड़कों के बेहतर रखरखाव के लिए एक नई कार्ययोजना बनाई है। इसके तहत निगम के अधीन आने वाली किसी भी सड़क के खराब होने की शिकायत मिलने पर उसे 48 घंटे के भीतर सुधारा जाएगा। जर्जर सड़क की मरम्मत के बाद अफसरों को चार दिन के भीतर अपने विभाग प्रमुख को इसकी स्टेट्स रिपोर्ट भी सौंपनी होगी। राजधानी में एमसीडी के अधीन 15 हजार से अधिक सड़कें आती हैं। निगम प्रशासन को अक्सर अपार्टमेंट, कॉलोनियों और बाजार परिसरों के आसपास की सड़कें जर्जर होने की शिकायत मिलती रहती हैं। विभिन्न आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद सड़कों की समय पर मरम्मत नहीं होती। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं शिकायतों के जल्द समाधान के लिए निगम प्रशासन ने दो दिन के भीतर सड़कों की मरम्मत की योजना बनाई है।

पर्यटन केन्द्र के रूप में उभरेगी पुरानी दिल्ली : मुख्यमंत्री

-पुरानी दिल्ली के कायाकल्प की कमान अब मुख्यमंत्री के हाथ, शाहजहानाबाद रीडेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की बनीं अध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुरानी दिल्ली के विकास को नई दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को शाहजहानाबाद रीडेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एसआरडीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस संबंध में लोकनिवास से आदेश जारी हो गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार पुरानी दिल्ली के समग्र पुनर्विकास और विरासत संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। पुरानी दिल्ली को आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में कार्पोरेशन विकसित करेगा। अध्यक्ष पद संभालने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पुरानी दिल्ली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गौरव पुनर्जीवित करना उनकी सरकार की प्रतिबद्धता है। शाहजहानाबाद केवल इलाका नहीं, बल्कि दिल्ली की समृद्ध विरासत और इतिहास की पहचान है। पुरानी दिल्ली की संकरी गलियों में फैले बिजली के तारों को भूमिगत कर इस जगह को सुरक्षित एवं सुंदर बनाया जाएगा। साथ ही, बाजारों में लगने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या से निपटने के लिए व्यापक यातायात प्रबंधन योजना तैयार की जाएगी। यहां मल्टी-लेवल पार्किंग सुविधाओं पर भी काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुरानी दिल्ली ऐतिहासिक रिहायशी क्षेत्र है, जहां हर गली में इतिहास और विरासत की झलक मिलती है। सरकार इस विरासत को सहेजते हुए क्षेत्र का संतुलित विकास करेगी। हवेलियों के संरक्षण के साथ-साथ कटरों और कूंचों को भी बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि गईपूर्व में भी पुरानी दिल्ली के विकास के लिए कई योजनाएं तैयार की थीं। इनमें चांदनी चौक का पुनर्विकास, जामा मस्जिद क्षेत्र, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग और दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक की सड़क का सौंदर्यीकरण शामिल है। इन सभी योजनाओं की दोबारा समीक्षा की जाएगी ताकि पुरानी दिल्ली को बड़े पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके।

विकास व संरक्षण में सहयोगी है एसआरडीसी -शाहजहानाबाद रीडेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एसआरडीसी) का गठन 1 मई 2008 को दिल्ली सरकार द्वारा एक विशेष प्रयोजन संस्था के रूप में किया गया था। इसका उद्देश्य दिल्ली नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, पर्यटन विभाग सहित विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को गति देना है।

अनेक वर्षों तक प्रेरणा का काम करेगा वंदे मातरम हॉल: प्रो. योगेश सिंह

- कुलपति ने किया डीयू आर्ट्स फ़ैकल्टि में वंदे मातरम हॉल का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ आर्ट्स में 'वंदे मातरम हॉल' का उद्घाटन मंगलवार को डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने किया। इसके साथ ही हॉल के द्वार पर पूर्ण वन्दे मातरम के शिलालेख का अनावरण भी कुलपति द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वंदे मातरम हॉल अनेकों वर्षों तक प्रेरणा का काम करेगा। कुलपति ने कहा कि वंदे मातरम ने भारत के हर संकट में भारत का साथ दिया है। आज देश वंदे मातरम के 150 वर्ष मना रहा है। उन्होंने कहा कि 1948 से लेकर 2005 तक इस हॉल में अनेकों कॉन्वोकेशन हुए और भारत के राष्ट्रपति सहित अनेकों महान विभूतियों ने इस हॉल में अपने अपने कदम रखे। जब भी डीयू का इतिहास लिखा जाएगा तो इस हॉल का इतिहास भी लिखा जाएगा।

प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में जब 2021 में उन्होंने पदभार ग्रहण किया तो शंकर लाल हॉल, टैगोर हॉल और कॉन्वोकेशन हॉल को देखने का अवसर मिला। ये हॉल काफी जीर्ण अवस्था में थे। हमने निर्णय लिया कि इनका नवीनीकरण किया जाए। इनमें से शंकर लाल हॉल और टैगोर हॉल का नवीनीकरण पूर्ण होने के बाद उनका उद्घाटन हो चुका था और आज इस हॉल के उद्घाटन के पश्चात ये सभी सभागार आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न हो चुके हैं। कुलपति ने बताया कि डीयू में जितने भी निर्माण व नवीनीकरण के कार्य चल रहे हैं वह सभी 2027 तक पूर्ण हो जाएंगे। कार्यक्रम के आरंभ में फैकल्टी ऑफ आर्ट्स के डीन प्रो. इन्द्र नारायण सिंह ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम के समापन पर डीन प्लानिंग प्रो. निरंजन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डीन ऑफ कॉलेजेज़ प्रो. बलराम पाणी, दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी और रजिस्ट्रार डॉ विकास गुप्ता सहित कई डीन, डायरेक्टर, कई कॉलेजों के प्रिंसिपल, शिक्षक, अधिकारी और अनेकों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

5 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है नवीनीकरण

इस हॉल का नींव पत्थर 1948 में रखा गया था और 2005 तक डीयू के सभी कॉन्वोकेशन इस हॉल में होते रहे। अब 2026 में इसे नवीनीकरण के बाद 'वंदे मातरम हॉल' नाम दिया गया है। अब करीब 5 करोड़ रुपए की लागत से इसे नए सिरे से तैयार किया गया है। विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग के अनुसार इस को पूरी तरह से नवीनीकृत किया गया है। इसकी स्ट्रक्चर स्ट्रैंथनिंग के साथ-साथ 688 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ नया फर्नीचर लगाया गया है। नवीनीकृत हॉल में एयर कंडीशनिंग सहित बिजली कार्य एवं आधुनिक आडियो सिस्टम भी नए सिरे से स्थापित किए गए हैं। वर्णनीय है कि डीयू की कार्यकारी परिषद द्वारा गत 12 दिसंबर को फैकल्टी ऑफ आर्ट्स में बने कॉन्वोकेशन हॉल का नाम नवीनीकरण के पश्चात 'वंदे मातरम हॉल' रखने को मंजूरी दी गई थी।

संभव : नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई, 8 शिकायतों का निस्तारण करने के अधिकारियों को दिए निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में संभव के तहत जनसुनवाई का आयोजन नगर निगम मुख्यालय पर किया गया। जनसुनवाई के दौरान 8 शिकायत नगर निगम अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की गई। प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करने के लिए नगर आयुक्त ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके अलावा जरूरत अनुसार शिकायत का निस्तारण करने के लिए स्थलीय निरीक्षण करने के आदेश भी दिए। शिकायत का निस्तारण करने के बाद फरियादी से फीडबैक लेने का आदेश भी उन्होंने दिया। जनसुनवाई के दौरान अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रभारी प्रकाश आशा कुमार, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज उपस्थित रहे। संभव में दयानंद नगर से निर्माण विभाग संबंधित शिकायत प्राप्त हुई। नेहरू नगर से पानी की पाइपलाइन के संबंधित शिकायत प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त गोविंदपुरम से पार्क की दीवार की मरम्मत के संबंधित शिकायत प्राप्त हुई। नंदग्राम से हाई मास्क लाइट संबंधित शिकायत प्राप्त हुई। डी

ब्लॉक गोविंदपुरम से सर्विस रोड बनाने हेतु शिकायत प्राप्त हुई गांधीनगर से हाउस टैक्स संबंधित शिकायत प्राप्त हुई। वैशाली से नाले के निर्माण संबंधित शिकायत प्राप्त हुई। विजयनगर से निगम की भूमि को कब्जा मुक्त करने हेतु शिकायत प्राप्त हुई। जनसुनवाई में पार्षदों ने नगर आयुक्त से मुलाकात करते हुए अपने क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा की तथा प्राप्त समस्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कराया गया। संभव के अंतर्गत शास्त्री नगर से हाई मास्क की मरम्मत कराने की शिकायत प्राप्त हुई, जिस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए शास्त्री नगर एम ब्लॉक की प्रकाश व्यवस्था को सुचारु कराया गया और हाई मास्क ठीक कराई गई।

डीएम रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में हुआ ने जनसुनवाई का आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की। जन सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जनसुनवाई सहित आईजीआरएस पर अवैध तरीके से भूमि कब्जाने के मामले निरंतर संज्ञान में आ रहे थे। इस सम्बंध में जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी स्थिति में लोनी क्षेत्र में भूमाफियाओं और अवैध कब्जाधारियों को पनपने नहीं दिया जायेगा। जो भी भूमि कब्जाने के मामले में दोषी पाया जाता है या इनका सहयोगी पाया जाता है, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु अधिकारी सदैव तत्पर रहें।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने तथा जमीन से संबंधित समस्या को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा तत्काल मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय सुनिश्चित कराएं जाने के निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि विरासत के आधार पर आवेदित शस्त्र लाइसेंस आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जा रहा है। अब तक विरासत के आधार पर आवेदित शस्त्र लाइसेंस आवेदनों, जिनमें पुलिस एवं तहसील की जाँच आख्यायें प्राप्त होकर समस्त औपचारिकताएँ पूर्ण हो चुकी थी, उन्हें स्वीकृत किया जा चुका है। विरासत के आधार पर आवेदित शस्त्र लाइसेंस आवेदनों के सम्बन्ध में आवेदक किसी भी कार्यदिवस में शस्त्र अनुभाग, कलेक्ट्रेट गाजियाबाद में सम्पर्क कर सकते है तथा शस्त्र लाइसेंस सम्बन्धी प्रकरणों में किसी भी प्रकार की शिकायत/असुविधा होने पर अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क किया जा सकता है। जनसुनवाई के दौरान एडीएम ई, एडीएम जे, जिला सूचना अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन प्रहारः लाखों की रकम के साथ भारी मात्रा में गांजा बरामद, एक पुरुष सहित तीन महिला अभियुक्ता गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महानगर गाजियाबाद में नशा खोरी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार चलाया हुआ है। अभियान के तहत पुलिस लगातार संदिग्ध स्थान पर ताबिश देकर अवैध कारोबार करने वालों को गिरफ्तार कर रही है। थाना नंदग्राम क्षेत्र में पुलिस ने दबिश देकर ऐसे ही नशे का कारोबार करने वाले गिरोह के स्थान पर छापा मारा। छापे के दौरान पुलिस ने 4750 ग्राम अवैध गांजा, 59 लाख 16 हाजत 180 रुपए और 12 मोबाइल बरामद किए। संवाददाता सम्मेलन में एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त के आदेश पर ऑपरेशन प्रहार चलाया गया है। अभियान के तहत पुलिस टीम लगातार अपने-अपने क्षेत्र में पुराने क्रिमिनल को चिन्हित करते हुए कार्यवाही कर रही है। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि थाना ग्राम पुलिस को सूचना मिली थी कि 30 फुटा रोड पर अवैध गांजे का कारोबार किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीमों के मौके पर पहुंची और कार्यवाही शुरू की। कार्यवाही के दौरान ब्रजराज, लल्ला भाई, सोना और गीता को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में इन्होंने बताया कि इनके पास गांजे की सप्लाई आने के बाद यह उसे छोटे-छोटे पैकेट में पैक किया करते थे। पैकेट में पैक करने के बाद राहगीरों को बेच दिया करते थे।

अवैध संबंध के शक में पति ने सुपारी देकर रचा पत्नी की हत्या का षड्यंत्र, 5 आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में पति हरिशंकर ने अपनी ही पत्नी संजू की हत्या के लिए सुपारी देकर पूरा षड्यंत्र रच दिया। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए आरोपी पति और उसके चार साथियों को गिरफ्तार किया है। महिला की हत्या करने के लिए उसके पति ने ही उसपर गोली चलवाई थी। बीती 26 जनवरी 2026 को हरिशंकर निवासी बी-61 लालबाग लोनी ने थाना लोनी बॉर्डर पर सूचना दी थी कि उसकी पत्नी संजू को बाजार से लौटते समय दो अज्ञात नकाबपोशों ने गोली मार दी है और उसे अपने पड़ोसियों पर शक है। इस सूचना पर थाना लोनी बॉर्डर में सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर तत्काल घटना के अनावरण के लिए पुलिस टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस को सूचना प्राप्त हुई, जिसके आधार पर पुलिस टीम ने विनीत राजपूत, विभोर शर्मा, हरिशंकर उर्फ हरीश उर्फ सोनू, राज बैसला और अर्जुन को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के कब्जे से एक पिस्टल 32 बोर और एक अदद जिंदा कारतूस 32 बोर बरामद किया गया।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि वादी स्वयं ही इस मामले का मुख्य साजिशकर्ता है। पूछताछ में आरोपी हरिशंकर ने स्वीकार किया कि उसे अपनी पत्नी के अवैध संबंधों का शक था। इसी शक के चलते उसने अपनी पत्नी को रास्ते से हटाने की लिए योजना बनाई थी। वारदात को पड़ोसियों पर डालकर उन्हें फंसाने की मंशा से झूठा मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर योजना बनाई और विभोर शर्मा से पिस्टल ली। योजना के तहत 25 जनवरी 2026 को बाजार से लौटते समय उसके कहने पर विनीत राजपूत ने उसकी पत्नी पर गोली चला दी, जिससे उसकी हत्या का प्रयास किया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त विभोर शर्मा एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ गाजियाबाद और दिल्ली के विभिन्न थानों में 20 आपराधिक मुकदमे पंजीकृत है। अन्य अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी की जा रही है। पुलिस ने इस मामले में आर्म्स एक्ट की धारा 3/25/27 की बढ़ोत्तरी करते हुए आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना लोनी बॉर्डर पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल घटना का पदार्फाश हुआ बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि किस तरह एक पति ने अवैध संबंधों के शक में अपनी ही पत्नी की हत्या की साजिश रचकर निर्दोष पड़ोसियों को फंसाने का प्रयास किया। सुरेंद्र नाथ तिवारी डीसीपी ग्रामीण ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि हत्या के प्रयास के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा रही है।

नेशनल हाईवे-9 पर दौड़ते कैंटर में लगी भीषण आग, खिलौनों से भरा वाहन जलकर खाक शॉर्ट सर्किट की आशंका, बड़ा हादसा टला

हापुड़ (शिखर समाचार)। नेशनल हाईवे-9 पर थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब दिल्ली से गढ़ की ओर जा रहा खिलौना साइकिल से भरा एक कैंटर अचानक आग की चपेट में आ गया। चलती गाड़ी में आग लगते ही चालक और परिचालक ने सूझबूझ दिखाते हुए कूदकर अपनी जान बचाई। बताया गया कि कैंटर जैसे ही बाबूगढ़ क्षेत्र में पहुंचा, तभी वाहन के पिछले हिस्से से धुआं उठता दिखाई दिया और कुछ ही पलों में आग की लपटें तेज हो गईं। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए चालक सुमित, निवासी अलीपुर छिरामऊ, जिला कासगंज, ने तुरंत वाहन को सड़क किनारे रोका और चलते वाहन से कूदकर जान बचाई। राहत की बात यह रही कि चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग इतनी भयानक थी कि उसे काबू में करने के लिए फायर कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया, लेकिन तब तक कैंटर में लदा लाखों रुपये का खिलौनों का सामान जलकर राख हो चुका था। घटना के समय थाना बाबूगढ़ के प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ रात्रि गश्त पर थे। सूचना मिलते ही वे तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने मौके पर यातायात को भी नियंत्रित कराया, जिससे हाईवे पर जाम की स्थिति न बने। फायर ब्रिगेड कर्मियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। हालांकि, वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा टल गया।

गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने ऑपरेशन तलाश अभियान में वारंटी को किया गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक विशेष अभियान के तहत एक वांछित वारंटी को दबोचने में सफलता हासिल की है। गढ़ कोतवाली के प्रभारी देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि हापुड़ पुलिस द्वारा जनपद में अपराध नियंत्रण एवं वारंटी व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के उद्देश्य से लगातार ऑपरेशन तलाश अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने माननीय न्यायालय द्वारा जारी वारंटी वाद संख्या 757/2018, जो धारा 414 एवं 420 भारतीय दंड संहिता से संबंधित है, के आरोपी सुभाष पुत्र श्यामलाल, निवासी कुदेंनी की मढ़ैया, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ को उसके आवास से गिरफ्तार किया। प्रभारी देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। वारंटी को गिरफ्तार करने वाली टीम में उ०नि० शशिपाल सिंह और उ०नि० चन्द्रदेव पटेल, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ शामिल रहे।

निवाड़ी थाना प्रभारी घूस लेते पकड़ा गया, 50 हजार रुपये की रकम के साथ विजिलेंस टीम ने दबोचा

मोदीनगर (शिखर समाचार) भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विजिलेंस टीम ने मंगलवार दोपहर बड़ी कार्रवाई करते हुए निवाड़ी थाना प्रभारी जयपाल सिंह रावत को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एक मुकदमे से नाम हटाने के बदले यह रकम मांगी जा रही थी। कार्रवाई की सूचना मिलते ही पूरे पुलिस विभाग में हलचल फैल गई। जानकारी के अनुसार निवाड़ी थाना क्षेत्र के अबूपुर गांव निवासी पूर्व प्रधान राकेश कुमार बिट्टू के खिलाफ 2 जनवरी को गांव के ही एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री का पोस्टर फाड़ने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस लगातार राकेश कुमार को पकड़ने के प्रयास में दबिश दे रही थी। आरोप है कि मुकदमे से नाम हटाने के लिए थाना प्रभारी की ओर से 50 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि कुछ दिन पहले थाना प्रभारी स्वयं उसके घर पहुंचकर रकम देने का दबाव बना चुके थे।

राकेश कुमार ने 2 फरवरी को मेरठ स्थित विजिलेंस टीम में लिखित शिकायत दी। शिकायत की जांच के

बाद विभाग ने जाल बिछाते हुए विशेष टीम गठित की। दल का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक आजाद सिंह केसरी ने किया। टीम में निरीक्षक कृष्णवीर सिंह, संदीप कुमार, मधु सक्सेना सहित कुल 14 सदस्य शामिल रहे। निष्पक्ष कार्रवाई के लिए जिला अधिकारी गाजियाबाद की ओर से सिंचाई विभाग के लिपिक अमनदीप और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के कर्मचारी बालेश्वर यादव को स्वतंत्र गवाह बनाया गया।

पूर्व योजना के तहत टीम के दो सदस्य पहले थाने पहुंचे और अपना मोबाइल चोरी होने की सूचना देकर प्राथमिकी दर्ज कराने की बात कही। बताया जाता है कि थाना प्रभारी उन्हें कागजी औपचारिकताओं में उलझाकर रिपोर्ट लिखने से टालते रहे। इसी दौरान तय योजना के अनुसार राकेश कुमार थाना प्रभारी के कक्ष में पहुंचे और 50 हजार रुपये की चिन्हित रकम सौंपी। जैसे ही रकम ली गई, बाहर मौजूद विजिलेंस टीम तुरंत भीतर पहुंची और थाना प्रभारी को पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी ने नोटों की गड्डी फेंकने की कोशिश की, लेकिन टीम ने तत्काल कब्जे में ले लिया। नोटों पर पहले से विशेष रासायनिक पदार्थ लगाया गया था। परीक्षण के लिए जब थाना प्रभारी के हाथ धुलवाए गए तो पानी का रंग लाल हो गया, जिससे रिश्वत लेने की पुष्टि हो गई। इसके बाद आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

शिकायतकर्ता राकेश कुमार का कहना है कि जिस समय पोस्टर फाड़ने की घटना बताई गई, उस समय वह मुरादनगर के एक बैंक में अपने काम से मौजूद था। उसने पुलिस को अपनी बेगुनाही के प्रमाण भी दिए, लेकिन उसकी बात नहीं सुनी गई और लगातार रकम देने का दबाव बनाया जाता रहा। मजबूर होकर उसे विजिलेंस टीम की शरण लेनी पड़ी। सहायक पुलिस आयुक्त अमित सक्सेना ने बताया कि विजिलेंस टीम की तहरीर पर निवाड़ी थाने में थाना प्रभारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूरे प्रकरण की सूचना उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है और उनके निर्देश पर आगे की जांच और विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

हापुड़ तक ईएमयू ट्रेन की राह हुई आसान, सांसद अतुल गर्ग ने रेलवे अफसरों से की मुलाकात

हापुड़(शिखर समाचार)। दिल्ली से पिलखुवा और हापुड़ तक ईएमयू ट्रेन संचालन की मांग को लेकर धौलाना-गाज़ियाबाद सांसद अतुल गर्ग ने रेलवे अधिकारियों से मुलाकात की। सांसद ने कहा कि क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा को देखते हुए इस मांग को गंभीरता से उठाया गया है और जल्द ही इसे लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात की जाएगी, ताकि प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। सांसद अतुल गर्ग ने बताया कि पिलखुवा और हापुड़ से ईएमयू ट्रेन चलाने की संभावनाओं पर रेलवे स्तर पर तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में वह लगातार रेलवे अधिकारियों के संपर्क में हैं और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा कराने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईएमयू ट्रेन के संचालन से हापुड़, पिलखुवा, मेरठ और बुलंदशहर के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा, जिन्हें रोजमर्रा की आवाजाही में समय और संसाधनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि हापुड़ तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है और यहां से दिल्ली की कनेक्टिविटी और मजबूत होना

जरूरी है। ईएमयू ट्रेन शुरू होने से नौकरीपेशा लोगों, छात्रों और व्यापारियों को विशेष सुविधा मिलेगी। सांसद ने यह भी जानकारी दी कि हापुड़ में एग्री एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन स्थापित करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके माध्यम से किसानों को उनकी उपज के बेहतर दाम मिल सकेंगे, वहीं स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि रेलवे और केंद्र सरकार के सहयोग से क्षेत्र से जुड़े विकास कार्यों को जल्द ही धरातल पर उतारा जाएगा और हापुड़-पिलखुवा क्षेत्र को बेहतर परिवहन सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

मोदीनगर रेलवे स्टेशन पर पैदल ऊपरी पुल की मांग, सांसद ने केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

मोदीनगर (शिखर समाचार) बागपत मोदीनगर संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री नवनीत सिंह बिट्टू से भेंट कर मोदीनगर रेलवे स्टेशन की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दे उठाए। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर पैदल यात्रियों के लिए ऊपरी पुल निर्माण की मांग प्रमुखता से रखते हुए विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु विस्तृत पत्र भी सौंपा। सांसद ने मंत्री को अवगत कराया कि मोदीनगर रेलवे स्टेशन के दोनों ओर शहर की घनी आबादी निवास करती है। रोजाना बड़ी संख्या में लोग रेलवे स्टेशन का उपयोग करते हैं, लेकिन प्लेटफार्म बदलने और स्टेशन के एक छोर से दूसरे छोर तक सुरक्षित आवाजाही के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। ऐसी स्थिति में यात्रियों को जोखिम उठाकर पटरियां पार करनी पड़ती हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने आग्रह किया कि यहां पैदल ऊपरी पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि आम नागरिक सुरक्षित तरीके से आ-जा सकें और शहर के दोनों हिस्सों के बीच सुगम संपर्क भी स्थापित हो सके। डॉ सांगवान ने यह भी बताया कि महामारी काल के दौरान इस संसदीय क्षेत्र के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर कई ट्रेनों के ठहराव समाप्त कर दिए गए थे। अब

भी वे ठहराव बहाल नहीं किए गए हैं, जिससे दैनिक यात्रियों, छात्रों, व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बंद किए गए रेल ठहरावों को शीघ्र पुनः शुरू कराने की मांग भी रखी। मंत्री को सौंपे गए पत्र में क्षेत्रीय यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधों और ट्रेनों के ठहराव बहाली सहित कई बिंदुओं का उल्लेख किया गया है। सांसद के अनुसार केंद्रीय राज्य मंत्री ने सभी मांगों पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया है।

बहादुरगढ़ क्षेत्र में विवाहिता की गला रेतकर हत्या, पति समेत चार लोगों पर मामला दर्ज, चोरी की कहानी निकली भ्रामक

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के बहादुरगढ़ थाना अंतर्गत गांव मोहम्मदपुर रुस्तमपुर में विवाहिता की गला रेतकर की गई हत्या के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। प्रारंभिक स्तर पर घटना को चोरी के दौरान हत्या बताने की बात सामने आई थी, लेकिन जांच और परिजनों के आरोपों के बाद पुलिस ने मृतका के पति सहित चार लोगों के विरुद्ध नामजद मामला दर्ज कर लिया है। प्रकरण अवैध संबंधों के विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानेंजय सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर, क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह, थाना प्रभारी धीरज मलिक तथा विधि-विज्ञान दल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। साक्ष्य एकत्र कर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

मृतका के मायके पक्ष के पहुंचने पर मामले ने नया रूप ले लिया। परिजनों ने पति और उसके परिवार पर सुनियोजित हत्या का आरोप लगाते हुए बहादुरगढ़ थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया।

मृतका के भाई ने तहरीर में बताया कि उसकी बहन रीता शर्मा का विवाह राहुल शर्मा निवासी मोहम्मदपुर रुस्तमपुर के साथ हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद से ही राहुल द्वारा उसकी बहन के साथ मारपीट और प्रताड़ना की जाती थी। कई बार समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। आरोप है कि राहुल के पड़ोस में रहने वाली रितु देवी से उसके अवैध संबंध थे, जिसका मृतका विरोध करती थी। इसी बात को लेकर घर में लगातार विवाद होता था।

परिजनों का आरोप है कि राहुल शर्मा, उसकी मां गायत्री शर्मा, पिता विनोद शर्मा तथा रितु देवी ने मिलकर षड्यंत्र रचा और दो तारीख की रात विवाहिता की हत्या कर दी। घटना की जानकारी परिवार को तीन तारीख की सुबह मिली, जिसके बाद वे तत्काल गांव पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने बताया कि मृतका के भाई की तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। सभी बिंदुओं पर गहन जांच की जा रही है। साक्ष्यों और बयान के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विकसित भारत 2047 में स्टार्टअप्स की रहेगी बड़ी भूमिका: नौसेना प्रमुख

कानपुर (एजेंसी)। आईआईटी कानपुर जैसे संस्थानों में विकसित प्रौद्योगिकियां हमारे देश के सुरक्षित और आत्मनिर्भर भविष्य को आकार देने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मैं इन स्टार्टअप्स से आग्रह करता हूँ कि वे नवाचार की सीमाओं को निरंतर आगे बढ़ाएं और विकसित भारत 2047 के विजन में सार्थक योगदान दें, जहां भारत वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो। यह बातें मंगलवार को नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कही।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर को आज नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के डीप-टेक नवाचार, अनुसंधान तथा रक्षा-संबंधी प्रौद्योगिकी विकास के सशक्त और गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र से संवाद किया। नौसेना प्रमुख का स्वागत करते हुए आईआईटी कानपुर के उप निदेशक प्रो. ब्रज भूषण ने कहा कि ह्लआईआईटी कानपुर के लिए एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की मेजबानी करना तथा डीप-टेक नवाचार और रक्षा-उन्मुख अनुसंधान में संस्थान के बढ़ते योगदान को प्रदर्शित करना गर्व का विषय है। उनका यह दौरा स्वदेशी एवं मिशन-महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए शिक्षा जगत, स्टार्टअप्स और सशस्त्र बलों के बीच सशक्त सहयोग के महत्व को पुनः स्थापित करता है। भारत की रणनीतिक और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने वाले अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को आगे बढ़ाने के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध हैं। इसके बाद एडमिरल त्रिपाठी ने स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी) का

दौरा किया, जहां उनके साथ एसआईआईसी के मुख्य निवेश अधिकारी अनुराग सिंह, मुख्य परिचालन अधिकारी एवं मुख्य वित्त अधिकारी पीयूष मिश्रा तथा एसआईआईसी की नेतृत्व टीम उपस्थित रही। इस अवसर पर प्रो. दीपु फिलिप ने आईआईटी कानपुर की इन्क्यूबेशन, नवाचार और स्टार्टअप त्वरक (एक्सेलरेशन) रूपरेखा का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

इस अवसर पर प्रो. दीपु फिलिप ने कहा कि एसआईआईसी में हमारा उद्देश्य साहसिक विचारों को ऐसी उपयोग में लाई जा सकने वाली प्रौद्योगिकियों में परिवर्तित करना है, जो भारत की रणनीतिक तैयारी को सुदृढ़ करें। एडमिरल त्रिपाठी का हमारे नवप्रवर्तकों के साथ संवाद उन स्टार्टअप्स के लिए अमूल्य प्रोत्साहन है, जो देश के रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्रत्यक्ष रूप से उपयोगी समाधान विकसित कर रहे हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने सभी सहभागी स्टार्टअप्स के साथ से संवाद किया और उनकी अत्याधुनिक नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने आईआईटी कानपुर के इन्क्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र से उभर रहे तकनीकी विकास की गुणवत्ता और गहराई की सराहना की।

बिजनौर में खनन डंपरों का आतंक, एक दिन में दूसरी बड़ी दुर्घटना, छह वर्षीय बालक को रौंदा, हालत नाजुक

बिजनौर (शिखर समाचार) जनपद की सड़कों पर बेलगाम गति से दौड़ रहे खनन सामग्री से भरे भारी वाहन अब आम लोगों की जान के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। बीते दिन एक युवक की दर्दनाक मौत के बाद अभी शोक की लहर थमी भी नहीं थी कि नगीना देहात क्षेत्र में फिर एक बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खेल रहे छह वर्षीय मासूम को कुचल दिया। घटना के बाद ग्रामीणों में जबरदस्त रोष फैल गया और लोगों ने मौके पर जमकर विरोध जताया।

मिली जानकारी के अनुसार नजीबाबाद रायपुर मार्ग पर जोगीरमपुरी गांव के पास यह दुर्घटना हुई। गांव निवासी रिहान का छह साल का बेटा सरीम घर के पास सड़क किनारे खेल रहा था। तभी खनन सामग्री से लदा एक भारी डंपर तेज गति से वहां पहुंचा और चालक

वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। डंपर सीधे बालक के ऊपर चढ़ गया। टक्कर लगते ही मौके पर अफरातफरी मच गई और आसपास के लोग दौड़ पड़े।

ग्रामीणों ने घायल बच्चे को तुरंत उठाकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार बालक की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है और उसे गहन देखरेख में रखा गया है। घटना की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। लोगों का कहना है कि खनन से जुड़े भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर कोई लगाम नहीं है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। सूचना मिलते ही पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा और लोगों को समझाकर स्थिति को काबू में किया। संबंधित डंपर को कब्जे में लेकर चालक के विरुद्ध विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

गौरतलब है कि इससे पहले भी नगीना बुंदकी मार्ग पर खनन डंपर की टक्कर से शेरकोट क्षेत्र के 22 वर्षीय युवक रोहित की मौके पर ही जान चली गई थी। लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्रवासियों में भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि खनन वाहनों की गति सीमा तय कर सख्ती से पालन कराया जाए तथा नियम तोड़ने वालों पर कठोर दंड लगाया जाए, ताकि सड़कों पर आम जन सुरक्षित रह सके।

सामूहिक विवाह में 97 जोड़ों ने थामा एक दूसरें का हाथ

फिरोजाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत मंगलवार को जसराना ब्लॉक के शारदा रिसोर्ट में एक भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में कुल 97 जोड़ों ने एक दूसरें का हाथ थाम कर दाम्पत्य जीवन की शुरूआत की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह उपस्थित रहें, जबकि इनके अलावा जसराना की ब्लॉक प्रमुख संध्या राजपूत और बीडीओ जितेन्द्र सिंह और समाज कल्याण अधिकारी राजमती भी उपस्थित रहीं। समारोह में कुल 97 जोड़ों ने एक दूसरें का हाथ थाम कर दाम्पत्य जीवन की शुरूआत की।

सामाजिक समरसता की मिशाल पेश करते हुए इस आयोजन में विभिन्न वर्गों की भागीदारी रहीं। जिनमें पिछडा वर्ग से 55 जोडे, अनुसूचित जाति से 34 जोड़ों, अल्पसंख्यक वर्ग से 5 जोड़े और सामान्य वर्ग से 3 जोड़े रहें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने नव विवाहित जोड़ों पर फूल वर्षा कर उन्हे सुखी जीवन का उन्हे आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों और जरूरतमंदों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहीं है, सामूहिक विवाह योजना से समाज में एकजुटता का संदेश मिलता है, आज इन 97 जोड़ों को नई शुरूआत करते देखकर अत्यंत प्रशंसा हो रही है, समारोह में स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ भारी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं कन्या पक्ष एवं वर पक्ष के परिजन मौजूद रहें। सभी जोडों को सरकार द्वारा निर्धारित सहायता राशि और उपहार भेंट कर विदा किया गया।

वाराणसी में साइकिल, रिक्शा और ठेला पर लाइसेंस शुल्क पूरी तरह समाप्त

वाराणसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को नगर निगम के सभागार में हुई कार्यकारिणी बैठक में उपविधियों की जटिल प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर सहमति बनी। ऐसे में पेइंग गेस्ट हाउस, गेस्ट हाउस, होम स्टे, डोरमेट्री, निजी नसिंग होम/ अस्पताल, प्रसुति गृह, पैथालाजी सेंटर डेंटल क्लीनिक, अल्ट्रासाउंड, निजी बसों, स्कूल बसों इंश्योरेंस कंपनीज देशी/ विदेशी शराब , मॉडल शाप होटल बार, होटल लाज सहित अन्य सभी उपविधियों (नियमावलियों) को संशोधित कर सरलीकरण करने का निर्णय लिया गया। ताकि आम जनमानस को सहूलियत हो सके । कार्यकारिणी के इस फैसले से आमजन और छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत मिलनी तय है। पार्षद सुशीला देवी के प्रस्ताव पर कार्यकारिणी ने मलिन बस्तियों (सेवा बस्तियों) में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने का निर्णय लिया है । इसके तहत सीवर, स्ट्रीट लाइट सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का सर्वे कर एक माह के भीतर प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया। बैठक में महापौर ने चार दिनों के भीतर संशोधित बिल जारी कराने का निर्देश दिया। साथ ही सरचार्ज माफी का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने का निर्देश दिया। ताकि सदन के फैसले का लाभ भवन स्वामी उठा सके। उपसभापति ने पद्म अवाडी के सम्मान में उनके गली-मोहल्लों का नामकरण व उनके आवास पर उनके एक कमरे को संग्राहलय के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव पर नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि प्रक्रिया चल रही है । पार्षद प्रवीण राय ने जर्जर सड़कों की मरम्मत मई 2026 तक पूर्ण कराने, बरसात से पहले नालों की सफाई और प्रमुख घाटों पर फ्री वाई-फाई का प्रस्ताव दिया।

मुख्य अभियंता आरके सिंह ने कार्यकारिणी को बताया कि सड़क मरम्मत का कार्य मार्च तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है । वहीं, महापौर ने बताया कि प्रथम चरण में इसी माह के अंत तक अस्सी और दशाश्वमेध घाट पर फ्री वाई-फाई शुरू हो जाएगा। प्रमोद राय के प्रस्ताव पर कार्यकारिणी ने कुत्तों के आतंक से मुक्ति के लिए एबीसी सेंटर का संचालन 10 दिनों में शुरू कराने तथा वाटर कूलरों की संख्या 18 से बढ़ाकर 28 करने का निर्णय लिया गया । अमरदेव यादव के प्रस्ताव पर मुख्य अभियंता ने बताया कि सभी चौकियों पर लेबर-मिस्त्री और सामग्री की व्यवस्था कर दी गई है । वहीं, दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) की प्रक्रिया को तेज करते हुए आवेदन के दिन ही कागजातों की जांच कर फाइल नंबर देने की व्यवस्था लागू की जाएगी । मदन मोहन तिवारी के प्रस्ताव पर पार्षद कोटे के बकाये कार्यों का टेंडर 15 फरवरी तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है ।

मीट-मांस की दुकानों के लिए शहर के चारों कोनों पर बनेंगे व्यवस्थित बाजार

नगर निगम अब शहर के भीतर अनियंत्रित रूप से चलने वाली मीट और मांस की दुकानों को व्यवस्थित करने जा रहा है। कार्यकारिणी सदस्य मदन मोहन तिवारी के प्रस्ताव पर मुहर लगाते हुए निगम ने शहर की चारों दिशाओं में विशेष 'मीट मार्केट जोन' विकसित करने का निर्णय लिया है। निगम ने इसके लिए शुरूआती दौर में पिसौर क्षेत्र, चितईपुर, रामनगर और सुजाबाद के बीच, सारनाथ (ऐढ़े) में स्थानों को चिन्हित किया गया है। अत्याधुनिक दुकानों में पार्किंग की भी सुविधा होगी । वर्तमान में शहर की घनी आबादी और मुख्य सड़कों पर मांस की दुकानों के कारण स्वच्छता और यातायात की समस्या बनी रहती है। नगर निगम दुकानों का बेहतर पंजीकरण और निरीक्षण कर सकेगा। साथ ही कचरा निस्तारण (वेस्ट डिस्पोजल) के लिए आधुनिक सिस्टम लगाए जा सकेंगे।

अस्सी नाले पर बनेगा बैराज, अब नहीं डूबेगा शहर

नगर निगम ने.बाढ़ की विभीषिका रोकने के लिए अस्सी नाले पर बैराज बनवाने का निर्णय लिया है । ताकि बाढ़ का स्थायी समाधान हो सके। इसके लिए सिंचाई विभाग एक प्रस्ताव भेजा जाएगा।

15 फरवरी को होने वाली महाशिवरात्रि और इस अवसर पर होने वाली एक दिवसीय पंचक्रोशी यात्रा को ध्यान में रखते हुए महापौर अशोक कुमार तिवारी ने शहर की सड़कों और गलियों को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। कार्यकारिणी बैठक में सदस्य राजेश कुमार यादव 'चल्लू' के प्रस्ताव पर मुहर लगाते हुए महापौर ने 12 फरवरी तक सभी संबंधित कार्यों को पूर्ण करने की समय सीमा (डेडलाइन) तय की है। बैठक में उपसभापति नरसिंह दास, राजेश यादव चल्लू, हनुमान प्रसाद, मदन मोहन दुबे, प्रमोद राय, प्रवीण राय, अमर देव यादव, सुशील कुमार गुप्ता, अशोक मौर्य, राजकपूर चौधरी, सुशीला, माधुरी सिंह, अपर नगर आयुक्त सविता यादव, अपर नगर आयुक्त संगम लाल, अपर नगर आयुक्त अमित कुमार आदि भी मौजूद रहे।

नगीना में ठंड से राहत : नगर पालिका ने 2501 निर्धन व असहाय लोगों को वितरित किए कम्बल

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) कड़ाके की सर्दी के बीच जरूरतमंद लोगों को राहत देने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद ने बड़े स्तर पर कम्बल वितरण अभियान चलाया। इस अभियान के तहत निर्धन, असहाय, दिव्यांग, विधवा तथा बुजुर्ग नागरिकों को कुल 2501 कम्बल वितरित किए गए। यह वितरण नगर पालिका बोर्ड की पूर्व स्वीकृत योजना के अनुसार आयोजित किया गया, ताकि ठंड के मौसम में कमजोर वर्ग को सीधे सहायता मिल सके।

मंगलवार को एमएम इंटर कॉलेज के मैदान में कम्बल वितरण के लिए विशेष आयोजन किया गया। लाभार्थियों की सुविधा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए मैदान में 25 अलग-अलग वितरण केंद्र बनाए गए थे। प्रत्येक केंद्र पर जनप्रतिनिधियों

और पालिका कर्मचारियों की तैनाती की गई, जिससे वितरण कार्य शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से पूरा हुआ। नगर पालिका संघ के जिला अध्यक्ष शाहनवाज खलील ने सभी वितरण केंद्रों पर पहुंचकर पात्र लोगों को अपने हाथों से कम्बल दिए। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाना प्राथमिक जिम्मेदारी है और आगे भी इस प्रकार के जनहित कार्य जारी रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान अरशद मसूद, दाऊद मुल्तानी, अंजू बिश्नोई, कपिल पवार, रोहित बिश्नोई, बृजमोहन उर्फ बाली बिश्नोई, गोपाल शर्मा, चांद अहमद, मोहम्मद तालिब, रामकुमार यादव, असलम अहमद, संदीप वाल्मीकि, धीरज राय वर्मा, इफ्तिखार जेद, तलत अहमद, मुनीर अहमद जेद, नरेश कुमार, रोहित कुमार, महेश उर्फ दारा, बिट्टू कुमार नायक, अरविंद कुमार, धीरज कुमार सहित सभी वार्ड सभासद और नगर पालिका का पूरा कर्मचारी दल मौजूद रहा। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में लाभार्थी पहुंचे और पालिका की इस पहल की सराहना की।

अजय राय बोले- ये मजार केजीएमयू के पहले से है... ये सरकार सिर्फ तोड़फोड़ करने में लगी है, चढ़ाई चादर

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने केजीएमयू परिसर स्थित मजार को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मजार केजीएमयू से पहले की है और सरकार विकास के बजाय तोड़फोड़ में लगी है। कांग्रेस ने ऐतिहासिक विरासत बचाने की बात कही। लखनऊ में यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने केजीएमयू परिसर स्थित मजार पर चादर चढ़ाई। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, ये मजार केजीएमयू के पहले से है। सरकार विकास कर नहीं पा रही है, यही सब करने में लगी है। हर जगह सिर्फ तोड़फोड़ करना चाहती है। ऐसे में हम पीछे नहीं हटेंगे, अपने इतिहास को मिटने नहीं देंगे। पूरे लखनऊ में नवाबों ने बनाया है। हो सकता है कि उनकी ही कृपा ये यहां मेडिकल कॉलेज बना है, जमीन मिली हो। मजार के लिए नोटिस देना। भाजपा की सोच को दशार्ता है।

सुशांत गोल्फ सिटी में ईंट से कूचकर युवक की हत्या, चेहरे-सिर पर मिले निशाान

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में मजदूर की ईंट से कुंचकर हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। लखनऊ में सुशांत गोल्फ सिटी स्थित मुल्ला खेड़ा में सोमवार देर रात ईंट से कुंचकर मजदूर की हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह शव देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। डीसीपी निपुण अग्रवाल, एडीसीपी रल्लापल्ली वसंथ कुमार, एसीपी गोसाईगंज ऋषभ यादव व इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटना स्थल पर छानबीन के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल के मुताबिक, शव की शिनाख्त थाना क्षेत्र के ही चौरासी गांव निवासी संतराम (40) के रूप में हुई है। मृतक के सिर व चेहरे पर गंभीर चोटें आईं हैं। मृतक सोमवार शाम से लापता था। परिजनों की तहरीर पर पुलिस अज्ञात पर केस दर्ज कर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

कोहरे में फिर से डूबेगा प्रदेश, इन 23 जिलों में घने कोहरे की चेतावनी,

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में एक बार फिर से कोहरे का साया दिख रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में कई जिलों में घना कोहरा दिख सकता है। उत्तर प्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव जारी है। रविवार व सोमवार को पश्चिमी यूपी के कई जिलों में बारिश के साथ ओले भी गिरे। इस बीच कई जिलों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं भी चलीं। सोमवार को अलीगढ़, आगरा, गाजियाबाद, गोरखपुर में सुबह घने कोहरे की वजह से दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। वहीं बहराइच, अयोध्या, अमेठी, कुशीनगर, मुजफ्फर नगर, मेरठ में दृश्यता 50 मीटर ने नीचे दर्ज हुई। मौसम विभाग की ओर से मंगलवार के लिए प्रदेश के बुंदेलखंड के इलाके हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर आदि में बूंदाबांदी के साथ ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही 23 जिलों में अत्यधिक घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। इस बीच जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर आदि में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं भी चलेंगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नए विकसित हुए पश्चिमी रक्षोभ के असर से पश्चिमी यूपी से शुरू हुई बूंदाबांदी का दायरा मंगलवार को बुदेलखंड, विंध्य क्षेत्र, प्रयागराज मंडल तक पहुंचेगा। प्रदेश में यह बदलाव 4 फरवरी तक रहेगा। इसके बाद कोहरा छूटेगा और तापमान में हल्की देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत व आसपास के इलाकों में। फरवरी की शुरूआत राजधानी में गर्म मौसम के साथ हो रही है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से लखनऊ लगातार दूसरे दिन प्रदेश का सबसे गर्म शहर दर्ज किया गया। सोमवार को दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी तेज उछाल देखने को मिला, जिससे ठंड का असर कमजोर पड़ा। सोमवार सुबह हल्के कोहरे के साथ हुई, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ा, आसमान साफ होता गया। तेज धूप निकली और हवा में गर्माहट महसूस की गई। दोपहर के समय मौसम पूरी तरह शुष्क रहा, जिससे लोगों को दिन में गर्मी का अहसास हुआ। मौसम विभाग का पूवानुर्मान है कि मंगलवार को बादलों की आवाजाही बढ़ सकती है। इसके साथ ही हल्की बूंदाबांदी की संभावना है, जबकि सुबह के समय घना कोहरा भी छा सकता है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि निचले क्षोभमंडल में पंजाब और हरियाणा के आसपास सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसी कारण राजधानी का पारा प्रदेश में सबसे अधिक रहा। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 2.2 डिग्री की बढ़त के साथ 26.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री की उछाल के साथ 13 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

नेपाल से बहू बनकर भारत आई महिलाएं नहीं बन सकेंगी वोटर, निवासी होते हुए भी वोटिंग का अधिकार नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया जारी है। इस बीच उन नेपाली महिलाओं के लिए बुरी खबर है जिनकी शादी यूपी के अलग-अलग जिलों में हुई है। नेपाल से आई बहुएं भारत की मतदाता नहीं बन सकती हैं। मतदाता सूची में उन्हें अपना नाम शामिल करवाने के लिए पहले यहां की नागरिकता लेनी होगी। इसीलिए भारत की वैध निवासी होते हुए भी उन्हें जनप्रतिनिधि चुनने का अधिकार नहीं मिलेगा। अलबत्ता, तय मानक पूरा करने पर ऐसे दंपतियों के बच्चे जरूर भारतीय नागरिक माने जाएंगे। उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हो सकता है। भारत और नेपाल में रोटी-बेटी का प्रगाढ़ संबंध है। ऐसे में सिद्धार्थनगर, महराजगंज, बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत के लोगों की नेपाल में शादी हुई है।

चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि नेपाल की जो लड़कियां भारतीय नागरिकों से शादी करके यहां बस गई हैं, वह यहां की वैध निवासी तो हैं, पर वह भारतीय नागरिक नहीं हैं। नेपाली महिलाओं को विवाह के बाद भारतीय नागरिकता प्राप्त करने के लिए भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 के तहत आवेदन करना होता है, जिसके लिए सात साल तक भारत में लगातार निवास का प्रमाण और विवाह पंजीकरण अनिवार्य है। यह प्रक्रिया जिलाधिकारी, राज्य व केंद्र के गृह विभाग के माध्यम से पूरी होती है।

इसमें निवास का प्रमाण और वैध मैरिज सर्टिफिकेट आवश्यक है। लगातार सात साल तक भारत में रहने का पक्का सबूत (आवासीय दस्तावेज) अनिवार्य है। अगर कोई व्यक्ति एक जुलाई 1987 से पहले भारत में पैदा हुआ है, तो उसे यहां का स्वतः नागरिक मान लिया जाता है।

1 जुलाई 1987 से दो दिसंबर 2004 के बीच जन्मे व्यक्ति को तभी नागरिक माना जाता है, जब मां-बाप में से कोई एक यहां का नागरिक हो। दो दिसंबर 2004 के बाद जन्म लेने वालों को तभी भारत का नागरिक माना जाएगा, जब मां-बाप में से कोई एक भारत का नागरिक हो और दूसरा यहां वैध तरीके से रह रहा हो। भारत-नेपाल के बीच संधि के चलते भारत में रह रहे नेपाली नागरिक यहां के वैध निवासी माने जाते हैं।

ग्रेनो प्राधिकरण की नई पहल से सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र को मिलेगा बल, कंपनियों से सीधे संवाद शुरू

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ग्रेटर नोएडा क्षेत्र को सूचना प्रौद्योगिकी निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में प्राधिकरण ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण का विशेष दल अब सीधे आवंटियों और निवेशकों से संपर्क कर उनकी समस्याओं, बाधाओं और अपेक्षाओं की जानकारी जुटा रहा है, ताकि आगे लाई जाने वाली भूखंड आवंटन योजना को व्यवहारिक और उद्योग हितैषी बनाया जा सके। इस अभियान में प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी भी मैदान में उतरकर कंपनियों से प्रत्यक्ष संवाद कर रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा को आधारभूत ढांचे, यातायात संपर्क और औद्योगिक वातावरण के लिहाज से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का उभरता हुआ केंद्र माना जा रहा है। आगामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की शुरूआत से यहां निवेश की संभावनाएं और तेज होने की उम्मीद है। सूचना प्रौद्योगिकी इकाइयों के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध होने के बावजूद कई कंपनियां संचालन शुरू करने में विभिन्न प्रकार की दिक्कतें महसूस कर रही हैं। इन्हीं बिंदुओं को समझने के लिए प्राधिकरण ने जमीनी स्तर पर बातचीत का सिलसिला शुरू किया है। इसी क्रम में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार सिंह और अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा सिंह ने टेकजोन-4 क्षेत्र में स्थित पांच प्रमुख इकाइयों का स्थलीय निरीक्षण किया। इनमें

ओसियन इंफ्रा हाइट्स, एसपीआई सूचना प्रौद्योगिकी, एडवांस कंप्यूसॉफ्ट, अर्था इंफ्राटेक और भूटानी सूचना प्रौद्योगिकी पार्क शामिल हैं। अधिकारियों ने कंपनियों के प्रबंधन प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा कर यह जानने का प्रयास किया कि भूखंड आवंटन के बाद परियोजनाएं शुरू करने में किन प्रशासनिक, तकनीकी और प्रक्रियात्मक अड़चनों का सामना करना पड़ रहा है।

अधिकारियों ने यह भी जानकारी ली कि आवंटन की शर्तों में किस प्रकार के संशोधन से निवेशकों को राहत मिल सकती है, किस श्रेणी के कार्यों में अधिक संभावनाएं हैं, और किस तरह की सुविधाओं की आवश्यकता सबसे ज्यादा महसूस की जा रही है। कंपनियों की ओर से रखे गए सुझावों और मांगों को संकलित कर उच्च स्तर पर प्रस्तुत करने का भरोसा भी दिया गया। सुनील कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र को बढ़ावा देना प्राधिकरण की प्राथमिकता में शामिल है और उद्योगों को अनुकूल वातावरण देने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। कंपनियों से प्राप्त सुझावों को प्राधिकरण बोर्ड और शासन के समक्ष रखा जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद नीतिगत सुधार और नई व्यवस्था लागू की जाएगी, ताकि निवेशकों को सरल और पारदर्शी प्रक्रिया का लाभ मिल सके।

प्राधिकरण की इस सीधी संवाद पहल को सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, क्योंकि इससे नीतियां कागजी स्तर के बजाय वास्तविक जरूरतों के आधार पर तैयार हो सकेंगी और क्षेत्र में नए निवेश का मार्ग आसान होगा।

मोदीनगर में राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता का शुभारंभ, देशभर के खिलाड़ियों ने दिखाई ताकत

मोदीनगर (शिखर समाचार) मोदीनगर में मंगलवार से राष्ट्रीय स्तर की भारोत्तोलन प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ हो गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में क्षेत्रीय विधायक मंजू सिवाच, ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू, भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव, प्रदेश अध्यक्ष सबीना यादव तथा द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त प्रशिक्षक विजय शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता की शुरूआत कराई। आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, प्रशिक्षक और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

उद्घाटन अवसर पर विधायक मंजू सिवाच ने कहा कि खेल केवल शरीर को मजबूत नहीं बनाते, बल्कि मनोबल और सोच को भी सशक्त करते हैं। खेलों से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच देते हैं और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित करते हैं। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का बड़ा अवसर होती हैं। यहां से निकली प्रतिभाएं आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर अभ्यास और संयम बनाए रखने का संदेश दिया। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को उच्च स्तर की तैयारी का अवसर मिलता है। प्रतिस्पर्धा का वातावरण खिलाड़ियों की क्षमता को निखारता है और उन्हें बड़े मुकाबलों के लिए तैयार करता है। उन्होंने आयोजन समिति की तैयारियों की सराहना भी की। समारोह के दौरान विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया और अभ्यास सत्र में भाग लिया। आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता कई वर्गों में आयोजित की जा रही है, जिसमें युवा और वरिष्ठ दोनों वर्ग के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। पूरे क्षेत्र में खेल को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए नया फर्नीचर, स्वास्थ्य और विकास पर विशेष ध्यान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) बच्चों के सर्वांगीण विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए आज आंगनबाड़ी केंद्रों में नए फर्नीचर और खेल सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार ज्योत्सना ने आंगनबाड़ी केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर सुनिश्चित किया कि बच्चों को सुरक्षित और अनुकूल शिक्षण वातावरण प्राप्त हो। बाल विकास परियोजना अधिकारी सन्ध्या सोनी एवं पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में प्रत्येक केंद्र को शिशु डेस्क, खेल खिलौने और इंटरलॉकिंग मैट उपलब्ध कराए गए, जिससे बच्चों की खेलकूद और सीखने की गतिविधियों में सुधार हो सके। इसके साथ ही आरबीएसके टीम के डॉ. मनीष ने राष्ट्रीय कृमिनाशक कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को कृमिनाशक दवा वितरित की। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकताओं को आगामी 10 फरवरी को आयोजित होने वाले कृमिनाशक दिवस पर एल्बेंडाजोल दवा का वितरण सुनिश्चित करने के लिए

आवश्यक निर्देश भी दिए। सेक्टर बैठक के दौरान कार्यकताओं को पोषण ट्रैकर, परिचालन आईडी, आयुष्मान कार्ड, मातृत्व सुरक्षा योजना के प्रपत्र और एफआरएस प्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। सीडीपीओ एवं पर्यवेक्षक निदेशों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो और बच्चों तक लाभ सुनिश्चित रूप से पहुँच सके।

इसके अतिरिक्त स्वाभिमान होंडा इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय सूरजपुर में शौचालय नवनीकरण का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्य के सफल आयोजन के लिए सीडीपीओ दनकौर ने होंडा इंडिया फाउंडेशन की टीम की सराहना करते हुए उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस प्रकार आंगनबाड़ी केंद्रों में नए फर्नीचर, खेल सामग्री और स्वास्थ्य संबंधी उपाय बच्चों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए किए गए प्रयासों का प्रमाण हैं, जिससे आगामी दिनों में बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास और भी मजबूत होगा।

बेजुबान पर जुल्म, अब अदालत में इंसाफ की लड़ाई कुत्तों पर अमानवीय अत्याचार का मामला तूल पकड़ा, पुलिस की भूमिका पर भी उठे सवाल

हापुड़(शिखर समाचार) शहर के रेलवे रोड क्षेत्र स्थित पटेल नगर कॉलोनी में बेजुबान जानवरों पर की गई क्रूरता का मामला अब सड़क से निकलकर अदालत तक पहुंच गया है। कॉलोनी के एक दबंग व्यक्ति द्वारा कुत्तों के साथ लगातार की जा रही अमानवीय हरकतों से आक्रोशित एक पशु प्रेमी ने आरोपी को सजा दिलाने के लिए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। बताया गया है कि रेलवे रोड क्षेत्र की एक पॉश कॉलोनी में रहने वाला व्यक्ति आए दिन बेजुबान जानवरों के साथ बेरहमी से मारपीट करता है। पशु प्रेमी हितेश कुमार डम्मी के अनुसार मोहल्ले के लोग मिलकर आवारा कुत्तों की देखभाल करते हैं और उनकी नसबंदी भी कराई जा चुकी है, इसके बावजूद आरोपी व्यक्ति जानवरों पर अत्याचार करता

रहा है। हितेश कुमार ने आरोप लगाया कि 9 दिसंबर 2025 को आरोपी ने एक कुत्ते के बच्चे पर तेजाब डाल दिया, जबकि उसकी मां को जहर देकर मार डाला गया। इस गंभीर घटना की सूचना तत्काल संबंधित रेलवे रोड चौकी इंचार्ज को दी गई, लेकिन प्रभावशाली आरोपी होने के चलते पुलिस स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। न्याय न मिलने पर पशु प्रेमी ने मामले की जानकारी पीपल्स फॉर एनिमल्स संस्था को दी, जहां से प्रकरण की जांच अभी जारी बताई जा रही है। इसी बीच मामला पूर्व सांसद और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य डा. अंजूबाला तक पहुंचा। उनके हस्तक्षेप के बाद रेलवे रोड चौकी इंचार्ज को हटाकर दूसरी चौकी पर स्थानांतरित कर दिया गया, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। अब पशु प्रेमी हितेश कुमार डम्मी ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए न्यायालय की शरण ली है। उनका कहना है कि यदि इस तरह की क्रूरता को समय रहते नहीं रोका गया तो भविष्य में कोई भी बेजुबान सुरक्षित नहीं रहेगा। यह लड़ाई केवल एक कुत्ते के लिए नहीं, बल्कि उन तमाम बेजुबान जानवरों के हक और इंसाफ की है, जो बोल नहीं सकते।

पागल कुत्ते ने आठ वर्षीय बालिका पर किया भयावह हमला, 50 से अधिक टांके आए, लोगों ने बड़ी मुश्किल से बचाया

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) मंगलवार की शाम शहर की संकरी गलियों में एक दर्दनाक घटना हुई, जिसने स्थानीय लोगों को हिलाकर रख दिया। स्थानीय मोहल्ला सनी बस्ती निवासी यशपाल सिंह सैनी की आठ वर्षीय पुत्री उमंग सैनी उस समय अपने घर लौट रही थी, जब एक अनियंत्रित और पागल कुत्ता अचानक उसके सामने प्रकट हुआ और उस पर झपट्टा मार दिया। धामपुर रोड स्थित बैंकट हॉल से खाना खाकर लौट रही बालिका जैसे ही बिश्नोई सराय मार्ग पर पहुँची, पागल कुत्ते ने उसे पकड़ लिया। बालिका की डर और पीड़ा से भरी चीखें

सुनकर पास के दुकानदार और राहगीर दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे। लोगों ने बड़ी मुश्किल और संघर्ष के बाद बालिका को कुत्ते के पंजे से मुक्त कराया। घायल बालिका को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि बालिका के शरीर पर 50 से अधिक टांके लगे हैं और उसकी स्थिति अभी गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों के अनुसार बालिका का इलाज सतत जारी है और संक्रमण से बचाव के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। स्थानीय लोग इस घटना से डर और गुस्से में हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि पागल कुत्तों के नियंत्रण के लिए कठोर कदम उठाए जाएँ और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए जाएँ। पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है और पागल कुत्ते को पकड़ने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। इस भयावह घटना ने इलाके के निवासियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि किस प्रकार अनियंत्रित जानवरों से बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। बालिका की हालत सुधरने तक इलाके में लोग सतर्क रहने की चेतावनी दे रहे हैं।

मारपीट के फरार आरोपी को गढ़मुक्तेश्वर सिम्भावली पुलिस ने धर दबोचा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) ग्राम बढ़ड़ा में करीब डेढ़ वर्ष पूर्व हुई मारपीट और झगड़े की घटना का फरार आरोपी आखिरकार कानून की गिरफ्त में आ गया। सिम्भावली थाना पुलिस ने हरोड़ा अंडरपास के पास से कुलदीप पुत्र सुनील उर्फ सुनील निवासी ग्राम बढ़ड़ा को गिरफ्तार किया। सिम्भावली थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि हापुड़ पुलिस द्वारा अपराध की रोकथाम और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह गिरफ्तारी संभव हुई। कुलदीप के खिलाफ थाना मु0अ0सं0 159/24, धारा 149, 326 भादवि में मामला दर्ज है। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सौरज सिंह, उपनिरीक्षक विकास कुमार और उपनिरीक्षक गोविन्द सिंह प्रमुख रहे। थाना प्रभारी ने कहा कि इस तरह की कार्रवाईयों से क्षेत्र में अपराध की रोकथाम में मदद मिलती है और वांछित अपराधियों पर कानून का शिकंजा कसता है।

फर्जी दस्तावेज के सहारे 10 बीघा जमीन का सौदा, छह आरोपी बनें शिकंजे में

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) एरिया क्षेत्र के मेहंदीपुर गांव में एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है, जहाँ करीब 10 बीघा जमीन के दस्तावेज तैयार कर लाखों रुपए में बेचे गए। आश्चर्यजनक बात यह रही कि वह जमीन वास्तव में किसी भी नक्शे या हकीकत में मौजूद ही नहीं थी।

जालसाजी का शिकार बने खरीददार ने अदालत की अनुमति से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें दो नामजद और चार अज्ञात लोगों को आरोपित किया गया। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जानकारी के अनुसार देहरादून निवासी नीरज गर्ग ने अदालत में बताया कि उन्होंने वर्ष 2009 में निवेश के उद्देश्य से जमीन खरीदने की योजना बनाई। इसी क्रम में उनके एक मित्र के जरिए गाजियाबाद निवासी कुसुम आर्य और सत्य भूषण आर्य से संपर्क हुआ। आरोप है कि आरोपियों ने कुछ स्थानीय लोगों के माध्यम से मेहंदीपुर गांव में जमीन दिखाई और बाद में उसका रजिस्ट्री कराने के नाम पर 4.65 लाख रुपए ले लिए। हालांकि जब नीरज गर्ग ने जमीन पर कब्जा दिलाने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने लगातार विभिन्न बहाने बनाकर उन्हें टालते रहे। जांच में सामने आया कि जमीन वास्तव में कहीं भी मौजूद नहीं थी। जालसाजी का पता चलने के बाद पीड़ित ने अपने पैसे वापस मांगने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने धमकी दी और अभद्रता भी की। अदालत के आदेश पर पुलिस ने कुसुम आर्य, सत्य भूषण आर्य और चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस मामले में गहन जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने के प्रयास में जुटी है।

जिला न्यायाधीश ने किशोर किशोरी सम्प्रेक्षण गृह और बालिका गृह का किया औचक निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेशों के अनुपालन में गौतमबुद्ध नगर के जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोरी तथा राजकीय बालिका गृह का निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी त्यागी भी मौजूद रहीं। निरीक्षण के समय व्यवस्थाओं, सुरक्षा और दैनिक सुविधाओं की स्थिति को विस्तार से परखा गया।

निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने वहां रह रहे बालक और बालिकाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने लंबित मुकदमों की प्रगति के बारे में जानकारी ली और पूछा कि उन्हें विधिक सहायता समय पर मिल रही है या नहीं। साथ ही भोजन, आवास, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी त्यागी ने बताया कि सम्प्रेक्षण गृहों में रह रहे किशोरों और किशोरियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न प्रशिक्षण और रचनात्मक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इनमें योगाभ्यास, नृत्य प्रशिक्षण, सिलाई बुनाई, संगणक शिक्षा, अंग्रेजी बोलचाल पाठ्यक्रम, ध्यान सत्र तथा कला शिल्प कार्यक्रम शामिल हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों के कौशल को विकसित कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

निरीक्षण के अंत में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए ताकि व्यवस्थाओं में और सुधार लाया जा सके तथा बच्चों को सुरक्षित और प्रेरक वातावरण मिल सके।

कोर्ट ने हापुड़ कोतवाल पर लगाया 50 हजार रुपए का जुमार्ना, पांच फरवरी को व्यक्तिगत रूप से हाजिरी का आदेश

हापुड़ (शिखर समाचार) गैंगस्टर से जुड़े एक मामले में अदालत ने हापुड़ कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक पर पचास हजार रुपए का दंड लगाया है। अपर जिला व सत्र न्यायालय/विशेष न्यायाधीश (गिरोहबंद अधिनियम) ने यह आदेश स्पष्टीकरण प्रस्तुत न करने के कारण दिया। साथ ही अदालत ने पांच फरवरी 2026 को डीएम, एसपी और हापुड़ थाना प्रभारी निरीक्षक को सभी संबंधित अभिलेखों के साथ व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होने के निर्देश भी जारी किए हैं।

अदालत के अनुसार यह मामला अपराध संख्या 01/2026 से जुड़ा है, जिसमें अभियुक्ता रंजनी ने धारा 2/3 गैंग्स्टर एक्ट के तहत दर्ज मामले में जमानत की अर्जी दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान अभियुक्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि गैंगचार्ट में उनके विरुद्ध दो केस (अपराध संख्या 155/2025 और 156/2025) दर्शाए गए हैं, जबकि इन दोनों मामलों में न तो आरोप पत्र दाखिल हुए हैं और न ही कोर्ट ने संज्ञान लिया है। अभियुक्ता पहले से ही थाने से जमानत पर है।

कोर्ट ने अधिवक्ता के तर्क को सही मानते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय और इलाहाबाद हाई कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि गैंगचार्ट में केवल वे मामले शामिल किए जा सकते हैं जिनमें अभियोग पत्र दाखिल होकर कोर्ट द्वारा संज्ञान लिया गया हो। अदालत ने गैंग चार्ट और संबंधित अभिलेखों की जाँच में पाया कि नौ दिसंबर 2025 को डीएम व एसपी ने गैंगचार्ट को अनुमोदित किया, जिसमें बताया गया कि दोनों मामलों में आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल हैं। लेकिन कोर्ट के रिकार्ड और प्रमाणित प्रतिलिपियों से स्पष्ट हुआ कि यह तथ्य असत्य है। अदालत ने इसे उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण नियमावली 2021 और उच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन बताया। विशेष न्यायाधीश ने 30 जनवरी 2026 को कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार पांडेय से स्पष्टीकरण तलब किया था। डीएम और एसपी से भी जिला शासकीय अधिवक्ता के माध्यम से जवाब मांगा गया। सोमवार की सुनवाई में कोई भी अधिकारी अदालत में उपस्थित नहीं हुआ।

इस पर अदालत ने जिला शासकीय अधिवक्ता के स्थगन प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए 50 हजार रुपए हजार्ना काटकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराने का आदेश दिया। साथ ही अदालत ने सभी पक्षों को चेतावनी दी कि पांच फरवरी 2026 को दोपहर 12 बजे, कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक, एसपी और डीएम सभी अभिलेखों के साथ व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित हों। अभिलेखों के अनुसार यह फैसला अदालत की सख्ती और कानून के प्रति स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि गैंगस्टर एक्ट के तहत गैंगचार्ट में तथ्यात्मक सटीकता अनिवार्य है, और अधिकारियों की लापरवाही को कोई सहन नहीं किया जाएगा।

कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 : आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की एसएपीएल इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में हुई संपन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की एसएपीएल इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में संपन्न हुई, जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुषो को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र मे उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी और यदि

समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा और यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

एयरपोर्ट प्रभावित युवाओं ने स्थायी रोजगार की मांग को लेकर अखिलेश यादव से की मुलाकात

जेवर/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र में निमार्णाधीन नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से प्रभावित परिवारों के युवाओं ने अपनी रोजगार संबंधी मांगों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से दिल्ली में भेंट की। सोमवार को हुए इस मुलाकात कार्यक्रम में युवाओं के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी समस्याओं और लंबित मांगों को विस्तार से रखते हुए एक लिखित ज्ञापन सौंपा। पूर्व मुख्यमंत्री ने युवाओं की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए उनकी मांगों के समाधान के लिए उचित स्तर पर प्रयास करने का भरोसा दिया। बताया गया कि हवाई अड्डा परियोजना का पहला चरण लगभग तैयार स्थिति में है, लेकिन जिन किसान परिवारों ने अपनी भूमि परियोजना के लिए दी थी, उनके कई युवा अब तक रोजगार से वंचित हैं। प्रभावित युवाओं का कहना है कि भूमि अधिग्रहण के समय नौकरी देने का विकल्प भी दिया गया था, जिसे चुनने वाले परिवारों के बच्चे आज भी स्थायी नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। रोजगार की मांग को लेकर वे लगातार अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं और कई बार धरना-प्रदर्शन भी कर चुके हैं। युवाओं ने कहा कि उन्हें हवाई अड्डा संचालित करने वाली कंपनी में सीधे स्थायी नियुक्ति दी जानी चाहिए। उनका आरोप है कि कुछ लोगों को नौकरी मिलने की बातें

केवल अफवाह के रूप में फैलाई जा रही हैं, जबकि विस्थापित परिवारों के किसी भी युवक को अब तक नियमित पद पर नियुक्त नहीं किया गया है। इससे प्रभावित परिवारों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र स्थायी रोजगार की व्यवस्था नहीं की गई तो वे हवाई अड्डा परिसर के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेंगे। उनका कहना है कि जब तक प्रभावित युवाओं को कंपनी के नियमित वेतनमान पर नौकरी नहीं मिलती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मुलाकात के दौरान नीरज शर्मा, अरुण कुमार, सिराजुद्दीन सहित कई प्रभावित युवा उपस्थित रहे।

संपादकीय

अमेरिका भारत टैरिफ : प्रतिस्पर्धा, संरक्षणवाद और साझेदारी के बीच संतुलन की चुनौती

वैश्विक अर्थव्यवस्था के इस दौर में व्यापार केवल वस्तुओं का लेन देन नहीं रह गया है, बल्कि यह रणनीतिक शक्ति, तकनीकी वर्चस्व और भू राजनीतिक प्रभाव का भी माध्यम बन चुका है। ऐसे समय में अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ यानी आयात शुल्क को लेकर बढ़ती बहस एक महत्वपूर्ण संकेत है कि मुक्त व्यापार और घरेलू संरक्षण के बीच संतुलन बनाना अब पहले से अधिक जटिल हो गया है। दोनों देश लोकतांत्रिक व्यवस्था, मजबूत बाजार और तकनीकी सहयोग के साझेदार हैं, फिर भी व्यापारिक टकराव समय समय पर सामने आ जाता है। यह स्थिति केवल राजस्व या उद्योग तक सीमित नहीं, बल्कि आपूर्ति श्रृंखला, निवेश माहौल और कूटनीतिक भरोसे को भी प्रभावित करती है।

टैरिफ का मूल उद्देश्य घरेलू उद्योगों को बाहरी प्रतिस्पर्धा से बचाना और राजस्व जुटाना होता है, लेकिन जब टैरिफ रणनीतिक हथियार बन जाता है, तब वह व्यापारिक रिश्तों में तनाव पैदा करता है। अमेरिका लंबे समय से यह कहता रहा है कि भारतीय बाजार में कई क्षेत्रों में शुल्क दरें अधिक हैं, जिससे अमेरिकी उत्पादों की प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है। दूसरी ओर भारत का तर्क है कि वह एक विकासशील अर्थव्यवस्था है, जहां लाखों छोटे और मध्यम उद्योग अभी भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। ऐसे में शुल्क संरचना एक सुरक्षा कवच का काम करती है। मुद्दा केवल आयात शुल्क का नहीं, बल्कि व्यापार संतुलन का भी है। अमेरिका को लगता है कि कई क्षेत्रों में व्यापार घाटा उसकी अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक जोखिम पैदा करता है। वहीं भारत यह मानता है कि सेवाओं, डिजिटल क्षेत्र और कुशल मानव संसाधन के माध्यम से वह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बड़ा योगदान देता है। यदि केवल वस्तु व्यापार के आंकड़ों को आधार बनाया जाएगा तो तस्वीर अधूरी रहेगी। आज की अर्थव्यवस्था में डेटा, सेवा, सॉफ्टवेयर, अनुसंधान और नवाचार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने पारंपरिक उत्पाद। टैरिफ विवाद का एक बड़ा असर आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ता है। दुनिया पहले ही महामारी, युद्ध और भू राजनीतिक तनाव के कारण आपूर्ति व्यवधान झेल चुकी है। भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। यदि अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ तनाव बढ़ता है तो यह अवसर कमजोर पड़ सकता है। कंपनियां स्थिर और पूवार्नुमान योग्य नीति चाहती हैं। अनिश्चित शुल्क व्यवस्था निवेशकों के भरोसे को प्रभावित करती है और दीर्घकालिक निवेश निर्णय टल जाते हैं। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि टैरिफ बढ़ाने से उपभोक्ताओं पर सीधा असर पड़ता है। आयातित कच्चा माल महंगा होगा तो उत्पादन लागत बढ़ेगी और उसका भार अंततः ग्राहकों को उठाना पड़ेगा। महंगाई से जूझ रही वैश्विक अर्थव्यवस्था में यह कदम सावधानी से उठाया जाना चाहिए। संरक्षणवाद अल्पकालिक राहत दे सकता है, लेकिन दीर्घकाल में प्रतिस्पर्धात्मकता और नवाचार को कमजोर कर सकता है। घरेलू उद्योगों को स्थायी सुरक्षा देने के बजाय उन्हें तकनीकी उन्नयन, कौशल विकास और बाजार विस्तार के जरिए मजबूत करना अधिक टिकाऊ उपाय है। भारत और अमेरिका के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। रक्षा सहयोग, तकनीकी साझेदारी, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और डिजिटल ढांचे जैसे अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों के साझा हित हैं। ऐसे में टैरिफ को लेकर टकराव यदि राजनीतिक रंग ले लेता है, तो व्यापक रणनीतिक सहयोग प्रभावित हो सकता है। परिपक्व साझेदार वही होते हैं जो मतभेदों को संस्थागत संवाद और समझौते के जरिए सुलझाते हैं, न कि सार्वजनिक दबाव और प्रतिशोधात्मक कदमों से। समाधान का रास्ता द्विपक्षीय वार्ता और क्षेत्र विशेष समझौतों से निकल सकता है। सभी क्षेत्रों में एक समान नीति लागू करने के बजाय उन क्षेत्रों की पहचान करनी होगी जहां पारस्परिक रियायतें संभव हैं। कृषि, औद्योगिक उत्पाद, डिजिटल सेवाएं और हरित तकनीक जैसे क्षेत्रों में चरणबद्ध शुल्क समायोजन मॉडल अपनाया जा सकता है। साथ ही गैर-टैरिफ बाधाओं जैसे मानक, प्रमाणन और नियम को सरल बनाना भी उतना ही आवश्यक है। कई बार असली बाधा शुल्क नहीं, बल्कि जटिल नियम होते हैं। भारत के लिए यह अवसर भी है कि वह अपनी व्यापार नीति को अधिक पारदर्शी और पूवार्नुमान योग्य बनाए। निर्यात बढ़ाने के साथ आयात नीति में संतुलन जरूरी है। यदि भारत वैश्विक विनिर्माण और आपूर्ति केंद्र बनना चाहता है, तो उसे प्रतिस्पर्धी शुल्क ढांचा, बेहतर अवसंरचना और तेज नियामक प्रक्रियाएं सुनिश्चित करनी होंगी। वहीं अमेरिका को भी यह समझना होगा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं की जरूरतें विकसित देशों से अलग होती हैं। समान नियमों की अपेक्षा के बजाय न्यायसंगत लचीलेपन की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसलामासिक धर्म स्वच्छता अब गरिमा और जीवन के अधिकार का हिस्सा

कांतिलाल मांडोत

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सिर्फ एक कानूनी आदेश नहीं, बल्कि भारतीय समाज की उस चुप्पी को तोड़ने वाला क्षण है, जिसने दशकों तक मासिक धर्म को हाशिए पर रखा। देश की सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि मासिक धर्म स्वास्थ्य संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और गरिमा के मौलिक अधिकार का अभिन्न हिस्सा है। इस फैसले के साथ ही स्कूलों में पढ़ने वाली लाखों छात्राओं के लिए स्वच्छता, सम्मान और समान अवसर की राह मजबूत हुई है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने यह फैसला एक जनहित याचिका पर सुनाते हुए केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि देश के हर सरकारी और निजी स्कूल में छात्राओं को मुफ्त ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जाएं। अदालत ने यह भी अनिवार्य किया कि स्कूलों में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय हों, जिनमें पर्याप्त पानी, साबुन, हैंडवॉश और निजी इस्तेमाल की सुविधा मौजूद हो। यदि कोई निजी स्कूल इन मानकों का पालन नहीं करता है, तो उसकी मान्यता रद्द की जा सकती है, जबकि सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में कमी की सीधी जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की होगी।

कोर्ट ने अपने फैसले में माना कि मासिक धर्म के दौरान बुनियादी सुविधाओं की कमी केवल असुविधा नहीं, बल्कि छात्राओं की गरिमा, निजता और शिक्षा के अधिकार पर सीधा आघात है। अदालत ने यह भी कहा कि यदि किसी स्कूल में लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं, तो यह संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन है। लड़कियों को सैनिटरी पैड जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित रखना उन्हें लड़कों के समान शिक्षा और गतिविधियों में भाग लेने से रोकता है, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकता।

इस मामले की पृष्ठभूमि भी उतनी ही गंभीर है। सामाजिक कार्यकर्ता जया ठाकुर ने वर्ष 2022 में यह जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें बताया गया था कि आर्थिक तंगी और सामाजिक झिझक के कारण बड़ी संख्या में किशोरियां मासिक धर्म के दौरान स्कूल नहीं जा पातीं। कई परिवारों के लिए सैनिटरी पैड पर खर्च करना बोझ बन जाता है, नतीजतन लड़कियां कपड़े या असुरक्षित विकल्पों का इस्तेमाल करती हैं, जिससे संक्रमण और आत्मसम्मान दोनों पर असर पड़ता है। कोर्ट में करीब चार साल चली सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि उत्तर भारत में लगभग 29 प्रतिशत छात्राएं मासिक धर्म के दिनों में स्कूल नहीं जातीं, और यही अनुपस्थिति आगे चलकर पढ़ाई छूटने और स्कूल छोड़ने की बड़ी वजह बनती है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में सिर्फ पैड उपलब्ध कराने तक बात सीमित नहीं रखी। अदालत ने कहा कि हर स्कूल में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन कॉर्नर बनाए जाएं, जहां अतिरिक्त यूनिफॉर्म, इनरवियर और डिस्पोजेबल बैग उपलब्ध हों, ताकि किसी भी आपात स्थिति में छात्रा को स्कूल छोड़कर घर न जाना पड़े। टॉयलेट परिसरों में या तय स्थानों पर वेंडिंग मशीन के माध्यम से सैनिटरी पैड आसानी से उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है। साथ ही दिव्यांग छात्राओं के लिए अनुकूल शौचालय व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि कोर्ट ने मासिक धर्म को लेकर सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करने की जरूरत पर बल दिया। अदालत ने कहा कि यह आदेश केवल कानूनी तंत्र के लिए नहीं है, बल्कि उन लड़कियों के लिए है जो मदद मांगने से झिझकती हैं, उन शिक्षकों के लिए है जो सहयोग करना चाहते हैं लेकिन सामाजिक चुप्पी के कारण बंधे रहते हैं, और उन माता-पिता के लिए है जो इस विषय पर खामोशी चुन लेते हैं। कोर्ट ने भावनात्मक शब्दों में कहा कि हर उस लड़की को यह संदेश मिलना चाहिए कि मासिक धर्म कोई अशुद्धता या बोझ नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है, और इसके कारण शिक्षा से दूर किया जाना किसी भी हालत में जायज नहीं है।

अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि स्कूलों के पाठ्यक्रम में मासिक धर्म, किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक और मानसिक बदलावों तथा स्वास्थ्य से जुड़े विषयों को शामिल किया जाए। शिक्षकों, छात्राओं और स्कूल स्टाफ को मासिक धर्म स्वच्छता पर प्रशिक्षण देने की बात कही गई है, ताकि गलत धारणाओं और शर्म की भावना को खत्म किया जा सके। कोर्ट का मानना है कि जब तक जानकारी और संवाद को सामान्य नहीं बनाया जाएगा, तब तक केवल ढांचागत सुविधाएं भी अधूरी साबित होंगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब देश के कई राज्यों ने अपने स्तर पर मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर पहल की है। ओडिशा ने 2018 में ह्यखुशी योजनाह्व शुरू कर सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड देना शुरू किया था। मध्य प्रदेश ने कैश ट्रांसफर मॉडल अपनाते हुए सातवीं से बारहवीं तक की छात्राओं के खातों में सालाना राशि डालने की व्यवस्था की। राजस्थान में ह्यउड़ान योजनाह्व के तहत स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी स्तर पर मुफ्त नैपकिन बांटे जाते हैं। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी अलग-अलग योजनाओं और वेंडिंग मशीनों के जरिए छात्राओं तक ये सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद इन पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर एक समान कानूनी आधार मिल गया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह स्वयं इन निर्देशों के पालन की निगरानी करेगा और तीन महीने बाद इस मामले में फिर सुनवाई होगी। इसका मतलब है कि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके क्रियान्वयन पर भी नजर रखी जाएगी। निजी स्कूलों के लिए यह चेतावनी है कि शिक्षा केवल फीस और इमारतों तक सीमित नहीं, बल्कि छात्राओं की गरिमा और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी भी उनका दायित्व है।

कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भारतीय शिक्षा व्यवस्था और समाज दोनों के लिए एक मील का पत्थर है। यह पहली बार है जब मासिक धर्म स्वास्थ्य को इतने स्पष्ट रूप से मौलिक अधिकार के दायरे में रखा गया है। यह आदेश न सिर्फ स्कूलों की दीवारों के भीतर बदलाव लाएगा, बल्कि घरों और समाज में भी बातचीत की दिशा बदलेगा। जब अदालत कहती है कि मासिक धर्म के दौरान सम्मानजनक सुविधा मिलना जीवन और गरिमा के अधिकार का हिस्सा है, तो वह दरअसल यह याद दिलाती है कि समानता केवल कानून की किताबों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के अनुभवों में महसूस होनी चाहिए। यही इस फैसले की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कैंसर मौन महामारी, जागरूकता ही है सबसे बड़ा हथियार

योगेश कुमार गोयल

लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 4 फरवरी को 'विश्व कैंसर दिवस' मनाया जाता है। दरअसल आज भी लगभग सभी लोगों के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। भारत में तो कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है और कैंसर से मौतों का आंकड़ा साल-दर-साल निरंतर बढ़ रहा है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं।

हालांकि कुछ वर्ष पूर्व तक कैंसर को लाइलाज रोग माना जाता था लेकिन कुछ वर्षों में कैंसर के उपचार की दिशा में क्रांतिकारी खोजें हुई हैं और अब अगर समय रहते कैंसर की पहचान कर ली जाए तो उसका उपचार किया जाना काफी हद तक संभव हो जाता है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का उपचार अब संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें।

कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो उसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह जानना भी बहुत जरूरी है कि ह्यकैंसरह्व आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनिया भर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का शुरूआती चरणों में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान

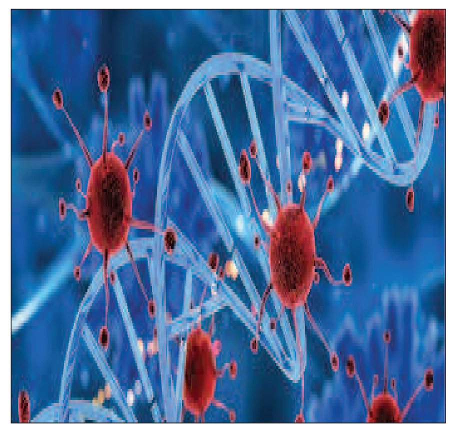

खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्त्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव आर्थिक सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी। इसके अलावा सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि कैंसर को लेकर समाज में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं जाएं।

विकसित भारत बनाने में भारतीय रेल परियोजनाओं को मिली नई रफ्तार

विनोद कुमार सिंह

मोदी सरकार के आम बजट मे मिशन और केन्द्रीय रेल अश्विनी वैष्णव का ऐतिहासिक विजन में भारतीय रेल देश की आर्थिक रीढ़ व विकसित भारत बनाने में मिल का पत्थर साबित होगा. भारतीय रेल अब केवल यात्रा का माध्यम नहीं, बल्कि भारत के उत्थान,रोजगार,व्यापार और वैश्विक शक्ति बनने की यात्रा का सबसे बड़ा वाहक बन चुकी है।

मोदी सरकार के आम बजट मे मिशन और केन्द्रीय रेल अश्विनी वैष्णव का ऐतिहासिक विजन में भारतीय रेल देश की आर्थिक रीढ़ व विकसित भारत बनाने में मिल का पत्थर साबित होगा...

वैश्विक मानचित्र पर आए दिनों चर्चा व चिन्तन भारत का होना आम बात है, लेकिन इन दिनों आम बजट मे रेल मंत्रालय को आवांटित राशि को ले चहूँ दिशाओं में विकाश की तेज रफ्तार व सीटी सुनाई पड़ने लगी है। केन्द्रीय बजट 2026-27 लोकसभा में प्रस्तुत हो चुका है और यह बजट केवल सरकार के आय-व्यय का लेखा नहीं,बल्कि भारत के भविष्य का वह निर्णायक दस्तावेज है जो देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को नई शक्ति देता है। इस बजट का सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली पक्ष यह है कि भारतीय रेल को केन्द्र में रखकर मोदी सरकार ने राष्ट्र निर्माण की गति को और तेज करने का स्पष्ट संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'विकसित भारत मिशन' और केन्द्रीय रेलमंत्रीअश्विनी वैष्णव का आधुनिक रेलवे विजन अब कागजों की योजना नहीं,बल्कि बजट की ठोस घोषणाओं और रिकॉर्ड निवेश के माध्यम से यथार्थ की धरातल पर उतरता दिखाई दे रहा है। भारतीय रेल आज अपने यात्रियों को गंतव्य तक पहुँचाने वाली व्यवस्था नहीं रह गई, बल्कि यह भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़,उद्योगों की जीवनरेखा,कृषि बाजारों की शक्ति और रोजगार सृजन का सबसे बड़ा इंजन बन चुकी है। आप को मै स्पष्ट कर दुं किवर्ष 26- बजट में भारतीय रेल को लगभग 2.78 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत आवंटन प्राप्त हुआ है,जो भारतीय रेल के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर को राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार माना गया है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस निवेश को देश की आर्थिक पटरी पर तेज रफ्तार विकास का विजय घोष कहा है। सर्वविदित रहे कि पिछले दशक में रेलवे में जिस स्तर पर परिवर्तन आया है,वह स्वतंत्र भारत में अभूतपूर्व है। रेलवे नेटवर्क का विस्तार,नई तकनीक का समावेश,स्टेशन पुनर्विकास,हाई- स्पीड रेल परियोजनाएँ और हरित ऊर्जा की दिशा में कदम- यह सब भारत को एक नई रेल क्रांति की ओर ले जा रहा है। रेल बजट 2026-27 का सबसे बड़ा आकर्षण सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा है। ये कॉरिडोर भारत के औद्योगिक केन्द्रों,व्यापारिक शहरों, कृषि उत्पादन क्षेत्रों और निर्यात हब को तेज गति से जोड़ेंगे। हाई-स्पीड रेल नेटवर्क केवल यात्रियों के समय की बचत नहीं करेगा,बल्कि यह निवेश आकर्षण,उद्योग विस्तार, पर्यटन विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के तीव्र उत्थान का माध्यम

बनेगा। जब शहरों के बीच दूरी घटती है,तब व्यापार की गति बढ़ती है,नए रोजगार के अवसर पैदा होते है। इससे आर्थिक गतिविधियाँ कई गुना तेज हो जाती हैं। दिल्ली-वाराणसी, वाराणसी- सिलीगुड़ी जैसे कॉरिडोर उत्तर भारत और पूर्वी भारत की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखते हैं। यह विकसित भारत की ओर बढ़ते कदमों का सबसे बड़ा संकेत है। इसी बजट में हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना को आगे बढ़ाने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। भारत अब केवल परंपरागत डीजल इंजनों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। हाइड्रोजन ट्रेनें पर्यावरण अनुकूल,ऊर्जा दक्ष और भविष्य की परिवहन प्रणाली का प्रतीक हैं। इससे प्रदूषण घटेगा, ईंधन आयात पर निर्भरता कम होगी और भारत हरित परिवहन क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह वही सोच है जो विकसित राष्ट्रों की पहचान बन चुकी है। अब भारत भी उसी दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। बुलेट ट्रेन परियोजना को भी बजट 2026-27 में नई ऊर्जा मिली है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और आधुनिक राष्ट्र निर्माण की पहचान बन चुकी है। बुलेट ट्रेन केवल एक रेल सेवा नहीं,बल्कि भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, निवेश सामर्थ्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का प्रतीक है। आने वाले वर्षों में इसका विस्तार भारत को हाई-स्पीड ट्रांसपोर्ट के वैश्विक मानचित्र पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

रेलवे विद्युतीकरण भी इस बजट का एक मजबूत स्तंभ है। सरकार का लक्ष्य है कि भारतीय रेल नेटवर्क पूर्णतः विद्युतीकृत होकर ऊर्जा दक्ष, तेज,सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बने। विद्युतीकरण से परिचालन लागत घटेगी,माल ढुलाई क्षमता बढ़ेगी और भारत का लॉजिस्टिक्स सेक्टर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत होगा। रेलवे की गति केवल ट्रेनों की रफ्तार नहीं बढ़ाएगी,बल्कि यह भारत की आर्थिक गति को भी तेज करेगी। रेल बजट 2026-27 का सबसे प्रत्यक्ष और जनसरोकार से जुड़ा पक्ष अमृत भारत स्टेशन योजना है। देशभर में सैकड़ों रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। स्टेशन अब केवल प्लेटफॉर्म नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक यात्री सुविधा केन्द्र,व्यापारिक गतिविधियों के हब और स्थानीय रोजगार के केन्द्र बनेंगे। छोटे शहरों और कस्बों में स्टेशन विकास से होटल,टैक्सी, दुकानें,स्थानीय हस्तशिल्प, खानपान उद्योग और पर्यटन व्यवसाय को नया जीवन मिलेगा। रेलवे स्टेशन अब विकास के प्रवेश द्वार बनेंगे। नई रेल लाइनों,डबलिंग, ट्रैक अपग्रेडेशन और फ्रेट कॉरिडोर परियोजनाओं पर भी बजट में विशेष बल दिया गया है। माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के लिए रेलवे को आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में बदला जा रहा है। इससे कृषि उत्पाद तेजी से बाजारों तक पहुँचेंगे,उद्योगों को कच्चा माल समय पर मिलेगा और निर्यात क्षेत्र को नई शक्ति मिलेगी। रेलवे विकास का अर्थ केवल यात्री सुविधा नहीं,बल्कि भारत के उत्पादन और व्यापार की क्षमता में क्रांतिकारी वृद्धि है। इस बजट का सबसे बड़ा सामाजिक प्रभाव रोजगार के क्षेत्र में दिखाई देगा। नई परियोजनाओं से लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। इंजीनियरिंग,निर्माण,तकनीकी सेवा,आईटी सिस्टम, सुरक्षा व्यवस्था,खानपान,पर्यटन और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में रोजगार की व्यापक संभावनाएँ खुलेंगी। रेलवे परियोजनाएँ केवल सरकारी नौकरियाँ नहीं,बल्कि निजी क्षेत्र में भी रोजगार और उद्यमिता के अवसर पैदा करती हैं। राज्यवार आवंटन के आंकड़े यह दशार्ते हैं कि रेलवे विकास अब केवल कुछ बड़े शहरों तक सीमित नहीं,बल्कि पूरे भारत में संतुलित विस्तार का माध्यम बन चुका है। 2026-27 में महाराष्ट्र को लगभग 23,926 करोड़ रुपये,उत्तर प्रदेश को 20,012 करोड़ रुपये,गुजरात को 17,366 करोड़ रुपये,मध्य प्रदेश को 15,188 करोड़ रुपये,पश्चिम बंगाल को 14,205 करोड़ रुपये, राजस्थान को 10,228 करोड़ रुपये,बिहार को 10,379 करोड़ रुपये,झारखंड को 7530 करोड़ रुपये,ओडिशा को 10,928 करोड़ रुपये और असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र को 11,486 करोड़ रुपये का आवंटन मिला है। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि रेलवे विकास नीति में क्षेत्रीय संतुलन और व्यापक विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। बिहार जैसे राज्यों में यह निवेश विशेष महत्व रखता है,क्योंकि बीते वर्षों की तुलना में बिहार को कई गुना अधिक आवंटन मिला है। इससे राज्य में नई रेल परियोजनाएँ, स्टेशन विकास,पर्यटन कनेक्टिविटी और स्थानीय व्यापार को बड़ा लाभ होगा। मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़ और दिल्ली जैसे क्षेत्रों में भी रेलवे निवेश में कई गुना वृद्धि दर्ज की गई है,जो इन क्षेत्रों की औद्योगिक क्षमता और रोजगार अवसरों को व्यापक बनाएगी। पूर्वोत्तर क्षेत्र में विशेष आवंटन इस बात का संकेत है कि सरकार सीमांत क्षेत्रों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। रेल बजट 2026- 27 वास्तव में मोदी सरकार की उस सोच का प्रतिबिंब है। जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा आधार माना गया है। प्रधानमंत्री मोदी का विकसित भारत मिशन अब रेलवे जैसी जीवनरेखा में हो रहे रिकॉर्ड निवेश से वास्तविकता बनता दिख रहा है। वैष्णव का विजन भारतीय रेल को आधुनिक,सुरक्षित,तेज, पर्यावरण अनुकूल और विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में निर्णायक है।

भारतीय रेल आज नई पटरियाँ बिछा रही है, लेकिन उससे भी अधिक वह भारत के भविष्य की आर्थिक पटरी बिछा रही है। यह बजट आने वाले वर्षों में भारत को न केवल एक विशाल रेल नेटवर्क वाला देश बनाएगा,बल्कि एक ऐसी अर्थव्यवस्था बनाएगा जो गति, सुरक्षा,हरित ऊर्जा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के नए मानकों पर खड़ी होगी। विकसित भारत की ओर दौड़ती यह रेलगाड़ी अब रुकने वाली नहीं है,क्योंकि इसके पीछे राष्ट्र की आकांक्षा है,सरकार की प्रतिबद्धता है और भविष्य की अनिवार्यता है। *मोदी सरकार के आम बजट मे मिशन और केन्द्रीय रेल अश्विनी वैष्णव का ऐतिहासिक विजन में भारतीय रेल देश की आर्थिक रीढ़ व विकसित भारत बनाने में मिल का पत्थर साबित होगा* भारतीय रेल अब केवल यात्रा का माध्यम नहीं, बल्कि भारत के उत्थान,रोजगार,व्यापार और वैश्विक शक्ति बनने की यात्रा का सबसे बड़ा वाहक बन चुकी है।

जानकारी

झड़ते बालों के लिए वरदान है भृंगराज तेल

लंबे, घने और चमकदार बाल तो हर लड़की को पसंद होते हैं लेकिन प्रदूषण, तनाव, बदलता मौसम और गलत आदतों के कारण बाल झड़ना, रूखे, बेजान व डल हो जाते हैं। हालांकि लड़कियां इसके लिए महंगे प्रॉडक्ट्स व पार्लर में कई पैसे खर्च करती हैं लेकिन इसका असर ज्यादा समय तक टिक नहीं पाता। ऐसे में आज हम आपको एक आयुर्वेदिक तेल के बारे में बताएंगे, जो बालों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

यहां हम बात कर रहे हैं भृंगराज तेल की, जिससे बालों का टूटना, बालों का झड़ना, बालों का सफेद होना, बालों का रूखापन और डैंड्रफ जैसी समस्याएं दूर हो जाती है। चलिए आपको बताते हैं कि आप घर पर भृंगराज तेल कैसे बना सकते हैं और यह बालों के लिए कैसे फायदेमंद है।

घर पर इस तरह बनाएं भृंगराज तेल: सबसे पहले भृंगराज के पत्तों का रस निकालें फिर इसमें बराबर मात्रा में नारियल तेल मिक्स करके धीमी आंच पर पकने के लिए छोड़ दें। जब दोनों अच्छी तरह मिक्स हो जाए तो गैस बंद कर दें। अगर आप झड़ते बालों से परेशान हैं, तो इसमें आंवला रस भी मिला लें। आप इसमें शिकाकाई, तिल का तेल और अन्य औषधियां भी मिला सकते हैं।

भृंगराज एक कुदरती जड़ी-बूटी है इसलिए इसके कोई साइड-इफैक्ट नहीं होते। चलिए अब हम आपको बताते हैं कि यह तेल लगाने से आपको क्या-क्या फायदे मिलेंगे...

असमय बालों का सफेद होना

इसका नियमित इस्तेमाल बालों को असमय सफेद होने से रोकता है और बालों का कुदरती रंग बरकरार रखता है।

झड़ते बालों के लिए वरदान

आजकल 10 में से 8 लोग झड़ते बालों से परेशान है। ऐसे में यह तेल आपके लिए वरदान साबित हो सकता है। इस तेल से हल्के हाथ से सिर पर मसाज करें और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद माइल्ड शैंपू, शिकाकाई या रीठा पाउडर से सिर धो लें। इससे बालों को मजबूती मिलेगी और उनका झड़ना कम होगा।

बालों को बनाए घना और मजबूत

भृंगराज तेल से मसाज करने से स्कैल्प में रक्त प्रवाह बढ़ जाता है। इससे बालों की जड़ें सक्रिय हो जाती हैं और बालों का बढ़ना शुरू हो जाता है। इससे आपके बाल स्वस्थ और घना होंगे।

बालों के रूखापन करे दूर

अगर आपके बाल रूखे और बेजान हो गए हैं तो हफ्ते में कम से कम दो बार इस तेल से सिर की मसाज करें। इससे ना सिर्फ बालों को पोषण मिलेगा बल्कि उनमें नमी भी बनी रहेगी।

डैंड्रफ की समस्या

अगर आप डैंड्रफ की समस्या से परेशान है तो हफ्ते में दो बार इस तेल से मसाज करें। मगर इसकी तासीर ठंडी होती है इसलिए सर्दियों में रात में इसे लगाकर न सोएं। इससे डैंड्रफ की समस्या कुछ समय में ही दूर हो जाएगी और इंफेक्शन से भी छुटकारा मिलेगा।

कमर और कंधे के दर्द से राहत दिलाएगी हीट थेरेपी

कई बार अधिक या लगातार काम करने के कारण मसल्स में जकड़न की समस्या होने की शिकायत हो जाती है। ऐसा आमतौर पर भारी चीजें उठाने से होता है। जिससे मांसपेशियों में ऐंठन, जोड़ों, मसल्स आदि में दर्द का अहसास होता है। इसने बचने के लिए लोग दवाइयों का भी सहारा लेते है पर कभी वो ज्यादा अच्छा रिजल्ट नहीं दे पाती हैं। ऐसे में इस परेशानी से बचने के लिए आज हम आपको 6 ऐसे घरेलू उपचार के बारे में बताते हैं। जो आपको दर्द से आराम दिलाने के साथ रिलैक्स भी फील करवाने में मददगार साबित होंगे।

हीट थेरेपी

अक्सर ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने के लिए दर्द वाली जगह पर गर्म सेक किया जाता है। इसे हीट थेरेपी कहा जाता है। इसके इस्तेमाल से मांसपेशियों की जकड़न, जोड़ों, मसल्स और अर्थराइटिस के दर्द में आराम मिलता है। इससे मांसपेशियों में लचीलापन आता है।

कोल्ड थेरेपी

शरीर में सूजन की समस्या होने पर डॉक्टरों द्वारा कोल्ड थेरेपी की सलाह दी जाती है। दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप आइस पैक, कूलैंट स्प्रे, बर्फ से स्नान आदि कर प्रक्रिया को अपना सकते है। ये दर्द से आराम दिलाने के साथ तनाव कम करने और रिलैक्स फील करवाने में भी मदद करता है।

हल्दी

चोट लगने, खून की सफाई, मौसमी बीमारियों आदि के लिए हल्दी बेहद लाभकारी साबित होती है। ये डायटिबीज, हृदय रोगों, मोटापा आदि कम करने में भी मदद करता है। इसमें पाएं जाने वाले औषधि गुण मांसपेशियों को आराम दिलाकर रिलैक्स फील करवाने में मदद करती है। रात को सोने से पहले हल्दी के दूध का सेवन करने से यह कंधे से लेकर पैर तक पूरे शरीर में होने वाले दर्द से छुटकारा दिलाने में फायदेमंद है।

चेरी जूस

चेरी में पाए जाने वाले बायोऐक्टिव कम्पाउंड्स पॉलीफेनॉल्स, एंथोसायनिन, मेलानिन, एंटीऑक्सिडेंट गुण मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह मसल्स में होने वाले दर्द में फायदेमंद साबित होता है। रिसर्च के मुताबिक इसका जूस पीने से अच्छी नींद आने के साथ दिमाग भी स्वस्थ रहता है। इससे शरीर में होने वाले दर्दों से आराम मिलता हैं।

एसेंशियल ऑयल मसाज

कंधे और कमर में दर्द होने पर एसेंशियल ऑयल मसाज से की गई मसाज राहत दिलाने में मददगार होती है। इससे मांसपेशियों की जकड़न, सूजन के साथ तनाव से भी राहत मिलती हैं। मालिश करने से शरीर पूरी तरह से खुल जाता है और हल्का सा अनुभव होता है।

ब्लूबेरी

एंटीऑक्सिडेंट, इंफ्लामेटरी और पॉलीफेनोल गुणों की भरपूर मात्रा होने से ये शरीर के डैमेज टिशू को ठीक करने में मदद करता है। शरीर में पड़ी ऐंठन, कंधे या कमर दर्द से राहत पाने के लिए आप इसकी स्मूदी बना कर भी पी सकते हैं।

सेहत

दिल को हैल्दी रखता है हरा प्याज, कैंसर को रोकने में भी मददगार

सर्दियों में हरा प्याज बड़ी ही आसानी से मिल जाता है। सिर्फ हरे प्याज व आलू को मिलाकर बनाई गई इस सब्जी का स्वाद ऐसा होता है कि बच्चे भी इसे आसानी से खा लेते हैं। कोशिश करें कि आप इस प्याज को अपने खाने का हिस्सा जरूर बनाते रहें क्योंकि यह कैंसर से बचाव के साथ ही दिल को हैल्दी रखने में मदद करता है।

हरे प्याज में मौजूद एंटी ऑक्सीडैंट्स गुण, डी.एन.ए. और सैल्स के टिश्यू को होने वाले नुकसान को रोकता है। वहीं इसमें मौजूद विटामिन 'सी' कोलैस्ट्रॉल और ब्लड शुगर के स्तर को कम करता है जो दिल की बीमारी के खतरे को कम करता है। हरे प्याज में एलिल सल्फाइड नाम का शक्तिशाली सल्फर कम्पाउंड होता है जो कोलोन कैंसर को रोकने में मदद करता है। इसके फ्लेवोनोइड्स तत्व जैन्थीन ऑक्सीडेस एंजाइम का शरीर में उत्पादन करते हैं जो डी.एन.ए. और सैल्स को होने वाले नुक्सान को रोकते हैं।

हरे प्याज में विटामिन 'सी' और 'के' होते हैं जो हड्डियों को सुचारू रूप से काम करने में मददगार होते हैं। विटामिन 'सी' जहां हड्डियों में मौजूद कोलेजन को बढ़ाते हुए उन्हें मजबूत बना देता है, वहीं विटामिन 'के' से बोन डैन्सिटी (हड्डियों की सघनता) को बनाए रखने में मदद मिलती है जो हड्डियों को मजबूती देता है। एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल प्रॉपर्टीज वाला हरा प्याज फ्लू, इन्फैक्शन और वायरल के वायरस से शरीर का बचाव करता है। यह शरीर के सांस के तंत्र को भी स्वस्थ रखता है।

आंखों को रखे हैल्दी, शुगर लैवल करे कम

स्टडीज में यह साबित हुआ है कि हरे प्याज में ल्यूटिन और जेक्सैथीन जैसे कारोटेनोइड होते हैं, जो आंखों को स्वस्थ रखने और उन्हें नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। यही खासियत नजर को सुधारने में मदद करने के साथ ही उसे बिगड़ने से रोकने में भी मदद करती है। इतना ही नहीं हरे प्याज के सल्फर कम्पाऊंड शरीर के ब्लड शूगर लैवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। ये इंसुलिन स्तर को बढ़ाते हुए ब्लड से शरीर सैल्स तक शूगर बेहतर तरीके से पहुंचाकर यह नतीजे देते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3790

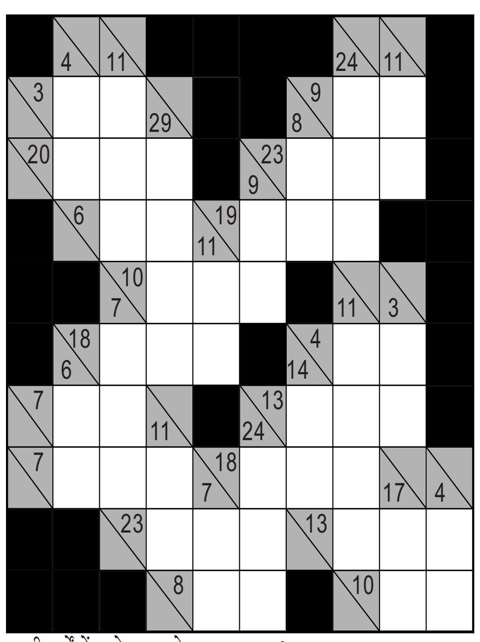

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

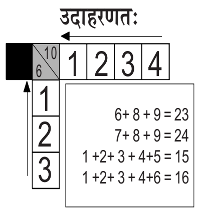

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3789 का हल

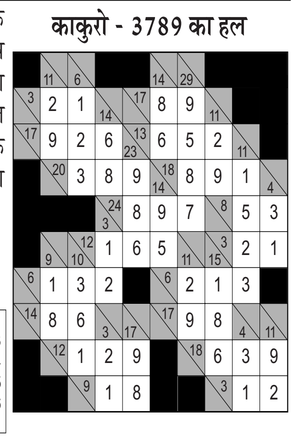

लॉफिंग ज़ोन

पति (पत्नी से) प्रिये यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम क्या दूसरी शादी कर लोगी।

नहीं, कभी नहीं। मैं अपना बचा जीवन अपनी बड़ी बहन के साथ गुजार दूँगी लेकिन दूसरी शादी नहीं करूँगी।

पत्नी (पति से) : लेकिन यदि मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम दूसरी शादी कर लोगे।

पति : नहीं, मैं भी तुम्हारी बहन के साथ ही रह लूँगा।

अपने प्रेमी की शिकायत करते हुए शीला ने गीता से कहा- यह रमन का बच्चा आजकल मुझसे फ्लर्ट कर रहा है।

गीता- क्यों क्या किया रमन ने?

शीला- कल शाम जब मैं एक रेस्त्राँ में उससे मिलने गई तो वह बहुत देर बाद आया। कारण पूछने पर कहने लगा- अरे, वो नरेश मुझे जबरदस्ती टॉकिज ले गया था फिल्म दिखाने।

गीता- तो इसमें फ्लर्ट की क्या बात है?

शीला- दरअसल, कल नरेश के साथ टॉकिज तो मैं गई थी।

फिल्म वर्ग पहेली- 3790

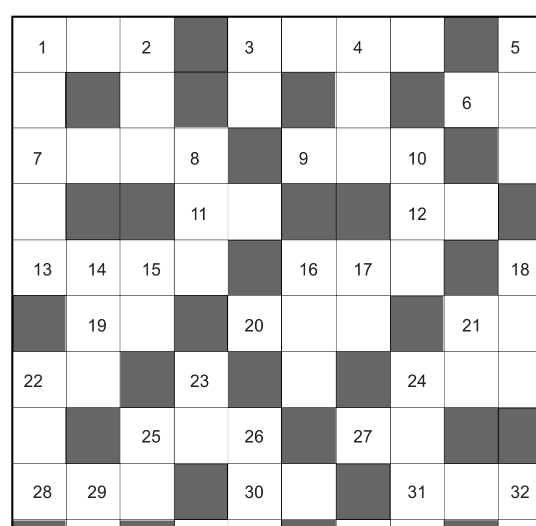

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3789

सूडोकु -3790

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3789 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 3790

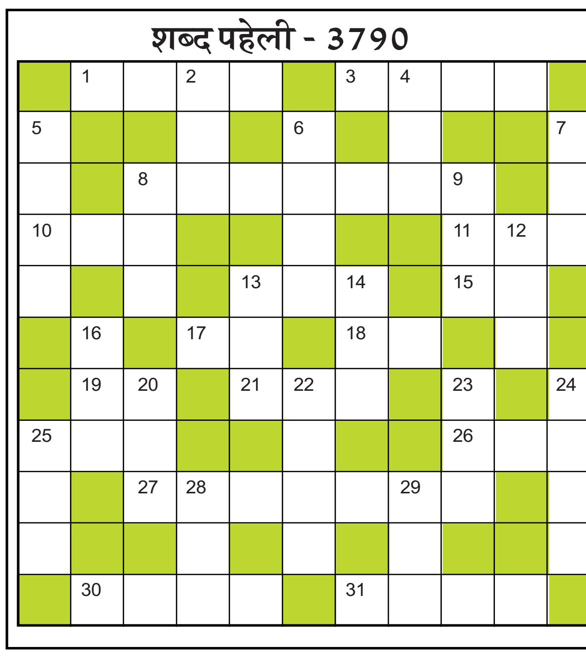

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -3789 का हल

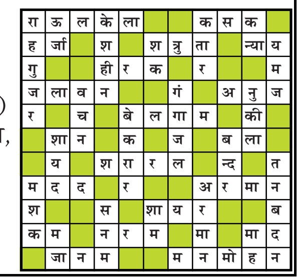

भारतीय राजनीति को झकझोर देने वाली रक्षा कंपनी की सहयोगी से अडानी समूह ने किया समझौता

नई दिल्ली।

इटली की कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड क्लीन चिट मिलने के पांच साल बाद फिर भारत के रक्षा क्षेत्र में प्रवेश को तैयार है। यह वही बहुचर्चित कंपनी हैं जिसका नाम वीवीआईपी हेलिकॉप्टर कांड से जुड़ा था। इस कांड ने करीब एक दशक तक भारतीय राजनीति को झकझोर दिया था। अगस्ता की पैतृक कंपनी लियोनार्डो के साथ अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की डील को अंतिम रूप दे दिया है। अडाणी ग्रुप के अनुसार इसकी औपचारिक घोषणा मंगलवार को होगी। लियोनार्डो कभी फिनमैकेनिका के नाम से जानी जाती थी। अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला 3,600 करोड़ का एक वीवीआईपी हेलिकॉप्टर खरीद घोटाला है। इसमें कंपनी पर 12 एडब्ल्यू-101 (एडब्ल्यू-101) हेलिकॉप्टर की खरीद में वायुसेना के अधिकारियों और बिचौलियों को करीब 360 करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। भारत ने 2014 में सौदे को औपचारिक रूप से रद्द करने के बाद कंपनी को ब्लैकलिस्ट किया था। सबूतों के अभाव में पहले इटली की अदालत ने और बाद में नवंबर 2021 में रक्षा मंत्रालय ने अगस्ता वेस्टलैंड को क्लीन चिट दे दी थी।

दरअसल यह सौदा 2010 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान इटली की कंपनी फिनमैकेनिका की सहायक कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड के साथ हुआ था। 2013 में इटली की जांच एजेंसियों ने रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच शुरू की। इस सौदे में बिचौलियों की भूमिका सामने आई। इसके बाद मामला सीबीआई को सौंपा गया और नौबत इतना आ गई कि सौदे के समय वायु सेना प्रमुख रहे एयर चीफ मार्शल एसपी त्यागी और कुछ अन्य लोगों को जेल जाना पड़ा।

सीबीआई ने 2010 में 12 वीवीआईपी हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति के लिए हुए सौदे के कारण सरकारी खजाने को 398.21 मिलियन यूरो (करीब 2,666 करोड़ रु.) के नुकसान का आरोप लगाया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2016 में दायर अपने आरोप पत्र में दावा किया था कि मिशेल को अगस्ता वेस्टलैंड से 30 मिलियन यूरो (करीब 225 करोड़ रु.) मिले थे। इधर, सीबीआई का केस चलता रहा। रक्षा मंत्रालय ने इस केस से जुड़ी भारतीय कंपनी डेफसिस प्राइवेट लिमिटेड पर पिछले साल जून में प्रतिबंध की अवधि बढ़ाई थी। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने रक्षा मंत्रालय के आदेश को निरस्त कर दिया।

टैक्स विवाद निपटाने की रफ्तार तेज, 2 लाख से ज्यादा अपील सुलझाने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

आयकर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2 लाख से अधिक सीआईटी (ए) मामलों का निपटान करने का लक्ष्य रखा है। 20 जनवरी तक 1.65 लाख मामले निपटाए जा चुके हैं, जबकि पिछले वर्ष 1.72 लाख मामलों का निपटान हुआ था। वर्तमान में लगभग 5.4 लाख अपील मामले लंबित हैं, जिनमें विवादित कर राशि 16.75 लाख करोड़ रुपये है। अब मूल्यांकन और जुर्माने की कार्रवाई एक ही आदेश में की जाएगी, जिससे अलग मुकदमेबाजी समाप्त होगी। यदि करदाता अंडर-रिपोर्टिंग स्वीकार करते हैं और भुगतान करते हैं, तो जुर्माने में 50 फीसदी की छूट और गलत रिपोर्टिंग पर जुर्माना 200 फीसदी से घटाकर 100 फीसदी किया जाएगा। विभाग ने अपडेटेड रिटर्न सुविधा शुरू की है, जिससे करदाता चार साल तक की विसंगतियों को स्वेच्छा से सुधार सकते हैं। अब तक 1.22 करोड़ अपडेटेड रिटर्न दाखिल किए गए हैं। इस सुविधा से कर अनुपालन और कर संग्रह में पारदर्शिता बढ़ी है। आईटी, आईटीई सेवाएं, सॉफ्टवेयर विकास और केपीओ क्षेत्रों के लिए 15.5 फीसदी एकीकृत सेफ हार्बर मार्जिन लागू किया गया है। 2,000 करोड़ रुपये की पात्रता सीमा के कारण अधिकांश कंपनियां इसका लाभ ले सकेंगी। 44,000 कंपनियों में से लगभग 30 फीसदी आईटी/आईटीई क्षेत्र से संबंधित हैं। केवल 90 कंपनियां बाहर हैं, जिनमें से 60 के पास एपीए है और शेष 30 भविष्य में एपीए ले सकती हैं।

बल्क ड्रग्स के लिए पीएलआई योजना का उत्पादन लक्ष्य बढ़ा

- वित्त वर्ष 27 में बल्क ड्रग्स के लिए 500 टन अतिरिक्त उत्पादन क्षमता जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 27 में फार्मास्युटिकल्स विभाग ने बल्क ड्रग्स, मेडिकल उपकरण और अन्य फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए पीएलआई योजना के तहत उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इस साल बजट आवंटन में 2.24 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए तीन योजनाओं के लिए कुल 2,499.84 करोड़ रुपए रखा गया है, जबकि वित्त वर्ष 26 में यह 2,444.93 करोड़ रुपए था। विभाग वित्त वर्ष 27 में बल्क ड्रग्स के लिए 500 टन अतिरिक्त उत्पादन क्षमता जोड़ने का लक्ष्य रख रहा है।

इससे इस साल कुल 1,250 करोड़ रुपए मूल्य के ड्रग्स का उत्पादन होने का अनुमान है। इस पहल का उद्देश्य जरूरी एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट (एपीआई) का घरेलू उत्पादन बढ़ाना और उन दवाओं पर निर्भरता कम करना है, जिनके कोई वैकल्पिक स्रोत नहीं हैं। सरकार ने हाल ही में चीनी उत्पादकों द्वारा दामों में कमी और डंपिंग को रोकने के लिए पेनिसिलिन-जी, एमोक्सिसिलिन और 6-एपीए जैसी एपीआई के लिए न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) तय किया है। बल्क ड्रग्स योजना के बाहर आने वाले फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए वित्त वर्ष 27 में 1.08 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन लक्ष्य रखा गया है, जो वित्त वर्ष 26 के 90,000 करोड़ रुपए के लक्ष्य से बढ़कर है। योजना के तहत बायोफार्मास्युटिकल्स, जटिल जेनेरिक दवाएं, पेटेंटेड और पेटेंट समाप्ति के करीब दवाएं, ऑटो-इम्यून दवाएं और कैंसर रोधी दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसका मकसद उच्च मूल्य वाली दवाओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना और भारत को फार्मास्युटिकल आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत करना है।

कैंसर और दुर्लभ बीमारी की दवाओं पर सीमा शुल्क हटाने से मरीजों को राहत

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने कैंसर की 17 महंगी दवाओं और सात दुर्लभ बीमारियों के इलाज पर 5-10 फीसदी आयात शुल्क तुरंत हटाने का निर्णय लिया है। इसका मकसद मरीजों के लिए इन उपचारों को सुलभ बनाना और लागत को कम करना है। इस कदम से वैश्विक और घरेलू दवा कंपनियों को भी फायदा होगा, जिनके पोर्टफोलियो में आयातित दवाएं शामिल हैं। इस छूट से नोवार्टिस, इलाई लिली, एस्ट्राजेनेका, रोश जैसी कंपनियां लाभान्वित होंगी। उदाहरण के लिए, नोवार्टिस का रिबोसिस्लिब और इलाई लिली का एबेमासिस्लिब ब्रेस्ट कैंसर में उपयोग होता है। एस्ट्राजेनेका का ट्रेमेलिमुमैब लिवर कैंसर और रोश की वेनेटोक्लाक्स क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया के इलाज में प्रयोग होती हैं। इसके अलावा, ऐबवी, ब्लूप्रिंट मेडिसिन्स, बेयर और ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब जैसी कंपनियों की आयातित इम्यूनोथेरेपी भी लाभ में रहेंगी। एल्नीलम फार्मास्युटिकल्स को प्राइमरी हाइपरोक्सालुरिया टाइप 1 के लिए लुमासिरेन पर छूट मिलेगी। इसके अलावा, हेरेडिटरी एंजियोएडेमा और प्राइमरी इम्यूनोडिफिशिएंसी डिसऑर्डर (पीआईडीडी) के इलाज में दवा आपूर्तिकर्ताओं को स्थिर मांग और बेहतर किफायत मिलेगी। मरीजों के लिए इसका सीधा फायदा यह होगा कि महंगी दवाओं की लागत में थोड़ी कमी आएगी। लंबे समय तक इस्तेमाल होने वाले ब्रेस्ट कैंसर की दवाओं जैसे रिबोसिस्लिब और एबेमासिस्लिब की कीमतें कम होने से इलाज जारी रखना आसान होगा। ट्रेमेलिमुमैब जैसी इम्यूनोथेरेपी भी अधिक सुलभ हो जाएगी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के ऐलान के बाद अडानी समूह के शेयरों में जबरदस्त उछाल

मुंबई। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के ऐलान के बाद शुरुआती कारोबार में अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त उछाल दिख रहा है। सबसे ज्यादा तेजी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के शेयर में रही, जो करीब 10 प्रतिशत के अपर सर्किट के पास ट्रेड करता है। शेयर बाजार में तेजी के माहौल के बीच अदाणी और अदाणी एनर्जी के शेयरों में भी 7 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की है। इसके अलावा, अदाणी पोर्ट्स, अदाणी पावर, अंबुजा सीमेंट्स और अदाणी टोटल के शेयर भी 4 प्रतिशत से ज्यादा चढे है। अदाणी ग्रुप की कंपनियों में निवेशकों का भरोसा भारत-अमेरिका ट्रेड डील की वजह से और मजबूत हुआ है। ब्रोकरेज फर्म ने अदाणी ग्रुप को डील से फायदा उठाने वाले बड़े समूहों में शामिल बताया है।

ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, अदाणी ग्रुप की कई कंपनियों का अमेरिका से सीधा कारोबार जुड़ा हुआ है, इसी वजह से उन्हें इस ट्रेड डील का बड़ा फायदा मिल सकता है। इसके साथ ही ऑटो पार्ट्स बनाने वाली कंपनियां, सोलर मैन्युफैक्चरर्स, केमिकल कंपनियां और टेक्सटाइल सेक्टर को भी समझौते से लाभ मिलने की उम्मीद है। अमेरिका ने मेड इन इंडिया उत्पादों पर लगने वाला टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जाहिर की है। इस भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना गया है।

इस बीच जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने अदाणी समूह की तीन कंपनियों-अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड (एपीएसईजेड), अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल)-की रेटिंग शुरू की है। इन तीनों कंपनियों को स्टेबल आउटलुक के साथ लंबी अवधि की विदेशी मुद्रा क्रेडिट रेटिंग दी गई है। जापान की रेटिंग एजेंसी ने अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) को ए- (स्टेबल) रेटिंग दी है।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.49 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपये में तेजी रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक अहम फैसले के बाद रुपया अचानक मजबूत स्थिति में आ गया। अमेरिका ने भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। इस फैसले की खबर सामने आते ही शेयर बाजार और फॉरेक्स मार्केट में सकारात्मक माहौल देखने को मिला। मंगलवार को इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.30 पर खुला, जबकि पिछले सत्र में यह 91.49 पर बंद हुआ था। यानी शुरुआती कारोबार में ही रुपये ने 119 पैसे की बड़ी छलांग लगा दी। फॉरेक्स ट्रेडर्स के मुताबिक, यह पिछले चार वर्षों में एक दिन की सबसे बड़ी मजबूती है। इससे पहले कोरोना काल के दौरान इस तरह की तेजी देखी गई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौता बाजार के लिए सबसे बड़ी राहत की खबर रही। राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब 9 महीने की देरी के बाद टैरिफ घटाने की घोषणा की, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी समर्थन मिला। 18 फीसदी टैरिफ भारत के लिए पड़ोसी देशों की तुलना में बेहतर स्थिति बनाता है, जिससे निर्यातकों को फायदा होगा।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और होंडा मोटरसाइकिल के बीच रणनीतिक साझेदारी

मुंबई/इंदौर। देश के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने टू-व्हीलर फाइनेंसिंग के लिए एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य तकनीक-आधारित समाधानों के जरिए ग्राहकों को किफायती और सुविधाजनक ऋण उपलब्ध कराना है। इस गठबंधन के तहत, एयू बैंक होंडा का पसंदीदा फाइनेंसर होगा। बैंक अपनी एसटीपी तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर ग्राहकों को पेपरलेस प्रक्रिया, त्वरित ऋण स्वीकृति और रीयल-टाइम स्टेटस ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं प्रदान करेगा। यह पहल विशेष रूप से पहली बार वाहन खरीदने वाले ग्राहकों के लिए एंड-टू-एंड डिजिटल सहायता सुनिश्चित करेगी। साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए एयू बैंक के डिप्टी सीईओ उत्तम टिबरेवाल ने कहा कि यह सहयोग मोबिलिटी फाइनेंस के विस्तार में एक मील का पत्थर साबित होगा। वहीं, होंडा के सेल्स एवं मार्केटिंग डायरेक्टर योगेश माथुर ने कहा कि इस कोलैबोरेशन से देशभर की डीलरशिप पर ग्राहकों को पारदर्शी और सुलभ क्रेडिट विकल्प मिलेंगे। यह गठजोड़ एयू बैंक के यूनिवर्सल बैंक में ट्रांजिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक सर्विसेज फंड, सर्विस सेक्टर की ग्रोथ पर फोकस

मुंबई/इंदौर।

भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य स्तंभ सर्विस सेक्टर में निवेश के अवसरों को भुनाने के लिए कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने 'कोटक सर्विसेज फंड' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो विशेष रूप से सेवा क्षेत्र की कंपनियों पर केंद्रित होगी। यह नया फंड ऑफर (एनएफओ) 4 फरवरी 2026 को खुलेगा और 18 फरवरी 2026 को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 1,000 रुपये के साथ इस स्कीम में भागीदारी कर सकते हैं। भारत की कुल अर्थव्यवस्था में लगभग 55त्न का योगदान देने वाला सर्विस सेक्टर निवेश के लिहाज से बेहद आकर्षक है। कोटक सर्विसेज फंड का उद्देश्य टेलीकॉम, हेल्थकेयर, फाइनेंशियल सर्विसेज और आईटी जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों की क्षमता का लाभ उठाना है। फंड प्रबंधन के लिए 'बीएएमवी' (बिजनेस, एडमिनिस्ट्रेशन, मैनेजमेंट और वैल्यू) फ्रेमवर्क का पालन किया जाएगा, जो उचित कीमत पर बेहतर ग्रोथ वाले स्टॉक्स चुनने में मदद करेगा। लॉन्च के अवसर पर कोटक महिंद्रा एएमसी के एमडी निलेश शाह ने कहा, बढ़ती आय और डिजिटलीकरण के कारण भारत की सर्विस इकोनॉमी में बड़ा बदलाव आ रहा है। यह फंड निवेशकों को इस बदलाव का हिस्सा बनने और लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगा। वहीं, फंड मैनेजर रोहित टंडन ने बताया कि पोर्टफोलियो में उन कंपनियों को प्राथमिकता दी जाएगी जो अपने मुनाफे को बरकरार रखने और बिजनेस मॉडल को स्केल करने में सक्षम हैं। यह फंड लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप की अच्छी क्वालिटी वाली कंपनियों का एक संतुलित मिश्रण होगा।

ट्रेड डील के बाद झूमा शेयर बाजार, सेंसेक्स 2,072 अंक ऊपर आया

निफ्टी 25,727 पर पहुंचा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के कारण आई है। इससे निवेशकों में उत्साह रहा और जमकर खरीददारी हुई। वहीं दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से भी घरेलू बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,072.67 अंक ऊपर आकर 83,739.13 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 639.15 अंक बढ़कर 25,727.55 पर बंद हुआ। आज रियल्टी और वित्तीय शेयरों के ऊपर आने से भी बाजार उछाल। मुख्य सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी 4.79 फीसदी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 3.27 फीसदी) की तेजी के साथ सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि निफ्टी हेल्थकेयर 3.16 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 3.03 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में 30 में से 28 शेयर लाभ के साथ ही उछले। इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, पावर ग्रिड, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, एसबीआई, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, ट्रेंट, के शेयर भी ऊपर आये। दूसरी ओर बीईएल और टेक महिंद्रा के शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। आज लार्जकैप के अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,639.50 अंक या 2.84 फीसदी की तेजी के साथ 59,307.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 465.60 अंक की तेजी के साथ 16,988.95 पर था।बाजार जानकारों के अनुसार भारत-अमेरिका ट्रेड डील से भी बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। इससे भारत को तेज विकास दर हासिल करने में सहायता मिलेगी। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से अटकी ट्रेड डील की आधिकारिक घोषणा होते ही निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ और बाजार में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली। सुबह । सेंसेक्स

शानदार बढ़त के साथ 85,323 अंक पर खुला। सुबह सेंसेक्स 2,492.06 अंक की उछाल के साथ 84,158.52 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 भी दमदार तेजी के साथ 26,308 अंक पर खुला। सुबह यह 760.70 अंक की बढ़त के साथ 25,849.10 अंक पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं वैश्विक स्तर पर एशियाई शेयर बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.51 फीसदी चढ़ा, हांगकांग का हैंग सेंग 0.78 फीसदी ऊपर रहा, जापान का निक्केई 3.09 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 5.3 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी बाजारों में वॉल स्ट्रीट के शेयर बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.54 फीसदी , नैस्डैक में 0.56 फीसदी और डाउ जोंस में 1.05 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल निर्यात को बढ़ावा

मोबाइल फोन और सेमीकंडक्टर सहित इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद शुल्क से मुक्त रहेंगे

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने एक व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत वाशिंगटन ने भारतीय सामानों पर जवाबी शुल्क 25 से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। यह कदम दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को मजबूत करेगा और भारत को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बनाए रखेगा। आईसीईए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस समझौते से भारत एक वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगा। मोबाइल फोन और सेमीकंडक्टर सहित इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद शुल्क से मुक्त रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत की अमेरिका की वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में गहरी भागीदारी की रणनीति का समर्थन करता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 19 फीसदी बढ़कर 11.3 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, निर्यात में 37.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 3.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा। इस वृद्धि से भारत की वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला में हिस्सेदारी मजबूत होगी और उद्योग में नई निवेश संभावनाएँ खुलेंगी।

होरीबा ने प्रिस्टीन डीपटेक का किया अधिग्रहण

अहमदाबाद । होरीबा ग्रुप की कंपनी होरीबा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने प्रिस्टीन डीपटेक प्राइवेट लिमिटेड के सौ प्रतिशत शेयरों का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। होरीबा लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमें भारत में अपनी आरएंडडी फैसिलिटी स्थापित करने के लिए प्रिस्टीन डीपटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी कर बेहद खुशी हो रही है। यह रणनीतिक साझेदारी एडवांस्ड मटेरियल्स और सेमीकंडक्टर्स के क्षेत्र में हमारी क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके जरिए हम इनोवेशन पर फोकस करेंगे और बाजार में अपनी आर एंड डी क्षमताओं को और सशक्त बनाएंगे। यह साझेदारी भारतीय बाजार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है और ऐसी सॉल्यूशंस देने पर केंद्रित है, जो तकनीकी प्रगति और समाज में सार्थक योगदान दे।

मस्क की कंपनी ने एआई स्टार्टअप एक्सएआई का अधिग्रहण किया

वाशिंगटन।

दुनिया के दिग्गज कारोबारी एलन मस्क ने घोषणा की है कि उनकी एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने उनके एआई स्टार्टअप एक्सएआई का अधिग्रहण किया है। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष में एआई कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाना है। कारोबारी मस्क के अनुसार, बड़े पैमाने पर सैटेलाइट लांच कर अंतरिक्ष में डेटा सेंटर जैसी संरचना बनाई जाएगी। हर साल 10 लाख टन सैटेलाइट लांच करने पर करीब 100 गीगावाट एआई कंप्यूटिंग क्षमता प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में यह क्षमता धरती से 1 टेरावॉट तक पहुंच सकती है। मस्क ने बताया कि एआई संचालन के लिए अत्यधिक बिजली की आवश्यकता होती है और लंबे समय में इसका सबसे प्रभावी समाधान स्पेस-बेस्ड एआई है। अंतरिक्ष में सूरज की लगातार रोशनी मिलने के कारण, धरती पर बनाए गए डेटा सेंटर की तुलना में बहुत कम लागत में कंप्यूटिंग पॉवर उपलब्ध हो सकती है। इससे कंपनियां अपने एआई मॉडल को तेज़ और बड़े स्तर पर ट्रेन कर पाएंगी और डेटा प्रोसेसिंग भी अधिक कुशल होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि धरती पर बढ़ती बिजली और कूलिंग की जरूरतों को पूरा करना चुनौतीपूर्ण है और इससे पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट 2026 में नई वी3 स्टारलिंक सैटेलाइट्स लांच करेगा, जो मौजूदा सैटेलाइट्स से 20 गुना अधिक क्षमता वाली होंगी। भविष्य में हर घंटे 200 टन वजन लेकर उड़ान भरने की योजना है, जिससे लाखों टन सामान अंतरिक्ष में

पहुंचाया जा सकेगा। इसके साथ ही, अगली पीढ़ी के डायरेक्ट-टू-मोबाइल सैटेलाइट्स लॉन्च होंगे, जो धरती के हर कोने में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराएंगे। मस्क का कहना है कि अंतरिक्ष में एआई और ऊर्जा का उपयोग हमारी सभ्यता की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने का सबसे स्थायी और प्रभावी तरीका है। इस योजना से एआई की तरक्की तेज होगी और ऊर्जा की खपत कम होगी।

विदेश से घर लौटते समय बढ़ी ड्यूटी-फ्री सीमा

मुंबई। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बैगेज रूल्स 2026 लागू कर दिए हैं, जो 2 फरवरी से प्रभावी हुए। नए नियमों के तहत भारतीय निवासी या वैध वीजा वाले विदेशी नागरिक अब 75,000 रुपये तक का सामान बिना ड्यूटी चुकाए ला सकते हैं, जबकि पहले यह सीमा 50,000 रुपये थी। विदेशी पर्यटकों के लिए यह सीमा 25,000 रुपये कर दी गई है। एक साल से अधिक विदेश में रहने वाले भारतीय यात्रियों के लिए गहनों की सीमा बढ़ा दी गई है। महिलाएं 40 ग्राम और पुरुष 20 ग्राम तक सोने के आभूषण बिना ड्यूटी ला सकते हैं, बशर्ते यह व्यक्तिगत उपयोग के लिए हो। 18 साल से ऊपर के यात्री एक नया लैपटॉप या नोटपैड पूरी तरह ड्यूटी-फ्री ला सकते हैं। सिगरेट, शराब की अतिरिक्त मात्रा, सोने-चांदी की छड़ें और टीवी जैसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक सामान इस छूट के बाहर हैं। विदेशी मुद्रा के नियम पहले की तरह ही लागू रहेंगे।

जगदीशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ए ने अभ्यास मैच में अमेरिका को हराया

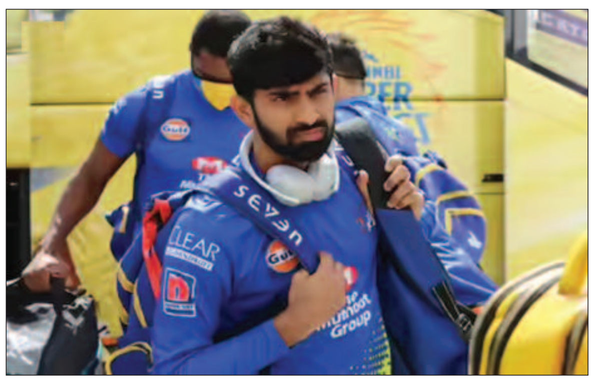

नवी मुम्बई (एजेंसी)। नारायण जगदीशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ए ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले ही अभ्यास मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 38 रनों हरा दिया। इस मैच से बल्लेबाज तिलक वर्मा ने भी टीम में अच्छी वापसी की है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए विकेटकीपर-बल्लेबाज जगदीशन ने केवल 55 मैचों में ही 104 रन बना दिये। अपनी इस पारी मे जगदीशन ने 11 चौके और 5 छक्के लगाये और अमेरिकी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। इस मैच में अमेरिकी कप्तान मोनांक पटेल ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत ए ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 238 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिकी टीम 19.4 ओवर में ही 200 रनों पर ही आउट हो गयी। उसकी ओर से इस मैच में अमेरिकी टीम की ओर से भारतीय मूल के बल्लेबाज संजय कृष्णमूर्ति ने 18 गेंदों में 41 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से कप्तान आयुष बदोनी ने नाबाद 60 रन 26 गेंद पर बनाए। तिलक वर्मा ने भी वापसी की और 38 रन बनाए। प्रियांश आर्या ने पारी की शुरुआत करते हुए तेजी से 13 गेंद पर 28 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इस मैच में वापसी करते हुए तिलक ने अच्छी बल्लेबाजी की। तिलक ने स्पिनरों हरमीत सिंह और नोस्तुश केनजीगे के खिलाफ दो जोरदार छक्के लगाये। तिलक ने इसके बाद गेंदबाजी करते हुए एक विकेट लिया और एक और कैच भी पकड़ा।

अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल में आज अफगानिस्तान पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

हरारे (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम का बुधवार को यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से मुकाबला होगा। अब तक इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीतने वाली भारतीय टीम इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम ने अब तक पांच बार 2000, 2008, 2012, 2018, 2022 में ये खिताब जीता है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में भी जीत दर्ज कर छठे खिताब की ओर कदम बढ़ाना चाहेगी।

भारतीय टीम ने इससे पहले के मुकाबल में पाकिस्तान को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम ने अब तक अपने सभी पांच मैच आसानी से जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में पाकिस्तान के खिलाफ मिली 58 रनों की जीत भी शामिल है। भारतीय टीम इसके बाद भी इस मैच को हल्के में नहीं लेगी। इसका कारा है कि अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उसने अपने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एक ही मैच में श्रीलंका ने हराया था। उसके खिलाड़ियों ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों वैभव सूर्यवंशी और विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने अब तक इस टूर्नामेंट में जमकर रन बनाये हैं। ये दोनो ही ये सिलसिल बनाये रखना चाहेंगे। कुंडू ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 196 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने पांच अर्धशतक लगाये हैं। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा ने अब तक ?(पांच मैचों में 172 रन बनाये हैं जिसमें ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया शतक 109 रन भी शामिल हैं।

कप्तान आयुष म्हात्रे और आरोन जॉर्ज को अत तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं और टीम को इनसे इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। आयुष ने पांच मैचों में केवल 99 रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज आरोन ने तीन पारियों में केवल 46 रन बनाये हैं।

आयुष ने हालांकि गेंदबाज़ी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में छह विकेट लिए हैं। टीम की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाज हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के पास रहेगहै। इसके अलावा स्पिन की जिम्मेदारी खिलन पटेल के पास रहेगी। पटेन ने पांच मैचों में आठ विकेट लिए हैं। दूसरी ओर महबूब खान की कप्तानी में अफगान टीम भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी।

टीम इस प्रकार है

भारत अंडर-19: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उधव मोहन, किशन सिंह।

अफगानिस्तान अंडर-19: महबूब खान (कप्तान), अजीजुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोजादा, खालिद अहमदजई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाजई, अब्दुल अजीज, अकील खान, खातिर स्टानिकजई, नाजीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी उमरजई, रूहुल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह जादरान, जैतुल्लाह शाहीन।

आईसीसी पाकिस्तान बोर्ड पर प्रतिबंध लगाये : गावस्कर

मुम्बई। भारतय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि जिस प्रकार पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप से ठीक पहले भारत के खिलाफ मैच खेलने से इंकार किया है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को उसके खिलाफ प्रतिबंध लगाना चाहिये। पाकिस्तान की सरकार का कहना है कि टीम टी20 विश्व कप खेलेगी पर भारत के खिलाफ मैच में नहीं उतरेगी। उसने पाक बोर्ड (पीसीबी) से इस मैच का बहिष्कार करनके को कहा है। पाक के इस फैसले की कड़ी आलोचना हो रही है यहां तक कि उसके खिलाड़ी भी इससे सहमत नहीं हैं। गावस्कर भी इससे बेहद नाराज हैं। उन्होंने आईसीसी से अपील की है कि भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने के लिए पीसीबी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये। भारत-पाक का मुकाबला 15 फरवरी को श्रीलंका के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। इसके लिए पाकिस्तान को हाइब्रिड मॉडल के तहत ही कोलंबो में खेलने का अवसर मिला पर अपनी अड़ियल रवैये और बांग्लादेश का साथ देने की जिद को लेकर पाक सरकार ने मैच खेलने से इंकार किया है। गावस्कर का मानना है कि आईसीसी को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिये। जिससे अन्य टीम के सामने मिसाल पेश की जा सके।

टी20 विशकवप में सलामी बल्लेबाज पर फैसला 7 फरवरी को होगा : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि टी20 विश्वकप में अभिषेक शर्मा के साथ भारतीय टीम की पारी की शुरुआत कौन करेगा। इसका फैसला सात फरवरी को अमेरिक के खिलाफ होने वाले पहले मैच में हो जाएगा। भारतीय टीम में इसके लिए संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे दावेदार है पर जिस प्रकार से सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में असफल रहे हैं। उससे तय है कि अभिषेक के साथ पारी शुरु करने की जिम्मेदारी ईशान को ही मिलेगी। सैमसन जहां सीरीज के पांच मैचों में केवल 46 रन बना पाये। वहीं ईशान ने एक शतक और अर्धशतक सहित करीब 250 रन बनाये थे। ऐसे में सैमसन का दावा काफी कमजोर हो गया है। वहीं सूर्यकुमार ने कहा कि पारी की शुरुआत कौन करेग। अभी इसपर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि ईशान और सैमसन दोनों ही अंतिम ग्यारह के दावेदार हैं। टीम प्रबंधन सभी पक्षों पर ध्यान देने के बाद अंतिम फैसला करेगा।

कप्तान ने का कि बल्लेबाज तिलक वर्मा भी फिट हो गये हैं और वह मध्यक्रम में अपनी जगह पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि तिलक अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। ऐसे में दल के सभी 15 खिलाड़ी अंतिम एकादश में जगह पाने के दावेदार हैं, जिससे चयन और भी कठिन हो गया है। सूर्यकुमार ने टीम अपनी आक्रमक रणनीति पर चलेगी। इसलिए शीर्ष क्रम को आक्रामक होकर ही खेलना होगा। उन्होंने संकेत दिए कि टीम को नंबर 7 या 8 तक एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज की जरूरत हो सकती है। साथ ही कहा कि गेंदबाजी की जिम्मेदारी, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल पर रहेगी।

वहीं हार्दिक पांड्या के अलावा शिवम दुबे और अभिषेक शर्मा को भी गेंदबाजी दी जा सकती हैं। ऐसे में टीम सात बल्लेबाज और ऑलराउंडर्स के साथ एक मजबूत संयोजन बनाएगी। कप्तान ने कहा कि घरेलू हालातों में खेलने पर दबाव आता है पर खेल में ये चलता रहता है। उनका प्रयास टीम की खिताब बरकरार रखने में सहायता करना रहेगा। उन्होंने कहा कि अभिषेक , ईशान अपनी स्वाभाविक शैली में खेलते हैं और उन्होंने सभी को उसी अनुसार खेलने को कहा है।

कमिंस टी20 विश्वकप से बाहर हुए, ड्वार्शियस शामिल

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। कमिंस ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण विश्वकप कप से नाम वापस ले लिया है। कमिंस ने कहा कि उनका लक्ष्य आगामी टेस्ट सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होना है ताकि वह सभी मैच खेल सकें। इसलिए उन्होंने तय किया कि विश्वकप से बाहर रहना ही ठीक है। कमिंस के बाहर होने के कारण उनकी जगह पर बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। कमिंस ने कहा, मैं पहले से काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं कुछ सप्ताह तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा।

उन्होंने कहा, एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था पर अभी किये एक स्कैन में चिकित्सकों ने पाया कि मुझे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, तब उसे बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद वह सितंबर में टेस्ट और एकदिवसीय के लिए टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। टीम इसके बाद न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी और फिर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगा। इसके बाद वह अगले साल मार्च में मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज, एकदिवसीय विश्व कप और जून में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल होगा। कमिंस ने कहा, हमने सोचा कि आगामी सत्र में क्रिकेट मैचों की संख्या को देखते हुए साल के पहले छह महीने में संयम बरतना काफी अच्छा रहेगा। चोट ठीक हो जाएगी और इसको लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। अगर मैं अभी इसको लेकर सतर्कता नहीं बरतता तो समस्या बढ़ सकती थी। कमिंस को उम्मीद है कि वह 26 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करने के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

वेस्टइंडीज को विश्वकप में बेहतर गेंदबाजी करनी होगी : कोच सैमी

जमैका। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी अपनी टीम के प्रदर्शन से निराश हैं। सैमी के अनुसार उनकी टीम को अगर टी20 विश्वकप जीतना है तो उसके गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सैमी के अनुसार उनकी टीम को हाल में दक्षिया अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज के अलावा अफगानिस्तान से भी हार का सामना करना पड़ा था। इससे साफ है कि खिलाड़ी फार्म में नहीं हैं और उन्हें काफी सुधार करने होंगे। उसके गेंदबाजों को विरोधी टीम के खिलाफ तीन मैचों में केवल 10 विकेट ही मिल पाये थे। पहले दो मैचों में ही टीम ने 401 से अधिक रन दे दिये थे। ऐसे में कोच का कहना है कि सब कुछ गेंदबाजों पर निर्भर करेगा। उनका प्रदर्शन से ही तय होगा कि टीम कहां तक पहुंचेगी। कोच कहा, उम्मीद है, हम ऐसा क्रिकेट खेल पाएंगे, जिससे हमें जीतने में सहायता मिले। जैसा कि मैंने पहले कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे पता है कि गेंदबाजी में बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। हम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में नई योजना के साथ उतरेंगे। सैमी साल 2012 और 2016 में वेस्टइंडीज की टीम ने विश्व कप जीता था, तो उस समय सैमी भी टीम में शामिल थे। उनका मानना है कि इस बार के विश्व कप के लिए बल्लेबाजी ईकाई अच्छी है पर गेंदबाजी में परेशानी हैं। सैमी ने कहा, मैं बल्लेबाजी के तरीके से खुश हूं। मैं चाहूंगा कि स्पिनर प्रभावी गेंदबाजी करें। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में हमार स्पिनर बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये थे।।

पाकिस्तान के स्पिनर तारिक के एक्शन को भारतीय अंपायर ने सही बताया

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में सवाल उठे हैं। तारिक के एक्शन को ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरोन ग्रीन ने गलत बताया है। वहीं भारतीय अंपायर अनिल चौधरी ने कहा है कि आईसीसी के नियमों के अनुसार तारिक का ऐक्शन ठीक है। उन्होंने कहा, अभी तारिक के ऐक्शन को लेकर एक वीडियो मेरे पास आया है, । इसमें उनका जो ऐक्शन है थोड़ा साइड वाला है और थोड़ा अलग है वह थोड़ा रुककर गेंद डालते हैं, क्योंकि वो सारी गेंद एक ही तरह से डालते हैं और उनका जो आर्म है, उसमें बेंडिंग और स्ट्रेटनिंग नहीं है जो आईसीसी नियमों के अनुसार ठीक है। ऐसे में मेरे हिसाब से उनका ऐक्शन सही है। इस स्पिनर ने गत तीन महीने में केवल 3 ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि वे तीन सीरीजों में 3 मैच ही खेल पाये हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लाहौर में दूसरे टी20 मैच में उन्होंने 2.4 ओवर गेंदबाजी की। जिसमें 16 रन दिए और 2 विकेट हासिल किए। 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के करियर में उन्होंने 8 विकेट लिए हैं। इस गेंदबाज का पाक टीम एक रहस्यमयी स्पिनर के तौर पर कभी-कभी ही उपयोग करती है।

रायडू को भारतीय टीम के टी20 विश्वकप जीतने की उम्मीद

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने भारतीय टी20 टीम की जमकर सराहना करते हुए कहा कि इस बार भी वह खिताब जीत सकती है। भारतीय टीम ने पिछल बार वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुए विश्वकप को जीता था। जिससे वह इस बार भी बरकरार रखना चाहेगी। रायडू के अुनसार जिस प्रकार से भारतीय टीम अच्छे फार्म में है। उससे वह अपना विश्वकप खिताब बरकरार रखने में सक्षम नजर आती है। भारतयी टीम ने जिस प्रकार से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की सीरीज में खेला है उससे रायडू बेहद प्रभावित हैं। भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज 4-1 से जीती है। रायडू ने कहा कि टीम का आत्मविश्वास, रुख और निडर क्रिकेट यह दिखाता है कि भारत आने वाले बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार है। रायडू ने कहा कि इस भारतीय टीम की सोच बाकी टीमों से अलग है। उनके अनुसार, खिलाड़ी बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं और यही निडरता उन्हें आक्रामक बनाती है। इसलिए भारतीय टीम के पास वह सब है जो विश्वकप जीतने के लिए चाहिये। ऐसे में अगर टीम सही दिशा में रहीं, तो 2026 में भी भारतीय टीम ट्रॉफी जीत सकती है। भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मैच 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) से खेलना है। इसके बाद टीम इंडिया नई दिल्ली में नामीबिया, कोलंबो में पाकिस्तान और अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच खेलेगी।

भारत-पाक मैच नहीं होने से दोनो ही बोर्ड को 200-200 करोड़ का नुकसान होने का अनुमान

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने सात फरवरी से शुरु होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला किया है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मुश्किलें भी बढ़ गयी हैं क्योंकि भारत-पाक मैच के रोमांच के कारण सबसे अधिक राजस्व इसी मैच से मिलता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस मैच से तकरीबन 500 मिलियन डॉलर (लगभग 4,500 करोड़ रुपये) की आय होने की संभावना थी। इसमें प्रसारण अधिकार, विज्ञापन, प्रायोजन राशि, टिकट बिक्री आदि से होने वाली आया शामिल है। दुनिया में किसी भी दूसरे क्रिकेट मैच से इतनी अधि कमाई नहीं होती है। ऐसे में इस मैच के नहीं होने पर में भारत और पाकिस्तान दोनों ही बोर्ड को करीब 200-200 करोड़ रुपये का नुकसान होने की संभावना है। सकता है.

इसमें टीवी और डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग से होने वाली आय भी शामिल है। गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान टी20 मैच के लिए विज्ञापन दरें विश्व क्रिकेट में सबसे ज्यादा होती हैं। ये 10 सेकंड के स्लॉट के लिए 25 से 40 लाख रुपये के बीच रहती हैं। इस मैच से केवल विज्ञापन से ही करीब 300 करोड़ रुपये की आय हो जाती है। वहीं अन्य विश्वकप मैचों की कीमत करीब 138 करोड़ रुपये होती है। इस प्रकार देखा जाये तो , भारत-पाकिस्तान मैच से होने वाली आय दोगुनी से अधिक है।

ऐसे में इस मैच के नहीं होने से प्रसारणकर्ताओं को विज्ञापन के अलावा अन्य स्रोतों से भी कम कमाई ड्रेगी क्योंकि विश्वकप कप देखने वाले प्रशंसकों की संख्या भी घटेगी। इससे टूर्नामेंट के अन्य मैचों की कमाई भी घटना तय है। इस प्रकार प्रसारकों को करीब 370 से 400 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है। ऐसे में आईसीसी के राजस्व में भी कमी आयेगी। इससे उसके सदस्य बोर्डों को मिलने वाली रकम भी कम हो जाएगी। ऐसे में भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे बड़े क्रिकेट बोर्ड पर भले ही अधिका प्रभाव न पड़े पर आईसीसी पर आधारित छोटे बोर्डों की मुश्कलें बढ़ जाएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार मैच रद्द होने की स्थिति में भारत और पाकिस्तान दोनों को करीब 200-200 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। बीसीसीआई इससे झेल लेगा पर पाक बोर्ड का दिवाला निकलना तय नजर आता है।

पीसीबी को आईसीसी की कुल कमाई का करीब 5.75फीसदी हिस्सा मिलता है, जो सालाना लगभग 34.5 मिलियन डॉलर होता। अब पीसीबी के स्वयं हटने से उसे बीमा सुरक्षा नहीं मिली है जिससे पीसीबी पर कानूनी कार्रवाई होने के साथ ही जुर्माना भी लगाया जा सकता है। आईसीसी प्रसारणकर्ताओं के नुकसान की भरपाई के लिए पीसीसी को दी जाने वाली राशि में बड़ कटौती कर सकती है।

आईसीसी क्रिकेट की भलाई के लिए निष्पक्ष रहते हुए फैसला ले : अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार भारत-पाकिस्तान मुकाबला नहीं होने पर नाराजगी जतायी है। अफरीदी ने साथ ही कहा कि अब आईसीसी को इस मामले में निष्पक्ष रहते हुए कोई फैसला लेना चाहिये। अफरीदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जब राजनीति संवाद के दरवाजे बंद कर देती है तो क्रिकेट दरवाजे खोल सकता है। यह दुखद है कि इस बार पाक टीम विश्वकप में भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी। साथ ही कहा कि वह अपनी सरकार के भारत के खिलाफ मैच से बाहर रहने के फैसले का समर्थन करते हैं। दोनो ही टीमों के बीच ये मैच 15 फरवीर को कोलंबो में होना था। अफरीदी के अलावा मोहम्मद यूसुफ और राशिद लतीफ, मोइन खान और सरफराज अहमद जैसे पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने भी सरकार के भारतीय टीम का बहिष्कार करने के फैसले का समर्थन किया है। लतीफ ने कहा, आईसीसी ने जिस तरह बांग्लादेश के साथ व्यवहार किया या हाल के वर्षों में जिस तरह वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सामने झुकी है, ऐसे में किसी न किसी को कठोर रूख अपनाने की जरुरत थी।। मोइन ने कहा, अब आईसीसी को देखना होगा कि वह विश्व क्रिकेट के व्यापक हित में किस तरह से आगे बढ़ना चाहता है। सरफराज ने कहा कि वह पाक टीम को भारत के खिलाफ खेलने की अनुमति न मिलने के कारणों को समझ सकते हैं। वहीं पाक टीम के कप्तान सलमान अली ने कहा कि उनकी टीम विश्वकप में हार मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से श्रीलंका जाएगी। उन्होंने कहा, हमारे तीन अन्य ग्रुप मैच हैं और हम सभी जीतकर अगले दौर के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगे। पाकिस्तान टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

भारतीय निशानेबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि! अगले साल भारत में होगी एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग चैंपियनशिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजी प्रेमियों के लिए एक उत्साहजनक खबर है। भारत अगले साल एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह टूर्नामेंट न केवल एशियाई देशों के शीर्ष निशानेबाजों को एक मंच प्रदान करेगा, बल्कि इसमें खिलाड़ियों के पास सीधे ओलंपिक कोटा हासिल करने का सुनहरा अवसर भी होगा। भारत को यह मेजबानी मिलना देश की विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन का प्रमाण है।

यह भारतीय निशानेबाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी क्योंकि वह पहले ही एक अन्य ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी हासिल कर चुका है। एशियाई प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए आठ स्थान अगले वर्ष 21 से 30 अप्रैल तक दिल्ली में होने वाले विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में उपलब्ध 12 कोटा स्थानों के अतिरिक्त होंगे। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की।

एनआरएआई ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली में होगा और इसकी तिथियों को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ (एएससी) ने पत्र में कहा, ''हम भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी हासिल करने पर बधाई देते हैं, जहां लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान वितरित किए जाएंगे।'' पीटीआई के पास मौजूद पत्र में कहा गया है, ''हमें पूरा विश्वास है कि आपके (एनआरएआई) नेतृत्व में चैंपियनशिप का आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप होगा और यह एक सफल प्रतियोगिता साबित होगी।''

देव को उम्मीद है कि इन प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय निशानेबाज ओलंपिक में अपना स्थान सुरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे खिलाड़ियों को दो ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका मिलेगा जो उन्हें अपनी धरती पर खेलने हैं और जिनमें वे अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल कर सकते हैं। मैं एएससी के महासचिव इंजीनियर अल ओतैबी और उनकी टीम का विश्वस्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की भारत की क्षमता पर विश्वास बनाए रखने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।''

एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने पीटीआई से कहा, ''यह ऐतिहासिक अवसर होगा जबकि भारत दो ओलंपिक कोटा प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा और हमें इस पर बहुत गर्व है। हम नयी दिल्ली में करणी सिंह रेंज में आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन (21-30 अप्रैल) और राइफल एवं पिस्टल में एशियाई चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''एशियाई चैंपियनशिप की तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी, लेकिन हमें बहुत खुशी है कि अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने प्रमुख प्रतियोगिताओं की सफल मेजबानी करने की हमारी क्षमताओं पर भरोसा दिखाया है। इससे निशानेबाजी में भारत के बढ़ते प्रभाव और आईएसएसएफ का हम पर भरोसे का पता चलता है।''

सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत इन दोनों प्रतियोगिताओं का पूरा फायदा उठाकर अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल करेगा। आईएसएसएफ ने पेरिस ओलंपिक खेलों के चक्र के दौरान विश्व कप में ओलंपिक क्वालीफिकेशन कोटा नहीं देने का फैसला किया था, लेकिन लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के चक्र के लिए कोटा स्थान देने का फैसला किया है।

सिंह ने कहा, ''उम्मीद है कि भारतीय निशानेबाज इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे। हमारा लक्ष्य देश के लिए आवंटित सभी 24 स्थानों का कोटा हासिल करना है जो पेरिस ओलंपिक के लिए हासिल किए गए 22 कोटा स्थान से अधिक है।'' दिल्ली में बुधवार से इस वर्ष की एशियाई चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) का आयोजन किया जाएगा। इसमें जूनियर और सीनियर वर्ग में 20 देशों के 300 से अधिक निशानेबाज भाग लेंगे।

करियर चयन में मददगार है साइकोमीट्रिक असेसमेंट

करियर को लेकर छात्रों के बीच काफी असमंजस की स्थिति रहती है। इस स्थिति की सबसे बड़ी वजह है-करियर की सही राह को चुनने की चुनौती। इस समय करियर के लिए पारंपरिक विषयों के अलावा सैकड़ों की तादाद में विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन जानकारी के अभाव या अपनी रुचि को न पहचान पाने के कारण बड़ी संख्या में छात्र मनमाफिक करियर नहीं चुन पाते

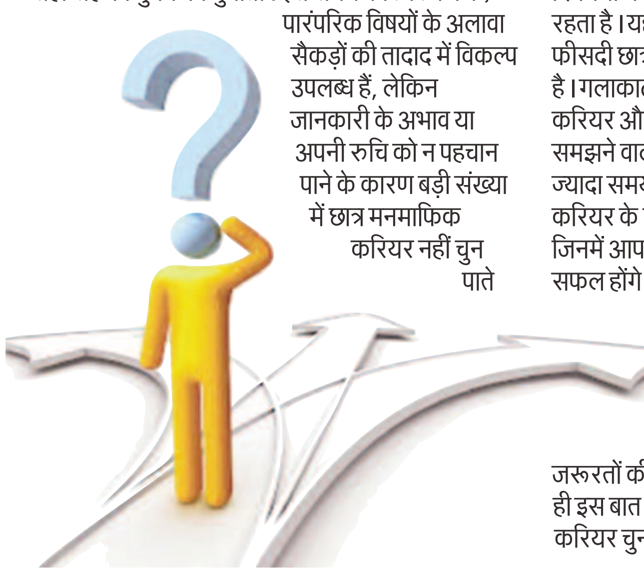

हैं। छात्र ही नहीं, अभिभावक भी बच्चों के लिए सही करियर तलाशने की प्रक्रिया में काफी तनावग्रस्त हो जाते हैं। उनकी दिनचर्या में यह तनाव बच्चे का दाखिला हो जाने तक कायम रहता है। यह एक सामान्य-सी स्थिति है और करीब 90 फीसदी छात्र और अभिभावकों को इस दौर से गुजरना पड़ता है। गलाकाट प्रतिस्पर्धा के इस युग में हर दिन कुछ अलग करियर और पेशेवर संभावनाएं जन्म ले रही हैं। ऐसे में यह समझने वाली बात है कि किसी करियर विकल्प की चमक ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रहती। इसलिए यदि आप करियर के लिए उन पाठ्यक्रमों और विषयों को चुनते हैं, जिनमें आप अच्छे हैं, तो आप हमेशा ही अपने कार्यक्षेत्र में सफल होंगे।

कैसे चुनें करियर

प्रत्येक करियर के लिए एक खास रुझान, रुचि और कुछ व्यक्तिगत गुणों की जरूरत होती है। वैज्ञानिक ढंग से इन जरूरतों की अपनी अभिरुचियों और हुनर से तुलना करके ही इस बात के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है कि हम सही करियर चुनने की दिशा में बढ़ रहे हैं या नहीं। विषयों में आपकी मजबूती, क्षमता, रुचि और आकांक्षा आपको करियर के असीमित विकल्पों में से अपने लिए श्रेष्ठ को चुनने में मदद करती है। भावी जीवन में आपकी सफलता के लिए करियर प्लानिंग की यह प्रक्रिया काफी आवश्यक है। करियर के चयन में यह बेहद मददगार विधि है, जिसे जब करियर के चुनाव के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाता है, तो काफी हद तक ठोस और सटीक परिणाम मिलते हैं। इस विधि से परखे जा रहे छात्र का गहराई से मूल्यांकन हो पाता है। इससे संबंधित छात्र की रुचियों, बुद्धिमत्ता और व्यक्तित्व के बारे में अनुमान लगाना संभव होता है। साइकोमीट्रिक असेसमेंट से छात्र की काबिलियत और क्षमताओं की स्पष्ट तस्वीर सामने आ जाती है, जो उपयुक्त करियर के चयन में अहम होती है। छात्रों के नजरिए से इस विधि को देखें, तो यह उनके सामने उनकी इच्छाओं और हुनर की बानगी पेश करती है। इस असेसमेंट से अभिभावक अपने बच्चों के और छात्र स्वयं के हुनर की तुलना अपनी मनपसंद नौकरी/ पेशे के लिए जरूरी गुणों से कर सकते हैं। चूंकि नौकरी पाने के लिए एक पाठ्यक्रम विशेष की पढ़ाई करनी होती है और इसके लिए भी कुछ खास हुनर का होना जरूरी होता है।

लोकप्रियता के मामले में साइंस के बाद दूसरे स्थान पर है कॉमर्स

लोकप्रियता के मामले में यह छात्रों और अभिभावकों के बीच साइंस स्ट्रीम के बाद दूसरे स्थान पर है। अंडर ग्रेजुएट स्तर पर कॉमर्स एक प्रमुख विषय है। इसका संबंध मूल रूप से व्यापार की समझ, बाजार के उतार-चढ़ाव, अर्थव्यवस्था की जानकारी, मौद्रिक और औद्योगिक नीतियों आदि से है। विषय के स्तर पर कॉमर्स अकाउंटेंसी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, मार्केटिंग और ई-कॉमर्स सहित कई अन्य विषयों का मिलाजुला विस्तृत क्षेत्र है। इसलिए इसमें पढ़ाईऔर रोजगार के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हैं। हर विषय की तरह कॉमर्स और उससे संबंधित विषयों की पढ़ाई के लिए भी कुछ अभिरुचियों का होना जरूरी होता है। यहां कुछ प्रश्न दिए गए हैं, जिनका उत्तर देकर आप यह जान सकते हैं कि आपकी अभिरुचि कॉमर्स के लिए उपयुक्त है या नहीं।

इन प्रश्नों से जांचें अभिरुचि

- क्या आपके पास गणना की अच्छी क्षमता है?
- क्या आपमें विश्लेषणात्मक कौशल है?
- क्या आपके पास व्यापार का व्यावहारिक बोध है?
- क्या आप त्रुटिरहित और सटीक काम को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं?
- क्या आप कार्यालय के माहौल का आनंद उठाते हैं?
- क्या आपमें गणनाएं करने के साथ आंकड़ों को समझाने का हुनर है?
- क्या आप बजट, व्यापार की खबरों और आर्थिक समीक्षाओं को पढ़ते हैं?
- क्या आप में प्रशासकीय और संगठन के रूप में काम करने की कुशलता है?

पूछे गए इन प्रश्नों में से अगर अधिकांश का जवाब आपके पास 'हां' है, तो समझिए आपके भीतर वह अभिरुचि है, जो कॉमर्स के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए जरूरी है।

कॉमर्स में उपलब्ध विषयों के विकल्प

बिजनेस इकोनॉमिक्स – इस विषय में लॉ ऑफ डिमांड एंड सप्लाई, लॉ ऑफ रिटर्न्सर, इलास्टिसिटी, थ्योरी ऑफ प्राइसिंग अंडर डिफरेंट मार्केट फॉर्म्स आदि से संबंधित कॉन्सेप्ट के बारे में पढ़ाया जाता है।

कॉस्ट अकाउंटिंग – इस विषय में जॉब एंड कॉन्ट्रैक्ट कॉस्टिंग, ओवरहेड्स कॉस्टिंग, स्टैंडर्ड एंड वेरिएंस कॉस्टिंग और बजटरी कंट्रोल से जुड़ी प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है।

ऑडिटिंग – इस विषय में वैल्यूएशन, वाउचिंग ऑफ ट्रांजेक्शन, एसेट्स एंड लाइबिलिटी आदि से जुड़े मामलों के बारे में बताया जाता है। इसमें क्लब, हॉस्पिटल और चैरिटेबल संस्थानों जैसे संगठनों की ऑडिटिंग के बारे में भी सिखाया जाता है।

फाइनेंशियल अकाउंटिंग– यह विषय मुख्य रूप से प्रॉफिट एंड लॉस स्टेटमेंट, बैलेंस शीट, कंपनी अकाउंट, कैलकुलेशन ऑफ डेप्रिशिएशन एंड वैल्यूएशन ऑफ शेयर, गुडविल ऑफ कंपनी और नॉलेज ऑफ अकाउंटिंग स्टैंडर्ड (इंडिया/ इंटरनेशनल) आदि के बारे में जानकारी देता है।

बिजनेस फाइनेंस – इस विषय में फाइनेंशियल एनालिसिस और मैनेजमेंट ऑफ कैपिटल आदि व्यापारिक दुनिया की बुनियादी बातें समझायी जाती हैं। इसके अलावा लाभ के लिए पूंजी के बेहतर उपयोग की विधियों को समझने में भी यह विषय मदद करता है।

इनकम टैक्स – इस विषय के तहत इनकम टैक्स, टैक्स प्लानिंग, टैक्स डिडक्शन और नॉट टैक्सेबल इनकम आदि के बारे में नियमों व कर संबंधी कानूनों की जानकारी दी जाती है।

बिजनेस लॉ – व्यापार से संबंधित देश के अमूमन सभी कानून इस विषय के अध्ययन क्षेत्र में आते हैं। कंपनीज एक्ट और कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट आदि कानूनों को प्रमुख रूप से इस विषय में पढ़ाया जाता है।

मार्केटिंग – यह विषय प्रोडक्ट, प्राइसिंग मेथड, प्रोमोशन, डिस्ट्रिब्यूशन चैनल और लॉजिस्टिक्स आदि के बारे में बताता है।

बिजनेस कम्यूनिकेशन – यह विषय मुख्य रूप से व्यापार संबंधी संवाद कौशल को निखारने पर केंद्रित है। इस विषय के जरिए छात्रों को व्यापारिक कार्यों के लिए उपयोग में आने वाले बिजनेस लेटर, नोटिस और मेमो आदि को तैयार करने की कला सिखाई जाती है। मौखिक संवाद के बारे में भी यह विषय प्रशिक्षित करता है।

रोजगार के लिए जरूरी कौशल

- आंकड़ों की गणना और उनके विश्लेषण में रुचि हो।
- संवाद का बेहतर कौशल हो।
- टीम के साथ काम करने और उसका नेतृत्व करने की क्षमता हो।
- संगठन संबंधी और प्रशासनिक क्षमताएं हों।
- तार्किक दृष्टि से चीजों को परखने का हुनर हो।
- सटीक और त्रुटिरहित काम करने में निपुणता हो।
- लंबी अवधि तक लगातार काम करने की क्षमता हो।
- अपने कार्य क्षेत्र से जुड़ी नई चीजों और नवीनतम तकनीकों को सीखने की जिज्ञासा हो।
- रचनात्मकता के साथ उच्च स्तर की बौद्धिक क्षमता हो।

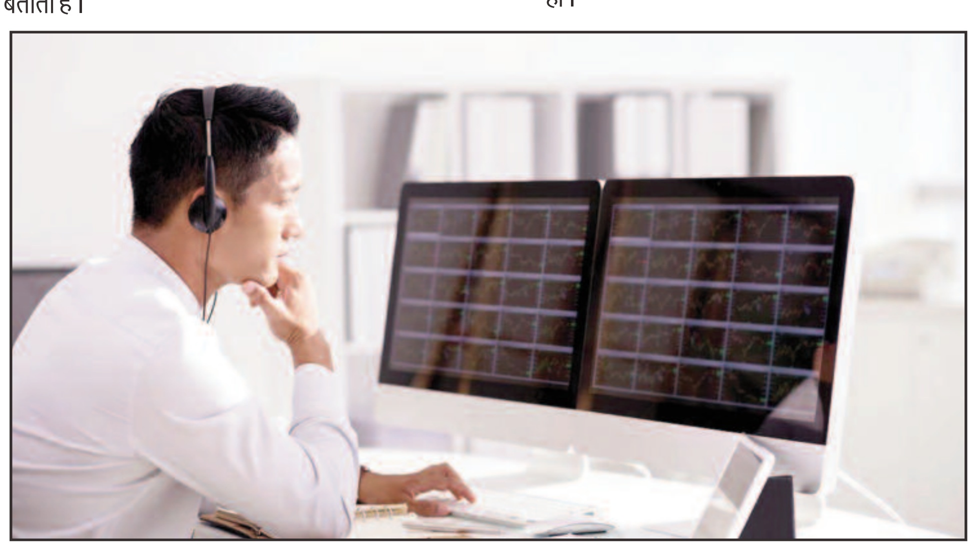

ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम में बना सकते हैं करियर

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और कॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम को हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी प्राथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं रखते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम से जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी विस्तृत हो गया है। इस लेख के माध्यम से छात्रों को ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम और उसमें निहित अवसरों को जानने-समझने में मदद मिलेगी। ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता था, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है या शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। लेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक हो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे पद, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा सकती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने के साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी हैं। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित विकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय गतिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख लीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों को सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यो आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एंसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कुई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है। ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई (ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन) नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है। सरकारी सेवाओं में जाने की इच्छा रखने वाले छात्र ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम के साथ अपने सपने का साकार कर सकते हैं। वह कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों की प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा यूपीएससी की सिविल सर्विस परीक्षा में भी अपनी चुनौती पेश कर सकते हैं। चूंकि बैचलर डिग्री स्तर पर आर्ट्स के पाठ्यक्रमों में हिस्ट्री, जियोग्राफी और सिविक्स (नागरिक शास्त्र) आदि विषय पढ़ाए जाते हैं, जो तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक होते हैं।

ह्यूमेनिटीज के लिए जरूरी गुण

- किसी मुद्दे को समझने और उसका मूल्यांकन करने की क्षमता
- मानसिक और कामकाजी स्तर पर रचनात्मकता हो
- काम को व्यवस्थित करने और उन्हें तय समयसीमा में निपटाने का हुनर
- लिखित सामग्री को पढ़ने और उससे खास बिंदुओं को चुनने का कौशल हो
- बड़ी मात्रा में सूचनाओं और तथ्यों को समझने और ग्रहण करने की क्षमता
- अलग-अलग शैलियों में अच्छा लिखने का हुनर हो
- अपनी बात को प्रभावी शब्दों में स्पष्ट रूप से रखने में दक्षता हो
- शोध करने और तथ्यों के स्रोतों का मूल्यांकन करने की क्षमता हो
- चर्चाओं में भाग लेने और उनका नेतृत्व करने में रुचि हो
- निजी प्रेरणा से काम करने का जज्बा हो
- विचारों और सुझावों को व्यावहारिक रूप देने की कला हो
- निष्पक्षता और खुद में पूरा विश्वास हो
- अपनी बातों पर विचार-विमर्श को तैयार रहने का लचीलापन हो
- सांख्यिकीय आंकड़ों पर आधारित शोध में निष्कर्ष निकालने की क्षमता हो

इन क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं

- राइटिंग
- प्रोग्राम प्लानिंग
- टीचिंग
- रिसर्च
- इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन
- सोशल वर्क
- मैनेजमेंट
- इंफॉर्मेशन
- जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी
- एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर
- जियोग्राफी
- एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन
- लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स
- फिलॉस्फी
- रिसर्च असिस्टेंस
- साइकोलॉजी

मेधा राणा ने बताया कैसा रहा बॉर्डर-2 की शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर-2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। बॉर्डर-2 जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने आईएएनएस से कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे-धीरे यकीन कर पा रही हूं।

फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढ़ियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं।

बॉर्डर-2 में बॉर्डर से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं।

फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

कोहरा 2 में अपने किरदार को लेकर बोले बरुन सोबती

दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली वेब सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। पहली सीरीज की कहानी, रहस्य और रहस्यमयी वातावरण दर्शकों को इतना पसंद आया कि इसके दूसरे सीजन का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था।

इस बार की कहानी में रहस्य और मामले पहले से भी ज्यादा जटिल होंगे। इस बार भी अभिनेता बरुन सोबती अपने पहले वाले किरदार अमरपाल गारुडी के रूप में नजर आएंगे। सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बरुन ने कहा, इस सीजन में गारुडी पहले से ज्यादा सतर्क है। वह हर कदम पर सोच-विचार करता है और अपने फैसलों और विकल्पों का लगातार मूल्यांकन करता है। गारुडी इस बार नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहता है, लेकिन कोहरा की दुनिया में बीते समय और पुराने अनुभव उसे पीछे नहीं छोड़ते। रहस्य इस बार और गहरा है और केस की जटिलता उसकी मानसिक स्थिति और फैसलों में भी दिखती है। बरुन ने कहा, इस सीजन ने मुझे अभिनेता के रूप में नई चुनौतियां दी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी में गहराई से जुड़ेंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गारुडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है।

इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गारुडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है। यह सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

प्रभास ने की राशा थडानी की तारीफ

अभिनेत्री राशा थडानी ने फिल्म लईकी लईका के गाने छाप तिलक से गायन की शुरुआत की है। फिल्म द राजा साब के स्टार प्रभास ने राशा के गायन प्रतिभा की खूब सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी है।

प्रभास ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में राशा थडानी का गाना छाप तिलक शेयर किया और लिखा, वाह, शानदार शुरुआत राशा थडानी। तुम्हारा प्रदर्शन सच्चा, भावपूर्ण और दिल से निकला हुआ है। बधाई हो। राशा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रभास का आभार जताते हुए लिखा, प्रभास सर, मैं हमेशा आभारी रहूंगी।

फिल्म लईकी लईका एक आने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें राशा मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ अभय वर्मा हैं। फिल्म की पहली झलक में स्ट्रीट स्टाइल और आधुनिक ग्रैफिटी का मिश्रण दिखता है। पहले पोस्टर में अभय और राशा एक संकरी, धुंधली गली में एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए। अभय ने गहरे रंग की टेक्सचर्ड जैकेट पहनी है, जो फटी हुई है। राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है, जिस पर खून के छींटे लगे हुए हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का लेखन और निर्देशन सौरभ गुप्ता ने किया है। सह-निर्माता भावना दत्ता तलवार और राघव गुप्ता हैं। राशा और अभय की फिल्म लईकी लईका 2026 की गर्मियों में रिलीज हो सकती है।

ऋषभ शेट्टी ने कांतारा चैप्टर 1 के निर्देशन को लेकर लिखी खास बात

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चैप्टर 1 पिछले साल 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

वहीं ऋषभ ने कांतारा चैप्टर 1 की कई बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही एक खास नोट भी लिखा है। ऋषभ शेट्टी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर कांतारा चैप्टर 1 की सेट से कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन सभी तस्वीरों में वह आस-पास के लोगों को सीन समझाते नजर आ रहे हैं।

इस पोस्ट के साथ ऋषभ ने कैप्शन में लिखा, अपने किरदारों को जीवंत बनाना निर्देशन का सबसे अच्छा हिस्सा है। इसके साथ ही ऋषभ ने आगे लिखा, एक नया कर्ज लेना ठीक है। फैंस ने कमेंट कर लिखा है कि ऋषभ को ऑस्कर मिलना चाहिए। वहीं कई फैंस ने उनकी अगली फिल्म की रिलीज को लेकर सवाल किए हैं।

पारुल गुलाटी ने फिल्म 'तू या मैं' में अपनी भूमिका को लेकर की बात

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तू या मैं' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। अब फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री पारुल गुलाटी ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात की।

तू या मैं में पारुल गुलाटी शनाया कपूर की करीबी दोस्त और मैनेजर लैरा का किरदार निभा रही हैं। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा कि मैं सचमुच बहुत खुश हूं और ईमानदारी से कहूं तो अभी भी इस किरदार को पूरी तरह से समझने की कोशिश कर रही हूं। लैरा शनाया की दोस्त और मैनेजर है, जो मजबूती से उसका साथ देती है। उससे सवाल करती है, उसका समर्थन करती है और बहुत ही वास्तविक है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि वह सिर्फ एक सहायक किरदार नहीं है। वह कहानी में एक महत्वपूर्ण भावनात्मक कड़ी है और इतने यादगार संवाद का हिस्सा बनना पहले से ही अविश्वसनीय लग रहा है।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि एक अभिनेत्री और एक निर्माता के तौर पर यह मेरे लिए अब तक का सबसे बेहतरीन कोलैबरेशन है। आनंद एल राय की दुनिया इतनी नाटकीय, बहुआयामी और भावनात्मक रूप से समृद्ध है, यह उस तरह का सिनेमा है जिसकी मैं हमेशा से प्रशंसक रही हूं और जिसका हिस्सा बनना चाहती थी। मुझे यकीन नहीं हो रहा क्योंकि यह एक बड़े पर्दे की भव्य और दिल को छू लेने वाली फिल्म का हिस्सा बनने का एक दुर्लभ, जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर जैसा लगता है। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित तू या मैं का निर्माण आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने मिलकर किया है। फिल्म में आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 13 फरवरी को वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी।

मर्दानी से थप्पड़ तक - बदली हीरोइन की परिभाषा बॉलीवुड ने महिलाओं की आवाज को बनाया ताकत

भारत में बेटियों के प्रति सामाजिक सोच बदलने और उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को गुरुवार को 11 साल पूरे हो गए हैं। बॉलीवुड ने महिला केंद्रित कहानियों के जरिए समाज को प्रेरित करने का काम किया। 2014 के बाद रिलीज हुई कई फिल्मों ने यह संदेश दिया कि महिलाएं न सिर्फ अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, बल्कि अपने निर्णयों से समाज में बदलाव भी ला सकती हैं।

मर्दानी – रानी मुखर्जी की मर्दानी फ्रैंचाइजी लोगों की पसंदीदा है। अब इस फ्रैंचाइजी का तीसरा पार्ट जल्द ही आने वाला है। इसमें रानी ने शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया। 2014 में रिलीज हुई फिल्म मर्दानी में शिवानी एक निडर पुलिस अधिकारी हैं, जो महिला उत्पीड़न और अपराध के खिलाफ लड़ती हैं। गोपी पुथरान के निर्देशन में बनी यह क्राइम थ्रिलर फिल्म पुरुष प्रधान मानसिकता के खिलाफ लड़ती है। रानी मुखर्जी ने अपने किरदार में भाव, चाल और फेमिनिस्ट रवैये के साथ पूरी फिल्म का भार अपने कंधों पर उठाया, जबकि विशाल जेठवा ने विलन के रूप में सस्पेंस और डर का असर बढ़ाया।

थप्पड़ – अनुभव सिन्हा की फिल्म थप्पड़ ने घरेलू हिंसा और पारिवारिक दबाव की उन कहानियों को पर्दे पर उतारा, जिनमें अक्सर महिलाएं अपने हक के लिए खड़ी नहीं हो पातीं। 2020 में रिलीज हुई फिल्म में तापसी पन्नू ने अमृता के किरदार में एक सामान्य गृहिणी के रूप में दिखाया कि कैसे एक छोटे से थप्पड़ ने उसकी जिंदगी बदल दी और उसने अपने हक के लिए आवाज उठाई। फिल्म में कई औरतों के जीवन की कहानियों को दिखाया गया, जिसके जरिए समझाया गया कि हर महिला अपने अधिकार के प्रति संवेदनशील होती है।

हिचकी – 2018 में रिलीज हुई फिल्म हिचकी में रानी मुखर्जी ने एक अलग ही भूमिका निभाई। फिल्म में वह टीचर नैना माथुर के किरदार में टॉरेट सिंड्रोम जैसी चुनौती का सामना करती हैं। 18 स्कूलों से रिजेक्ट होने के बावजूद नैना अपने सपनों को पूरा करने और बच्चों को पढ़ाने के अपने जुनून में लगी रहती हैं। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह कॉमेडी ड्रामा समाज में उन बीमारियों और मानसिक चुनौतियों के प्रति जागरूकता फैलाती है, जिन्हें अक्सर हल्के में लिया जाता है। रानी का किरदार बताता है कि आत्मविश्वास और धैर्य से हर महिला अपने सपनों को सच कर सकती है।

डियर जिंदगी – 2016 में रिलीज हुई फिल्म में आलिया भट्ट और शाहरुख खान ने ऐसी कहानी प्रस्तुत की, जो मानसिक स्वास्थ्य और खुद को समझने के महत्व पर आधारित है। आलिया का किरदार कायरा अपनी जिंदगी की उलझनों और डर से जूझती है और मनोचिकित्सक शाहरुख खान उसे खुद को समझने और खुश रहने का तरीका सिखाते हैं। गौरी शिंदे के निर्देशन में बनी यह फिल्म महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के संदेश को बखूबी पेश करती है।

राजी – फिल्म राजी में आलिया भट्ट ने सहमत का किरदार निभाया, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय देश की खातिर पाकिस्तान में जासूस बन जाती है। 2018 में रिलीज हुई फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया। यह थ्रिलर न केवल देशभक्ति की कहानी बताती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि महिलाएं अपने साहस और बुद्धिमानी से किसी भी मुश्किल परिस्थिति में सफल हो सकती हैं।

द केरल स्टोरी– निर्देशक सुदीप्तो सेन की फिल्म द केरल स्टोरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी फातिमा उर्फ शालिनी (अदा शर्मा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी सहेलियों गीतांजलि (सिद्धि इदनानी), निमाह (योगिता बिहानी) और आसिफा (सोनिया बलानी) के साथ नर्सिंग स्कूल में एडमिशन लेती है, लेकिन इस दौरान वे कट्टरपंथी संगठनों के जाल में फंस जाती हैं। अदा शर्मा का किरदार डर, पीड़ा और बेचैनी के बावजूद अपनी पहचान और स्वतंत्रता की लड़ाई को मजबूती से दिखाता है।

पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत ने व्यापारिक समझौतों की झड़ी लगा दी: रिजिजू

– ट्रेड डील के बाद एनडीए संसदीय बैठक में पीएम मोदी का तालियों से स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर हुई चर्चा के बाद अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगने वाले टैरिफ को 25 से घटाकर 18फीसदी करने का ऐलान किया है। भारत-अमेरिका के बीच एक ऐतिहासिक ट्रेड एग्रीमेंट के बाद मंगलवार को एनडीए संसदीय बैठक में पीएम मोदी का तालियों और तारीफों के साथ स्वागत किया गया। पीएम मोदी से फोन पर बात करने के बाद ट्रंप ने घोषणा की कि भारत और अमेरिका एक ट्रेड डील पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत वाशिंगटन भारतीय सामानों पर आपसी टैरिफ को मौजूदा 25 से घटाकर 18 फीसदी कर देगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक में कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत ने व्यापारिक समझौतों की झड़ी लगा दी है। उन्होंने भारत की बढ़ती वैश्विक साख को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में यूरोपीय संघ, यूएई, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और अब अमेरिका के साथ अहम व्यापारिक समझौते किए हैं। ये

समझौते न केवल भारत के प्रति दुनिया के भरोसे को दर्शाते हैं, बल्कि आने वाले समय में देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

रिजिजू ने बताया कि यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। भारत की पहचान और कद वैश्विक स्तर पर बढ़ा है और यह इन ट्रेड एग्रीमेंट के जरिए भारत पर कई देशों के भरोसे को दिखाता है। यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती से आगे बढ़ाएगा। ट्रेड एग्रीमेंट की घोषणा के बाद पीएम मोदी ने इस डेवलपमेंट को भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ा बढ़ावा बताया और इस फैसले के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों और अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग से अहम अवसर खुलेंगे और दोनों देशों के लोगों को फायदा होगा।

पीएम मोमदी ने ट्रंप के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा कि यह वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए अहम है और अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका भारतीय सामानों पर अपनी आपसी टैरिफ दर को 25 से घटाकर 18 फीसदी कर देगा और इस कदम को पीएम मोदी के प्रति दोस्ती और सम्मान का प्रतीक बताया। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि यह समझौता दोनों देशों के बीच संबंधों को और गहरा करेगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील की संसद में सरकार दे पूरी जानकारी : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौतों के बाद अमेरिका द्वारा 18 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने को लेकर कहा कि इस फैसले का वास्तविक असर ज़मीन पर लागू होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा, इसलिए पर्याप्त जानकारी के अभाव में जल्दबाज़ी में कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। सोशल मीडिया पर मंगलवार को जारी बयान में बसपा नेत्री मायावती ने आशंका जताई कि इस तरह के कदमों का प्रभाव देश के बहुजन, गरीबों, मज़दूरों, किसानों और महिलाओं पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यह जानना ज़रूरी है कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक निर्णयों से आम जनता को क्या लाभ या नुकसान होगा। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर संसद सत्र के दौरान विस्तृत जानकारी दी जाए, ताकि देशवासियों को सही–सही तथ्य मिल सकें और पारदर्शिता बनी रहे। उनका कहना था कि सरकार द्वारा समय रहते स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करने से भ्रम की स्थिति समाप्त होगी और जनहित से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा संभव हो सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय समझौतों और व्यापारिक नीतियों का सीधा असर घरेलू अर्थव्यवस्था और रोज़गार पर पड़ता है, इसलिए सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हर पहलू पर विचार कर जनता के हितों की रक्षा करे।

रील बनाने का जुनून बना काल, वंदे भारत की चपेट में आने से यूपी के दो युवकों की मौत

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट में सोशल मीडिया के लिए रील और सेल्फी बनाने का जानलेवा शौक एक बड़े हादसे में तब्दील हो गया। भक्तिनगर और रिबडा रेलवे स्टेशन के बीच मालधारी रेलवे फाटक के पास सोमवार दोपहर तेज रफ्तार वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब तीनों युवक रेलवे ट्रैक के बेहद करीब खड़े होकर मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। हादसे का शिकार हुए तीनों युवक मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे और राजकोट की एक फैक्ट्री में मजदूरी कर अपना जीवनयापन करते थे। मृतकों की पहचान संदीप पटेल और संदीप कोहरी के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक का नाम कपिल है, जिसकी हालत अस्पताल में नाजुक बनी हुई है। चश्मदीदों और पुलिस के अनुसार, वंदे भारत ट्रेन अपने निर्धारित रूट पर उच्च गति से गुजर रही थी, तभी ये युवक ट्रैक के पास रील बनाने और फोटो खींचने में मशगूल थे। ट्रेन की रफ्तार इतनी तेज थी कि युवकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और वे सीधे उसकी चपेट में आ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे युवक की मौत इलाज के दौरान हुई। घायल कपिल को तत्काल 108 एम्बुलेंस के जरिए राजकोट सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और कुछ समय के लिए रेल यातायात भी बाधित रहा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी दल–बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। राजकोट दक्षिण के एसीपी भावेश जाधव ने बताया कि प्राथमिक जांच और चश्मदीदों के बयानों से यह स्पष्ट हुआ है कि युवक ट्रेन के साथ वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से लापरवाही का मामला है। फिलहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। इस दुखद घटना ने एक बार फिर रेलवे ट्रैक के पास सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रेलवे प्रशासन ने जनता से बार–बार अपील की है कि वे पटरियों के पास सेल्फी लेने या वीडियो बनाने जैसी खतरनाक गतिविधियों से दूर रहें। वंदे भारत जैसी हाई–स्पीड ट्रेनों के आने के बाद रेलवे ट्रैक के पास की गई छोटी सी चूक भी जानलेवा साबित हो सकती है।

हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट की बस खाई में गिरी, 3 की मौत, कई गंभीर रुप से घायल

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून के विकासनगर इलाके में बस गहरी खाई में गिर गई, जिससे कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। बस में 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है। कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा क्वाणु इलाके में सुदोई खड्ड के पास हुआ, जब चौपाल–नेरवा से हिमाचल प्रदेश के पांवटा साहिब जा रही हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बस बेकाबू होकर खाई में गिर गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बस सुबह करीब 6 :30 बजे चौपाल डिपो से नेहवा पहुंची थी और मीनस–क्वाणु–हरिपुर रूट से पांवटा साहिब की ओर जा रही थी। उस समय बस में 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। यह हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि मीनस–क्वाणु–हरिपुर सड़क पर सुदोई खड्ड के पास एक ट्रक को रास्ता देते समय सड़क का किनारा धंस गया। नतीजतन, यात्रियों से भरी हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन बस का संतुलन बिगड़ गया, वह कई बार पलटी और आखिरकार सीधी गहरी खाई में जा गिरी। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत–बचाव कार्यों में मदद करने लगे। पुलिस प्रशासन और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने जाजपुर के बिराजा मंदिर में पिंड दान किया

जाजपुर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को ओडिशा के जाजपुर जिले स्थित बिराजा मंदिर में पिंड दान अनुष्ठान किया। इस पवित्र कार्यक्रम का उद्देश्य उनके पूर्वजों की आत्माओं के उद्धार के लिए धार्मिक संस्कार करना था। मंदिर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे और राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए लगभग 600 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह दौरा धार्मिक और शैक्षिक दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिंड दान के बाद वह बालासोर स्थित फकीर मोहन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इस अवसर पर वह विश्वविद्यालय परिसर में नए निर्मित ऑडिटोरियम का उद्घाटन भी करेंगी। अधिकारियों के अनुसार यह पहल पूर्वी भारत में उच्च शिक्षा के ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रपति का यह कार्यक्रम क्षेत्रवासियों के लिए गौरव का क्षण भी माना जा रहा है, क्योंकि इससे स्थानीय धार्मिक और शैक्षिक संस्थानों को राष्ट्रीय स्तर का सम्मान मिला है।

नवी मुंबई की लापता लॉ स्टूडेंट श्रेया पाटी लोनावला में मृत मिली

मुंबई (एजेंसी)। नवी मुंबई से लापता 20 वर्षीय लॉ स्टूडेंट श्रेया नरेंद्र पाटी का शव पुणे जिले के लोनावाला स्थित टाइगर पॉइंट की 400 फीट गहरी खाई में मिला है। पुलिस के अनुसार, श्रेया 30 जनवरी से लापता थी। शव को ढूँढने में ड्रोन कैमरों की मदद ली गई। श्रेया बिट्स लॉ स्कूल की छात्रा थी। 30 जनवरी को उसने नवी मुंबई स्थित घर से कहा था कि वह लोनावला में ड्यूक्स नोज पर ट्रेकिंग करने जा रही है और शाम तक लौट आएगी। इसके बाद उसका फोन नेटवर्क से बाहर हो गया। पुलिस ने बताया कि उसी दिन शाम को श्रेया के पिता को टाइगर पॉइंट के पास नाश्ते की दुकान चलाने वाले व्यक्ति का फोन आया। दुकानदार ने बताया कि उसकी दुकान के पास एक बैग मिला है, जिसमें श्रेया का कॉलेज आईडी कार्ड था। इस जानकारी के बाद पुलिस ने लोनावला में खोजबीन तेज की और ड्रोन की मदद से उसका शव खाई में पाया। अधिकारियों का अनुमान है कि श्रेया खाई में गिर गई, लेकिन मामले की पूरी जांच अभी चल रही है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और घटना के कारणों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राजकोट के यस बैंक में भीषण आग, कैश सुरक्षित, फर्नीचर जलकर खाक

राजकोट(एजेंसी)। गुजरात के राजकोट शहर के रेसकोर्स रिंग रोड स्थित यस बैंक की शाखा में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, और लगभग एक घंटे की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि बैंक का पूरा फर्नीचर, 12 कंप्यूटर और प्रिंटर जलकर खाक हो गए हैं।

भारत-अमेरिका 'ट्रेड डील' पर बोले शशि थरूर- कीमतों पर नहीं पड़ेगा बड़ा असर

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत पर अमेरिकी टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान ने सियासी और आर्थिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है कि भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने पर सहमति जताई है। इस दावे के बाद आशंका जताई जा रही थी कि इससे वैश्विक और घरेलू स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है। हालांकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा है कि वेनेजुएला के तेल के वैश्विक बाजार में लौटने से कीमतों पर दबाव नहीं पड़ेगा।

एक बातचीत में शशि थरूर ने कहा, कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील काफी समय से अटकी हुई थी और तेल के मुद्दे पर उन्हें कोई खास हैरानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों द्वारा रूस, ईरान और वेनेजुएला पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति सीमित हो गई थी, जिससे कई देशों को वैकल्पिक स्रोत तलाशने पड़े। कांग्रेस नेता थरूर ने बताया कि पहले भारत, पश्चिमी देशों की सहमति से रूस से तेल खरीदकर सीमित आपूर्ति के दबाव को कम कर पा रहा था। लेकिन जब राष्ट्रपति ट्रंप ने इस पर सख्ती दिखाते हुए भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, तो यह व्यवस्था लंबे समय तक टिकाऊ नहीं रह सकी। उन्होंने कहा कि रूस से भारत की तेल खरीद में पहले ही काफी गिरावट आ चुकी है।

कांग्रेस सांसद थरुर ने आगे कहा कि रूसी तेल पर सख्त प्रतिबंधों के चलते वेनेजुएला के तेल के लिए रास्ता खोलना जरूरी हो गया था। उनके मुताबिक जनवरी की शुरुआत में जो कदम उठाए गए, उनका मकसद यह था कि वेनेजुएला में ऐसा प्रशासन आए, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिर से तेल की आपूर्ति कर सके। शशि थरूर ने कहा कि अब अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला में तेल का उत्पादन करेंगी और भारत जैसे देश, जो पहले ईरान और रूस से तेल खरीदते थे, वे वेनेजुएला से तेल आयात कर सकेंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त की चेतावनी पर बोलीं ममता- वे सरकार के पिछलग्गू की तरह काम कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच भारी गहमागहमी देखने को मिली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दो टूक शब्दों में स्पष्ट कर दिया कि देश में कानून का शासन सर्वोपरि रहेगा। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में आए तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कड़े लहजे में कहा कि कानून अपने हाथ में लेने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। आयोग ने साफ किया कि वह अपने पास निहित शक्तियों और कानूनी प्रावधानों के अनुसार ही कार्य करेगा और किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममत बनर्जी ने आयोग पर सरकार का पिछलग्गू होने का आरोप लगाया है।

यह विवाद राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से शुरू हुआ। तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के समक्ष मतदाता सूची से संबंधित कई गंभीर मुद्दे उठाए। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान माहौल उस समय

तनावपूर्ण हो गया जब मुख्यमंत्री ने जाते समय मेज थपथपाकर अपनी बात रखी। आयोग के साथ हुई इस बैठक के बाद ममता बनर्जी ने निर्वाचन सदन से बाहर आकर चुनाव आयोग पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने आयोग पर राज्य के लोगों को निशाना बनाने और सत्तारूढ़ दल के पिछलग्गू की तरह काम करने का संगीन आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने इस बैठक को अपमानजनक करार देते हुए इसके बहिष्कार का ऐलान किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान लगभग 58 लाख लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। बनर्जी का आरोप है कि नाम की वर्तनी में मामूली बदलाव जैसी छोटी-छोटी बातों को आधार बनाकर मतदाताओं को सूची से बाहर किया गया है और प्रभावित लोगों को अपना पक्ष रखने का उचित अवसर भी नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया, क्या चुनाव आयोग चुनाव से पहले ही सरकार चुन लेगा? उन्होंने आयोग के व्यवहार को अहंकारी बताते हुए कहा कि उनकी पार्टी को न्याय नहीं मिला है।

मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पार्टी ने आयोग को पांच पत्र भेजे थे, लेकिन उनमें से एक का भी जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आयोग सत्ताधारी दल के निर्देशों पर काम कर रहा है। बनर्जी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह लाखों लोगों को दिल्ली लाकर किसी के भी सामने उनकी परेड करा सकती हैं। उन्होंने बैठक से बाहर आने के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया गया, जिसके कारण उन्हें अंततः बैठक का बहिष्कार करना पड़ा। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बीच ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस पर भी बंग भवन की घेराबंदी करने का आरोप लगाया। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है और बंग भवन में न तो सुरक्षा में कोई चूक हुई है और न ही किसी प्रकार का प्रतिबंध लगाया गया है। चुनाव आयोग और एक राज्य की मुख्यमंत्री के बीच इस तरह का सीधा टकराव आने वाले चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक माहौल को और अधिक गर्मा सकता है।

लव जिहाद से जुड़े बड़े रैकेट का खुलासा... हिंदू बताकर 300 लड़कियों को ब्लैकमेल कर देह व्यापार में धकेला

पुलिस ने मुख्य आरोपी अजफरुल हिस्ट्रीशीटर अपराधी को जेल भेजा

बस्ती (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में लव जिहाद से जुड़े एक बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। आरोप है कि मुख्य आरोपी अजफरुल हक उर्फ प्रिंस और उसके गिरोह ने 100 से अधिक लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाया है। आरोपी अजफरुल खुद को हिंदू बताकर, कलावा पहनकर और शादी व नौकरी का झांसा देकर भरोसा जीतता था। इसके बाद में आपत्तिजनक वीडियो बनाकर पीड़िताओं को

ब्लैकमेल कर उन्हें देह व्यापार में धकेल देता था। पीड़िताओं को नेपाल सहित देश के अलग-अलग राज्यों में भेजने का आरोप है। विरोध करने पर उनके परिवार को प्रताड़ित और अपहरण की धमकी दी गई। पुलिस ने इस मामले में 8 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

पीड़िता बस्ती शहर में एक निजी हॉस्पिटल में काम करती थी, जहां जनवरी 2022 में उसकी मुलाकात प्रिंस से हुई जो खुद को हिंदू बताकर अच्छे हॉस्पिटल में नौकरी दिलवाने के नाम पर उसका मोबाइल नंबर ले लिया। धीरे धीरे आरोपी ने पीड़िता को प्रेम जाल में फंसाया। युवती को शक न हो इसके लिए युवक अजफरुल बाकायदा अपने हाथ में कलावा पहनता था। भरोसा जीतकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर शादी का झांसा दे लगातार दुष्कर्म किया। जब बात हद से ज्यादा गुजर गई और युवती शिकायत लेकर उसके घर पहुंची, तब घर में भी युवक ने अपने भाई व सहयोगी के साथ मिलकर उसके साथ गैंगरेप किया। इतना ही नहीं पीड़िता यदि आरोपी के पास नहीं जाती थीं तब उसके भाई को भी किडनैप किया जाता था।

पीड़िता के अनुसार आरोपी अजफरुल हिस्ट्रीशीटर अपराधी है और इसके काले कारनामों में उसके घर वाले भी साथ देता है। पीड़िता ने दावा किया कि आरोपी और उसका भाई हिंदू बनकर करीब 300 लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाकर उन सभी का आपत्तिजनक वीडियो बना चुके थे और उसके बाद देहव्यापार के लिए देश विदेश में बेच देते थे।

धोखाधड़ी की सुनियोजित साजिश

पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड हिस्ट्रीशीटर अपराधी अजफरुल हक उर्फ प्रिंस है। अपनी असली पहचान छिपाकर वह खुद को प्रिंस (हिंदू) बताता था। युवतियों को गुमराह करने के लिए वह बाकायदा कलाई पर कलावा पहनता था, ताकि किसी को उसकी धार्मिक पहचान पर शक न हो। डिप्टी एसपी सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। विवेचना के दौरान जो भी नए तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कई बीजेपी विधायक दिल्ली पहुंचे, मणिपुर में सरकार बनाने की भागदौड़ तेज

–पार्टी ने तरुण चुक को बनाया पर्यवेक्षक, मैतेई समुदाय का बन सकता है सीएम

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीजेपी में मणिपुर से लेकर दिल्ली तक भागदौड़ तेज हो गई है। मणिपुर के 20 से ज्यादा बीजेपी विधायक दिल्ली पहुंचे थे और अब पार्टी ने विधायक दल का नेता चुनने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिया है। राज्य में अगले साल राष्ट्रपति शासन खत्म होने वाला है और उससे पहले पार्टी के नेता चाहते हैं कि सरकार बना ली जाए। सोमवार को बीजेपी ने मणिपुर में पर्यवेक्षक के तौर पर तरुण चुग को नियुक्त किया है, जो पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं। अब किसी भी दिन मणिपुर में एनडीए विधायकों की बैठक हो सकती है जिसमें नेता का चुनाव हो सकता है।

बीजेपी सूत्रों का कहना है कि नई सरकार में राज्य में एक डिप्टी सीएम भी होगा। मैतेई समुदाय से सीएम बनने की संभावना है तो वहीं कुकी समुदाय के किसी नेता को डिप्टी सीएम के तौर पर जिम्मेदारी दी जा सकती है। ऐसा इसलिए ताकि राज्य में यह संदेश जाए कि सरकार सभी को साथ लेकर चल रही है।

बता दें बीते सालों में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच तनाव देखा गया था और भीषण हिंसा हुई थी। इसी स्थिति से बचाव के लिए बीजेपी अब कुकी समाज से एक डिप्टी सीएम बना सकती है। बीरेन सिंह की सरकार में असेंबली स्पीकर रहे सत्यब्रत सिंह और पूर्व मंत्री टीएच बिस्वजीत सिंह और के गोविंद दास को मौका मिल सकता है। ये सभी नेता मैतेई समुदाय के ही हैं। दरअसल बीजेपी के अंदर भी तनाव की स्थिति है। कुकी विधायकों का कहना है कि उनके समुदाय का दबाव है। ऐसी स्थिति में यदि कुकी समुदाय को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला तो उनके लिए सरकार का हिस्सा बनना मुश्किल होगा। ऐसी मांग कुकी विधायकों ने केंद्रीय नेतृत्व से की है। इसको लेकर सरकार अब विचार कर रही है। यही नहीं कुछ विधायकों का कहना है कि मणिपुर को केंद्र शासित प्रदेश ही बना देना चाहिए, जिसकी अपनी विधानसभा भी हो। बता दें मणिपुर में पहली बार 13 फरवरी 2025 को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। यह 6 महीने के लिए था और फिर अगस्त 2025 में एक बार फिर से इसे 6 महीने के लिए बढ़ा दिया गया। एन बीरेन सिंह ने बीते साल फरवरी में सीएम पद छोड़ दिया था। मणिपुर में विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है। ऐसे में विधायक चाहते हैं कि कम से कम एक साल के लिए ही नए सिरे से सरकार का गठन किया जाए और कुछ काम करके ही जनता के बीच चुनाव में जाया जाए। फिलहाल 60 सीटों वाले मणिपुर सदन में बीजेपी के 37 विधायक हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26: विकास की दौड़ में पटना सबसे आगे

पटना(एजेंसी)। बिहार सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के आंकड़ों ने राज्य के भीतर आर्थिक समृद्धि और विकास की गहरी विषमता को उजागर कर दिया है। सर्वेक्षण से स्पष्ट हुआ है कि जहां राज्य की औसत प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 76,490 रुपये तक पहुंच गई है, वहीं जिलों के बीच विकास का असंतुलन चिंता का विषय बना हुआ है। यह रिपोर्ट मुख्य रूप से प्रति व्यक्ति आय, ईंधन (पेट्रोल-डीजल) की खपत, एलपीजी उपयोग और लघु बचत जैसे संकेतकों पर आधारित है, जो स्थानीय स्तर पर जीवन स्तर के वास्तविक अंतर को दर्शाती है।

सर्वेक्षण के अनुसार, राजधानी पटना ने राज्य के सबसे समृद्ध जिले के रूप में अपना दबदबा बरकरार रखा है। पटना में प्रति व्यक्ति आय 1,31,332 रुपये दर्ज की गई है, जो न केवल राज्य के औसत से कहीं अधिक है, बल्कि सबसे गरीब जिले की तुलना में लगभग छह गुना ज्यादा है। पटना की इस समृद्धि का मुख्य कारण वहां का व्यापारिक ढांचा, शैक्षणिक केंद्र और सरकारी सेवाओं की सघनता है। समृद्धि के मामले में बेगूसराय 61,566 रुपये की आय के साथ दूसरे और औद्योगिक गतिविधियों वाला मुंगेर 54,469 रुपये के साथ तीसरे स्थान पर खड़ा है।

इसके विपरीत, राज्य के कुछ जिले आज भी भीषण आर्थिक पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। शिवहर बिहार का सबसे गरीब जिला बनकर उभरा है, जहां प्रति व्यक्ति आय महज 22,047 रुपये है। इसी श्रेणी में अररिया (23,670 रुपये) और सीतामढ़ी (24,332 रुपये) का स्थान आता है। इन जिलों में आजीविका का मुख्य आधार कृषि है, लेकिन हर साल आने वाली बाढ़, संसाधनों की कमी और औद्योगिक निवेश के अभाव ने यहां विकास की गति को रोक दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, इन पिछड़े जिलों में ईंधन और एलपीजी की खपत भी सबसे कम दर्ज की गई है, जो बुनियादी सुविधाओं की कमी की ओर इशारा करती है। हालांकि, व्यापक स्तर पर बिहार की अर्थव्यवस्था ने 2024-25 में 13.1 प्रतिशत की शानदार विकास दर दर्ज की है, जो राष्ट्रीय औसत 9.8 प्रतिशत से काफी बेहतर है। राज्य की जीडीपी में सेवा क्षेत्र का योगदान 58 प्रतिशत तक पहुंच गया है, लेकिन कृषि और विनिर्माण क्षेत्र में अभी भी सुधार की काफी गुंजाइश है। सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य पर भारी बजट आवंटित किया है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक पिछड़े जिलों के लिए लक्षित औद्योगिक नीतियां और बाढ़ नियंत्रण के ठोस उपाय नहीं किए जाते, तब तक यह विषमता दूर करना संभव नहीं होगा। यह सर्वेक्षण नीति निर्माताओं के लिए एक चेतावनी है कि तीव्र आर्थिक विकास के साथ-साथ समावेशी

विकास पर ध्यान देना अब अनिवार्य हो गया है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)